THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 104 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ पूर्णिमा 2082 गुरुवार, 10 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

महिला की वोटर आईडी पर सीएम नीतीश कुमार की फोटो

मधेपुरा, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मधेपुरा के जयापालपट्टी की रहने वाली एक महिला के वोटर आईडी पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की फोटो लगी लगी है। यह मामला तब सामने आया, जब बुधवार को बिहार बंद के दौरान महिला का पति चंदन कुमार आईडी कार्ड लेकर मीडिया के पास पहुंचा गया। चंदन ने मीडिया को जब आईडी दिखाया तो उसपर नाम अभिलाषा कुमारी लिखा है, लेकिन तस्वीर सीएम नीतीश की लगी है। ऐसे में चंदन का कहना है, मैं पत्नी किसे मानूं, अभिलाषा को या नीतीश कुमार। चंदन ने इसे चुनाव आयोग की लापरवाही बताया है। उसने बताया, 'करीब ढाई महीने पहले पोस्ट ऑफिस के जरिए हमारी पत्नी के नाम से वोटर आईडी कार्ड आया। लिफाफे पर नाम और पता सब ठीक था।

पीएम को 21 तोपों की सलामी

✲ एयरपोर्ट पर कलाकारों के साथ ढोल बजाया ✲ 27 साल बाद यहां जाने वाले भारतीय पीएम

विंडहोके, 9 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के देश नामीबिया दौरे पर हैं। नामीबिया की राष्ट्रपति डॉ नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह ने राजधानी विंडहोक स्थित स्टेट हाउस में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने हाथ मिलाकर एक दूसरे का अभिवादन किया। इसके बाद पीएम मोदी और राष्ट्रपति नंदी-नदैतवा के बीच डेलिगेशन लेवल पर बातचीत हुई। दोनों देशों ने एकदूसरे के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयूएस) एक्सचेंज किए।

विंडहोक स्थित स्टेट हाउस में पीएम मोदी को 21 तोपों की सलामी दी गई। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर मिला। इससे पहले विंडहोक एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का नामीबिया केएस पारंपरिक नृत्य के साथ स्वागत किया गया। पीएम ने कलाकारों के साथ ढोल भी बजाया। नामीबिया में प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली और किसी भारतीय प्रधानमंत्री की तीसरी यात्रा है। 27 सालों बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री नामीबिया दौरे पर है। इससे पहले 1998 में तत्कालीन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी नामीबिया गए थे। 1990 में उस वक्त पीएम रहे वीपी सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी सहित बड़े नेता नामीबिया के पहले स्वतंत्रता दिवस पर वहां गए थे।

नामीबिया से डायमंड-यूरेनियम सप्लाई पर चर्चा संभव

पीएम मोदी नामीबिया की राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा पर गए हैं। पीएम मोदी और राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह के बीच डायमंड, जरूरी खनिजों और यूरेनियम सप्लाई पर चर्चा की संभावना है। इसके अलावा मोदी नामीबिया की संसद को भी संबोधित करेंगे। मोदी का नामीबिया दौरा 2 जुलाई से 10 जुलाई तक 5 देशों की यात्रा का हिस्सा है, जिसमें घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया शामिल हैं। नामीबिया हीरा, यूरेनियम, तांबा, फॉस्फेट और अन्य खनिजों से समृद्ध देश है।

नामीबिया में सबसे ज्यादा समुद्री हीरा, भारत को डायरेक्ट नहीं देता

नामीबिया में दुनिया का सबसे ज्यादा समुद्री हीरे का भंडार है। यहां समुद्र के नीचे लगभग 80 मिलियन कैरेट से ज्यादा हीरा मौजूद है। हालांकि, नामीबिया भारत को कच्चा हीरा डायरेक्ट एक्सपोर्ट नहीं करता है। इसके बजाय, ये लंदन, एंट्वर्प और दूसरे वैश्विक व्यापार केंद्रों से होते हुए भारतीय तटों तक पहुंचते हैं। पीएम मोदी की यात्रा हीरे के डायरेक्ट खरीद-बिक्री के लिए आधार तैयार करने में मदद कर सकती है। भारत की कई डायमंड प्रोसेसिंग कंपनियां पहले से ही नामीबिया में काम कर रही हैं। भारत ने नामीबिया में माइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग, डायमंड प्रोसेसिंग और सर्विसेज सहित कई क्षेत्रों में 800 मिलियन डॉलर (लगभग 6,600 करोड़) से ज्यादा का निवेश किया है।

'रिटायरमेंट के बाद वेद-उपनिषद और प्राकृतिक खेती के प्रति समर्पित रहूंगा'

अहमदाबाद, 9 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर बुधवार को गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान की सहकारिता क्षेत्र से जुड़ीं महिलाओं और अन्य सहकारी कार्यकर्ताओं के साथ 'सहकार-संवाद' किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में सहकारी क्षेत्र महिलाओं को आत्मनिर्भर करने का मजबूत माध्यम बना है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'सहकार-संवाद' कार्यक्रम में बनासकांठा का जिक्र किया और कहा, 'जब मैं पैदा हुआ था, तब बनासकांठा के लोगों को सप्ताह में सिर्फ एक बार नहाने के लिए पानी मिल पाता था। मध्य प्रदेश और राजस्थान के लोगों को शायद इसका अंदाजा न हो, लेकिन बनासकांठा और कच्छ गुजरात के सबसे ज्यादा पानी की कमी वाले जिलों में से थे। आज, एक परिवार सिर्फ दूध उत्पादन से सालाना 1 करोड़ कमाता है। यह एक बहुत बड़ा बदलाव है।'

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'सहकार-संवाद' कार्यक्रम में कहा, 'मैंने निर्णय लिया है कि सेवानिवृत्ति के बाद, मैं अपना शेष जीवन वेदों, उपनिषदों और प्राकृतिक खेती के अध्ययन के लिए समर्पित करूंगा। प्राकृतिक खेती एक वैज्ञानिक प्रयोग है, जिसके अनेक लाभ हैं। रासायनिक उर्वरकों से उगाए गए गेहूं से अक्सर कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। प्राकृतिक खेती न केवल शरीर को रोगमुक्त रखने में मदद करती है, बल्कि कृषि उत्पादकता को भी बढ़ाती है।

अमित शाह ने आगे कहा, 'सहकारिता मंत्रालय पीएम मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन के अनुसार किसानों को सशक्त बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहा है।'

'सहकार संवाद' में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोगों के सवालों का भी जवाब दिया। अमित शाह ने एक प्रतिभागी के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हमने प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) के लिए लगभग 25 छोटे व्यवसाय मॉडल की पहचान की है। सभी पीएसीएस को विभिन्न गतिविधियों से जोड़कर उन्हें समृद्ध बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।

वोटर लिस्ट में कोई गैर भारतीय नहीं रहेगा

स्क्रीनिंग का बिहार मॉडल पूरे देश में लागू करने की तैयारी, अगला नंबर असम और बंगाल का

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची की स्क्रीनिंग पर मचे राजनीतिक कोहराम के बीच चुनाव आयोग (ईसीआई) ने साफ किया है कि यह कवायद देश के हर राज्य में की जाएगी। इसमें घर-घर जाकर मतदाताओं की पुष्टि की जाएगी। इसके जरिए ईसीआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि कोई गैर भारतीय वोटर लिस्ट में न रहे।

आयोग के सूत्रों ने बताया कि अगली बारी उन राज्यों की है जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुदुचेरी शामिल हैं। बिहार में चुनाव के बाद इन राज्यों में अभियान चलाया जाएगा। इस कवायद की असली परीक्षा असम और पश्चिम बंगाल में होगी। यहां बांग्लादेशी घुसपैठियों की मौजूदगी पर पहले से राजनीति गरमाई हुई है। अगले फेज में उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, गोवा और मणिपुर का नंबर है। यहां 2027 में चुनाव हैं। सूत्रों ने बताया कि 2029 में लोकसभा चुनाव से पहले सभी राज्यों की वोटर लिस्ट की स्क्रीनिंग पूरी करने की योजना है।

जगुआर प्लेन क्रैश में दोनों पायलट ने गंवाई जान

चूरू, 9 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के चूरू ज़िले में इंडियन एयरफोर्स का जगुआर ट्रेनर विमान ट्रेनिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार दोनों पायलटों की मौत हो गई। इस घटना को लेकर भारतीय वायुसेना ने गहरा दुख जताया है। साथ ही हादसे की वजह का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी (आंतरिक जांच) के आदेश दे दिए गए हैं। ये जांच इस बात की विस्तृत समीक्षा करेगी कि विमान दुर्घटनाग्रस्त कैसे हुआ।

एयरफोर्स ने दिए हादसे की जांच के आदेश

भारतीय वायुसेना ने X पर एक पोस्ट के जरिए कहा कि वह इस कठिन समय में शोकाकुल परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। वायुसेना ने कहा कि हम बहादुर पायलटों की शहादत को सलाम करते हैं और उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, प्लेन का मलबा एक खेत में मिला है, साथ ही मानव अंग भी बुरी तरह क्षत-विक्षत अवस्था में मिले हैं। हादसे के तुरंत बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक जोरदार धमाका सुनाई दिया, इसके बाद धुआं और आग की लपटें उठती देखीं. ग्रामीणों ने खेतों में लगी आग को बुझाने की कोशिश भी की।

दोपहर 1:25 बजे हुआ हादसा

स्थानीय पुलिस अधिकारी कमलेश ने बताया कि विमान दोपहर करीब 1:25 बजे गिरा। हादसे के बाद जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। साथ ही सेना की राहत और जांच टीम के भी जल्द ही घटनास्थल पर पहुंचने की उम्मीद है। वहीं, भारतीय वायुसेना ने कहा कि हादसे के वक्त विमान ट्रेनिंग पर था।

5 महीने में तीसरा हादसा

बता दें कि पिछले 5 महीने में तीसरी बार जगुआर प्लेन दुर्घटना का शिकार हुआ है। इससे पहले 7 मार्च को अंबाला में और 2 अप्रैल को गुजरात के जामनगर में जगुआर ट्रेनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था. अंबाला में पायलट सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहा था, लेकिन जामनगर हादसे में एक पायलट की मौत हो गई थी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि चूरू जिले के रतनगढ़ क्षेत्र में भारतीय वायुसेना के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ।

नौसेना को सौंपा गया स्वदेशी गोताखोरी सहायता पोत 'निस्तार'

गहरे समुद्र में चलाया जा सकेगा बचाव अभियान

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। पहला स्वदेशी रूप से निर्मित गोताखोरी सहायता पोत बुधवार को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया है। यह पोत गहरे समुद्री में गोताखोरी और बचाव अभियान चला सकती है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया, यह पोत गहरे पानी में बचाव कार्य करने वाली पनडुब्बी (डीएसआरवी) के लिए 'मदर शिप' यानी मुख्य जहाज के रूप में भी काम करेगा, ताकि पनडुब्बी में किसी आपातकाल की स्थिति में कर्मियों को बचाने और निकालने में मदद मिल सके। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा, निस्तार पहली स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित गोताखोरी सहायता पोत है। इसे हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड ने आठ जुलाई को विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना को सौंपा गया। उन्होंने बताया कि यह एक खास तरह का पोत है और गहरे समुद्र में गोता लगाने और बचाव का काम करने में सक्षम है। ऐसी क्षमता दुनिया की कुछ ही नौसेनाओं के पास होती है। यह युद्धपोत भारतीय रजिस्टर ऑफ शिपिंग (आईआरएस) के नियमों के अनुसार डिजाइन और बनाया गया है। यह युद्धपोत भारतीय नौवहन रजिस्टर (आईआरएस) के वर्गीकरण नियमों के अनुसार डिजाइन और निर्मित किया गया है।

बिहार में भी चुनाव चोरी करने की कोशिश : राहुल

> महाराष्ट्र में ऐसा कर चुके हैं > चुनाव आयोग के कमिश्नर भाजपा-आरएसएस की तरह बात कर रहे

पटना, 9 जुलाई (एजेंसियां)। राहुल गांधी बुधवार को पटना में महागठबंधन के प्रदर्शन में शामिल हुए। बिहार में वोटर लिस्ट की स्क्रीनिंग को लेकर विपक्षी पार्टियां विरोध कर रही हैं।

यहां राहुल ने आरोप लगाया कि जैसे महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था, वैसे ही बिहार के चुनाव को चोरी करने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने कहा- इलेक्शन कमिश्नर भाजपा और आरएसएस नेताओं की तरह बात करते हैं। उन्हें (भाजपा) पता चल गया है कि हमने महाराष्ट्र मॉडल समझ लिया है, वे अब बिहार मॉडल लाए हैं। ये गरीबों का वोट छीनने का तरीका है।

राहुल ने कहा-आपको जो करना है करिए, लेकिन बाद में कानून आप पर हावी होगा। कानून आपको नहीं छोड़ेगा। मैं आपको गारंटी दे रहा हूं कि आप कितने ही बड़े क्यों न हो कानून आपको नहीं छोड़ेगा। आप अपना काम नहीं कर रहे हो।

विधानसभा चुनाव में 10% वोटर बढ़े

राहुल ने कहा, कुछ महीने पहले महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव हुआ। उसके कुछ महीने बाद महाराष्ट्र और हरियाणा का विधानसभा का चुनाव हुआ। लोकसभा चुनाव में इंडिया ने जीत दर्ज की। कुछ महीने बाद विधानसभा के चुनाव में हार गई। उस समय हमने ज्यादा कुछ बोला नहीं। कुछ समय बाद हमने डेटा देखना शुरू किया। हमने पाया कि लोकसभा चुनाव के बाद विधानसभा चुनाव में एक करोड़ नए वोटर्स जुड़े। मतलब विधानसभा चुनाव में 10% ज्यादा वोटर्स ने वोट किया। जब हमने पता लगाया कि ये वोटर कहां से आए, कौन हैं, तो आश्चर्य की चीजें निकली। जिन-जिन सीटों पर वोटर्स बढ़े, वहां भाजपा जीती। सारे के सारे नए वोट भाजपा को गए। जब हमने वोटर लिस्ट और वोटिंग की वीडियो मांगी तो इलेक्शन कमीशन (ईसी) शांत हो गया। एक शब्द नहीं कहा। एक बार नहीं कई बार कहा। उन्हें बताया कि कानून के मुताबिक, हमें वोटर्स लिस्ट दी जाए। कानून कहता है कि वीडियोग्राफी हमें दी जाए। आज तक महाराष्ट्र के वोटर लिस्ट हमें नहीं दी गई। वीडियो देने का कानून बदल दिया।

कांग्रेस ने चिट्ठी लिखकर वोटर लिस्ट मांगी थी

कांग्रेस ने 25 जून को महाराष्ट्र चुनाव में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर ईसी को लेटर लिखा था। पार्टी ने आयोग से एक हफ्ते में महाराष्ट्र चुनाव की डिजिटल वोटर्स लिस्ट मांगी थी। साथ ही महाराष्ट्र और हरियाणा में वोटिंग के वीडियो देने को कहा था।

कांग्रेस ने कहा था कि यह पुरानी मांग है और ईसी आसानी से दे सकता है। डेटा मिलने पर हम एनालिसिस करेंगे और ईसी से चर्चा करेंगे। इससे पहले 12 जून को ईसी ने राहुल को लेटर लिखकर चुनाव में धांधली के उनके आरोपों पर चर्चा के लिए बुलाया था। इसके जवाब में कांग्रेस ने आयोग को लेटर लिखा।

अब उड़ान प्रशिक्षण संस्थाओं को मिलेगी रैंकिंग

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद डीजीसीए ने शुरू की नई प्रणाली

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे के बाद उड्डयन मंत्रालय और विमानन नियामक डीजीसीए बेहद सतर्क है। इसी क्रम में डीजीसीए ने उड़ान प्रशिक्षण देने वाली संस्थाओं के लिए रैंकिंग प्रणाली शुरू की है। डीजीसीए के इस कदम का उद्देश्य पायलट प्रशिक्षण गतिविधियों की गुणवत्ता और सुरक्षा में सुधार है। गुजरात के अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे के बाद उड्डयन मंत्रालय और विमानन नियामक डीजीसीए बेहद सतर्क है। इसी क्रम में डीजीसीए ने उड़ान प्रशिक्षण देने वाली संस्थाओं के लिए रैंकिंग प्रणाली शुरू की है। डीजीसीए के इस कदम का उद्देश्य पायलट प्रशिक्षण गतिविधियों की गुणवत्ता और सुरक्षा में सुधार है।

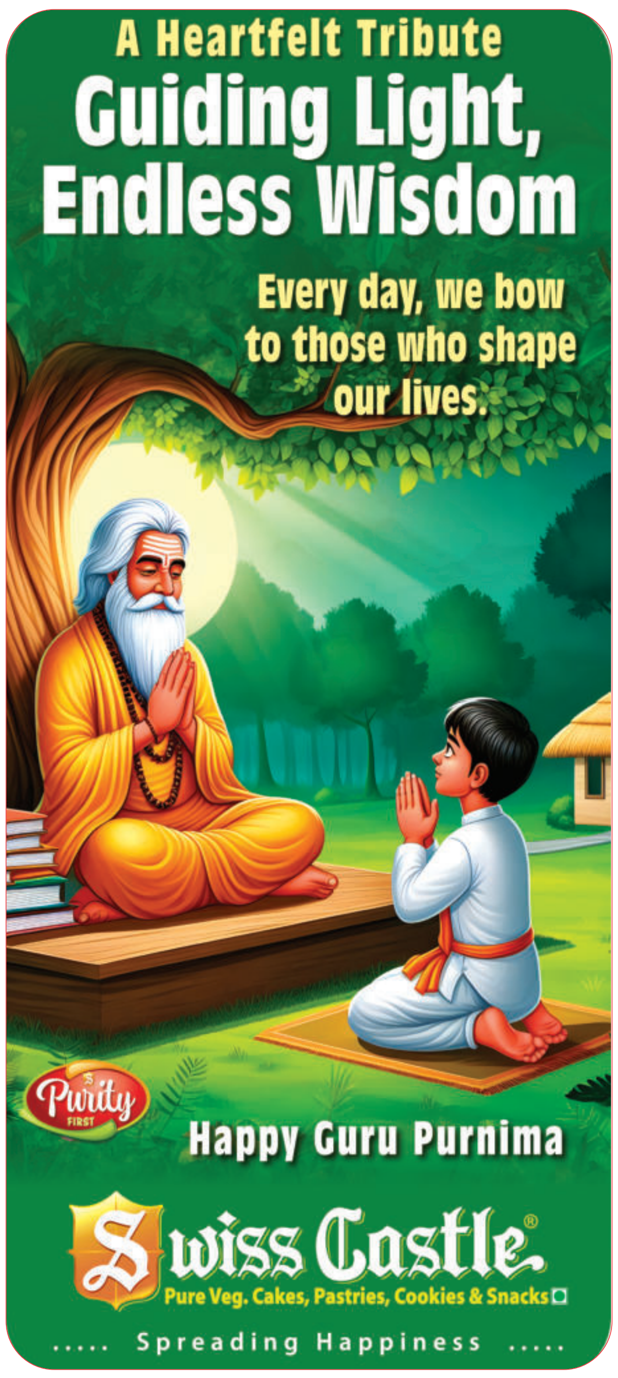

भारत बंद का मिला-जुला असर रहा

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारत बंद का पूरे देश में मिला-जुला असर देखा जा रहा है। बिहार में राजद-कांग्रेस के चक्का जाम के कारण भारत बंद ज्यादा प्रभावी दिखाई दे रहा है जहां इन दलों के कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह बसें-ट्रेन यातायात को प्रभावित किया है।

पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्यों में भी इसका असर दिखाई दे रहा है, लेकिन देश की राजधानी दिल्ली इस बंद से पूरी तरह अछूती दिखाई दे रही है जहां सड़कों पर बसें सामान्य तरीके से चल रही हैं। स्कूल-कॉलेज खुले हैं और निजी संस्थानों-बैंकों में सामान्य कामकाज हो रहा है। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) इस भारत बंद में शामिल नहीं है। दस के करीब वामपंथी केंद्रीय कर्मचारी संघों ने आज नौ जुलाई को भारत बंद का आह्वान किया था। दावा है कि इन संघों में 25 करोड़ के करीब निजी-सरकारी और सहकारी संस्थाओं के कर्मचारी शामिल हैं और ये सभी इस भारत बंद के समर्थन में हैं। इन श्रमिक संघों का आरोप है कि केंद्र सरकार ने पिछले दस वर्षों से श्रमिक संघों से कोई मुलाकात नहीं की है और सरकार श्रमिकों-कर्मचारियों के हित में कोई निर्णय नहीं ले रही है।

इन संघों ने आरोप लगाया है कि सरकार कर्मचारियों-श्रमिकों की बजाय उद्योगपतियों के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय ले रही है।

इसरो ने गगनयान मिशन के इंजन का सफल हॉट टेस्ट किया

अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी हुई तेज

बंगलूरू, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान मिशन के लिए एक और बड़ी सफलता हासिल की है। इसरो ने 3 जुलाई को तमिलनाडु के महेंद्रगिरी स्थित अपने प्रपल्शन कॉम्प्लेक्स में गगनयान सेवा मॉड्यूल प्रपल्शन प्रणाली (एसएमपीएस) के दो 'हॉट टेस्ट' सफलतापूर्वक पूरे किए। इन परीक्षणों की अवधि एक बार 30 सेकंड और दूसरी बार 100 सेकंड रही। इनका उद्देश्य यह था कि गगनयान के लिए तैयार की जा रही प्रणाली की संरचना और कार्यक्षमता की जांच की जा सके। यह परीक्षण गगनयान मिशन की तैयारी का एक अहम हिस्सा था, जिससे यह साबित हुआ कि अंतरिक्ष यात्रा के दौरान प्रपल्शन प्रणाली सही ढंग से काम करेगी। यह सफलता भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन की ओर एक और मजबूत कदम है।

लिक्विड प्रपल्शन सिस्टम सेंटर ने किया विकसित

इसरो ने बताया, 'प्रणाली का कुल प्रदर्शन परीक्षण से पहले लगाए अनुमान के अनुसार पूरी तरह सामान्य रहा। 100 सेकंड के लंबे परीक्षण में सभी रिएक्शन कंट्रोल सिस्टम (आरसीएस) थ्रस्टर्स को अलग-अलग तरीकों से (लगातार चलाना और रुक-रुक कर चलाना) सफलतापूर्वक चलाया गया। साथ ही सभी लिक्विड एपोजी मोटर (एलएएम) इंजन भी साथ में सक्रिय किए गए।' गगनयान की इस प्रप्लशन प्रणाली को इसरो के लिक्विड प्रपल्शन सिस्टम सेंटर (एलपीएससी) ने विकसित किया है। यह प्रणाली बहुत अहम है क्योंकि इसका इस्तेमाल अंतरिक्ष यान को कक्षा में सही ढंग से घुमाने और किसी आपात स्थिति में मिशन को बीच में रोकने के लिए किया जाता है। इस प्रणाली में कुल पांच एलएएम इंजन (प्रत्येक की ताकत 440 न्यूटन) और 16 आरसीएस थ्रस्टर (प्रत्येक की ताकत 100 न्यूटन) शामिल हैं। इन हॉट टेस्ट के दौरान पहले किए गए परीक्षणों से मिली जानकारी के आधार पर इसमें कुछ सुधार भी किए गए ताकि वास्तविक उड़ान जैसी स्थिति को ज्यादा बेहतर ढंग से दोहराया जा सके।

एफएटीएफ ने पहली बार मानी राज्य प्रायोजित आतंकवाद की बात

पाकिस्तान की बढ़ेगी मुश्किल

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद वित्तपोषण की निगरानी करने वाली संस्था एफएटीएफ ने पहली बार राज्य प्रायोजित आतंकवाद की बात को स्वीकार किया है और अपनी ताजा रिपोर्ट में इसका जिक्र किया है। एफएटीएफ का कहना है कि राज्य प्रायोजित आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। गौरतलब है कि भारत लंबे अर्से से राज्य प्रायोजित आतंकवाद का मुद्दा वैश्विक मंच पर उठाता रहा है और इसके खिलाफ कार्रवाई का आह्वान करता रहा है। अब एफएटीएफ द्वारा भी राज्य प्रायोजित आतंकवाद को बड़ा खतरा मानना भारत की बड़ी जीत है। वहीं इससे पाकिस्तान की परेशानी बढ़नी तय है।

आतंकी संगठनों के फंडिंग पैटर्न का भी रिपोर्ट में जिक्र

राज्य प्रायोजित आतंकवाद का मतलब है कि आतंकी संगठनों और आतंकी घटनाओं को वित्तपोषित करना किसी देश की राष्ट्रीय नीति हो। भारत, पाकिस्तान पर राज्य प्रायोजित आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाता आया है। अब एफएटीएफ ने अपनी जुलाई 2025 की 'कॉम्प्रिहेंसिव अपडेट ऑन टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क' रिपोर्ट में पहली बार राज्य प्रायोजित आतंकवाद की बात स्वीकार की है। एफएटीएफ

सौतेली मां को लेकर भाग गया बेटा, शादी भी की, पिता का छलका दर्द, बोले- मेरे सारे अरमान अधूरे रह गए

नूंह, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मां-बेटे का रिश्ता बेहद पवित्र होता है, मगर कुछ लोग इसे शर्मसार करने में भी परहेज नहीं करते। हरियाणा के नूंह से ऐसा ही एक मामला सामने आया है। यहां एक शख्स की बीवी की मौत हो गई तो उसने दूसरी शादी कर ली। लेकिन शख्स के होश तब फाख्ता हो गए, जब उसे पता चला कि नई बीवी को उसी का बेटा भगा ले गया है। पीड़ित ने थाने में जाकर तहरीर दी। पुलिस इस केस की जांच में जुटी है। उधर, पूरे गांव में इस लव स्टोरी की चर्चा हो रही है। जानकारी के मुताबिक, पहले बेटा अपनी सौतेली मां को कोर्ट लेकर गया। वहां दोनों ने कोर्ट मैरिज की। उसके बाद दोनों फरार हो गए। पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है, लेकिन पुलिस का कहना है कि दोनों बालिग हैं। पीड़ित ने बताया- मेरी पत्नी की मौत हो गई थी। पहली पत्नी की मौत के बाद मैंने दूसरी शादी की। फिर अपने नाबालिग बेटे के साथ घर में रहने लगा। इस दौरान नाबालिग बेटे और सौतेली मां में प्रेम संबंध बन गए।

गुजरात के वडोदरा में बड़ा हादसा

महिसागर नदी पर बने पुल का एक हिस्सा गिरा, नौ लोगों की मौत

वडोदरा, 9 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के वडोदरा जिले के पादरा तालुका में आणंद और पादरा को जोड़ने वाले एक पुल का हिस्सा ढह गया। पुल के टूटते ही कई वाहन महिसागर नदी में गिर गए। बताया जा रहा है कि इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई है, जबकि नौ लोगों को बचा लिया गया है।

इस घटना पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दुख जताया और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने हादसे के शिकार हुए लोगों के लिए मुआवजे का भी एलान किया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

बुधवार सुबह आणंद और पादरा को जोड़ने वाले पुल का एक हिस्सा महिसागर नदी में गिर गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, दो ट्रक, एक बोलेरो एसयूवी और एक पिकअप वैन सहित चार वाहन पुल पार कर रहे थे, तभी अचानक यह ढह गया और कई वाहन महिसागर नदी में गिर गए। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वाहनों के नदी में गिरने से पहले तेज आवाज सुनाई दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस और वडोदरा जिला प्रशासन ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने भी घायलों को मलबे से निकालने में मदद की। अब तक तीन लोगों को बचाया गया और उन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती किया गया है।

गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने पुल हादसे पर दुख जताया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, वडोदरा और आणंद जिलों को जोड़ने वाले पुल पर हुए दुखद हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। नौ अन्य को बचा लिया गया है। मुख्यमंत्री ने एक उच्च स्तरीय समिति को घटनास्थल पर भेजकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। वहीं वडोदरा पुल हादसे पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दुख जताया है। उन्होंने कहा, गुजरात में हुआ ये हादसा बेहद दुखद और पीड़ादायक है। लेकिन इस समय एक अहम सवाल भी पूछना जरूरी है। पिछले 30 वर्षों से गुजरात की सत्ता में बैठी बीजेपी क्या ये बताएगी कि बार-बार ऐसे घटिया और जानलेवा पुल गुजरात में कैसे बन रहे हैं, जो भरभराकर गिर जाते हैं?

एक स्थानीय निवासी ने कहा, ये पुल न केवल ट्रैफिक दुर्घटनाओं के हिसाब से खतरनाक है, बल्कि यहां आत्महत्या की कई घटनाएं भी हो चुकी हैं। इसकी स्थिति के बारे में बार-बार चेतावनी दी गई थी, लेकिन प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया।

बता दें कि यह पुल 1985 में बनाया गया था। गुजरात सरकार ने हाल ही में 212 करोड़ रुपए की लागत से एक नए पुल को बनाने की मंजूरी दी थी। फिलहाल मुख्यमंत्री ने तकनीकी विशेषज्ञों को घटनास्थल पर भेजकर जांच का आदेश दिया है।

एक दिन पहले ली खदान और मिला 50 लाख का हीरा

पन्ना, 9 जुलाई (एजेंसियां)। रत्नगर्भा नाम से प्रसिद्ध हीरा नगरी पन्ना में 11.95 कैरेट का एक बेशकीमती हीरा मिलने का मामला सामने आया है। जहां इस हीरे की अनुमानित कीमत तकरीबन 50 लाख रुपए और उसके ऊपर बताई जा रही है। पन्ना हीरा कार्यालय में यह हीरा माधव आदिवासी के नाम से जमा किया गया है। इस मामले में विवाद तब खड़ा हो गया, जब दो अलग-अलग व्यक्तियों ने हीरे पर अपना-अपना दावा पेश करने लगे। इसमें निसार खान और एक अन्य व्यक्ति ने इस पर आपत्ति जताई है। वहीं अब अधिकारियों ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है।

मामले में पुष्पेंद्र तिवारी का कहना है कि यह हीरा हीरापुर की उथली खदान में मिला था। उन्होंने बताया कि जुलाई 2024 में उन्होंने निसार खान और श्रीपाल जैन के साथ मिलकर हीरापुर में खनन का काम शुरू किया था। जहां तीनों की पार्टनरी में पुष्पेंद्र की 70%, निसार की 20% और श्रीपाल की 10% हिस्सेदारी थी।

बठिंडा में 40 किलो हेरोइन बरामद

बठिंडा, 9 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई मुहिम 'नशे के खिलाफ जंग' के तहत जिले में व्यापक स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी के तहत बठिंडा पुलिस ने भारी मात्रा में 40 किलो हेरोइन और एक फॉर्च्यूनर गाड़ी सहित 6 व्यक्तियों को काबू किया है। यह बातें एसएसपी मैडम अमनीत कौंडल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कही। इस अवसर पर एसएसपी मैडम अमनीत कौंडल ने कहा कि बठिंडा पुलिस के सीआईए स्टाफ-। पुलिस पार्टी ने संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग के सम्बन्ध में एक गाड़ी फॉर्च्यूनर, काले रंग, नम्बर पी बी। 53 ई 6771, जिसमें 6 व्यक्ति सवार थे, को चेक करके उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को राहत नहीं

13 अगस्त तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की न्यायिक हिरासत 13 अगस्त तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने यह आदेश तब पारित किया जब राणा को पहले दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। राणा 26/11 के मुख्य षड्यंत्रकारी अमेरिकी नागरिक डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी सहयोगी है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा 4 अप्रैल को उसके भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ उसकी पुनर्विचार याचिका खारिज करने के बाद उसे भारत लाया गया था।

तहव्वुर राणा इस समय दिल्ली की तिहाड़ जेल में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कस्टडी में है। उससे 26/11 हमले से जुड़े मामलों में पूछताछ कर की जा रही है। बता दें पाकिस्तान से नाव में आए लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने करीब 60 घंटे तक मायानगरी को बंधक बनाए रखा था। आतंकियों ने इस दौरान 160 से ज्यादा लोगों की जान ले ली थी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने नौ आतंकियों को मौके पर ढेर कर दिया था, जबकि एक आतंकी अजमल कसाब जिंदा पकड़ा गया था।

आतंकी रिंदा ने पाक से गुरदासपुर भेजे थे हथियार

पुलिस ने फेल किया प्लान एके-47 और ग्रेनेड बरामद

गुरदासपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के गुरदासपुर जिले के थाना पुराना शाला पुलिस ने पंजाब में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए भेजी गई हथियारों की खेप बरामद की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा निवासी श्री हजूर साहिब नांदेड़, महाराष्ट्र बब्बर खालसा का मुख्य सरगना है। वह इस समय पाकिस्तान से भारत के खिलाफ आतंकी कार्रवाइयों को अंजाम दे रहा है। आरोपित ने पंजाब में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए हथियारों की खेप पाकिस्तान से भेजी है। इस खेप को थाना पुराना शाला के तहत आते तिब्बड़ी पुल से गाजीकोट की तरफ जाती नहर के किनारे छिपाकर रखा गया है। इस खेप को किन्हीं अज्ञात आरोपितों ने उठाना है, जिसके बाद किसी बड़ी वारदात को अंजाम दिया जाना है। पुलिस पार्टी ने सूचना के आधार पर उक्त जगह पर सर्च ऑपरेशन चलाया और झाड़ियों में छिपाकर रखी गई दो एके-47, 16 जिंदा राउंड, दो मैगजीन और दो हैंड ग्रेनेड बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपित हरविंदर सिंह रिंदा और अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

केरल की नर्स निमिषा प्रिया जिसे 16 जुलाई को यमन में दी जाएगी फांसी, आखिर क्या है जुर्म?

कोच्चि, 9 जुलाई (एजेंसियां)। केरल की रहने वाली नर्स निमिषा प्रिया को यमन में मौत की सजा सुनाई गई थी। यमन के राष्ट्रपति रशद अल-अलीमी ने निमिषा को दी गई मौत की सजा पर अपनी मुहर लगा दी थी। अब खबर है कि निमिषा प्रिया को 16 जुलाई को फांसी दी जाएगी। दरअसल निमिषा पर एक यमनी नागरिक की हत्या का आरोप है। नर्स निमिषा प्रिया ने यमन में अपना क्लीनिक खोला था। जानकारी के मुताबिक, उसकी दोस्ती यमन में एक शख्स से हुई, जिसका नाम था अब्दो महदी। महदी ने उसकी क्लीनिक को खोलने में मदद करने का वादा किया था। यह भी दावा किया जाता है कि महदी ने अपना वादा नहीं निभाया, बावजूद इसके निमिषा ने यमन में अपना क्लीनिक खोल लिया। जानकारी के मुताबिक, इसके बाद महदी निमिषा को परेशान करने लगा और उसे अपनी दूसरी पत्नी बताने लगा। वह बार-बार निमिषा से पैसे मांगता। इस बात को लेकर निमिषा ने पुलिस में शिकायत भी की, जिसके बाद कुछ दिनों तक महदी को जेल में रहना पड़ा। हालांकि जब महदी जेल से वापस आया तो उसने निमिषा का पासपोर्ट अपने कब्जे में ले लिया। पासपोर्ट को महदी से वापस पाने के लिए निमिषा ने उसे बेहोशी का इंजेक्शन लगाया। लेकिन बेहोशी के इंजेक्शन का डोज ओवरडोज में बदल गया, और महदी की मौत हो गई। इसके बाद निमिषा ने अपनी कलीग हनान के साथ मिलकर महदी के शरीर के टुकड़े कर डाले और उसकी शरीर को पानी के टैंक में फेंक दिया। बता दें कि हनान यमनी नागरिक है। इस मामले में साल 2018 में निमिषा को मौत की सजा सुनाई गई थी, जबकि हनान को आजीवन कैद हुई थी। निमिषा का एक 8 साल का बेटा भी है।

'उदयपुर फाइल्स' पर बवाल

हाईकोर्ट ने स्पेशल स्क्रीनिंग कराने का निर्देश दिया, मूवी से हटाए गए आपत्तिजनक हिस्से

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने उदयपुर फाइल्स फिल्म के स्पेशल स्क्रीनिंग कराए जाने का निर्देश दिया है। जमीयत उलेमा ए हिंद ने दिल्ली हाईकोर्ट में फिल्म को रोके जाने की मांग की थी। बुधवार को सुनवाई में सेंसर बोर्ड की तरफ से अदालत को बताया गया कि संबंधित आपत्तिजनक हिस्से को हटा दिया गया है। उसके बाद हाई कोर्ट ने संबंधित पक्ष के लिए स्पेशल स्क्रीनिंग रखने का निर्देश दिया है। कन्हैयालाल की हत्या के पीछे कथित तौर पर एक विवादित सोशल मीडिया पोस्ट का समर्थन करना कारण बताया गया था, जिसके बाद दो हमलावरों ने उनकी बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस घटना ने देशभर में तनाव पैदा कर दिया था, जिसके बाद कर्फ्यू और इंटरनेट सेवाएं बंद करनी पड़ी थीं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से वकील फुजैल अहमद अय्यूबी ने याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि फिल्म के ट्रेलर में पैगंबर मोहम्मद और उनकी पत्नियों के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणियां की गई हैं।

जमीयत उलमा-ए-हिंद ने उदयपुर फाइल्स फिल्म के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाते हुए फिल्म पर रोक लगाने की मांग की थी। मौलाना अरशद मदनी ने फिल्म को नफरत फैलाने वाली और एक विशेष समुदाय को बदनाम करने की साजिश करार दिया। जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका में दावा किया गया कि फिल्म एक खास धार्मिक समुदाय को बदनाम करती है और समाज में नफरत फैलाने का खतरा पैदा कर सकती है। याचिका में दावा किया गया है कि फिल्म में भाजपा नेता नूपुर शर्मा के विवादित बयान और ज्ञानवापी मस्जिद विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों को भी शामिल किया गया है, जो वर्तमान में कोर्ट में लंबित है। याचिका में कहा गया है कि फिल्म का उद्देश्य एक खास समुदाय को नकारात्मक और पक्षपाती तरीके से पेश करना है, जो उनके सम्मान और सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचा सकता है।

जुनैद-नासिर मर्डर केस में आरोपी गोरक्षक ने किया सुसाइड

पलवल, 9 जुलाई (एजेंसियां)। होडल में गौरक्षा दल के सदस्य के आत्महत्या करने के मामले में तीन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले मृतक ने मरने से पहले वीडियो बनाकर बजरंग दल के प्रांत संयोजक सहित तीन लोगों को आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया था। वहीं, आत्महत्या के दो दिन बाद मृतक की पत्नी ने जीआरपी चौकी में तीन लोगों के विरुद्ध आत्महत्या के लिए मजबूर करने की शिकायत दी। मृतक लोकश सिंगला 2023 में भिवानी में जुनैद और नासिर की गाड़ी में जलाकर हुई हत्या में मोनू मानेसर उर्फ मोहित यादव के साथ आरोपित था। जीआरपी प्रभारी चंद्रपाल ने बताया कि उन्हें रविवार की सूचना मिली थी कि ट्रेन के सामने एक युवक ने आकर आत्महत्या कर ली है। वह मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया।

आर्थिक अपराधी मोनिका कपूर को अमेरिका से भारत ला रही सीबीआई, 25 साल से थी फरार

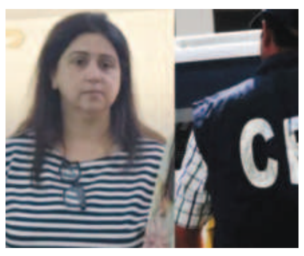

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कथित आर्थिक अपराधी मोनिका कपूर को प्रत्यर्पण के बाद अमेरिका से वापस ला रहा है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कपूर करीब 25 साल से अधिक समय से फरार थीं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय एजेंसी ने कपूर को अमेरिका में हिरासत में ले लिया है और उसे अमेरिकन एयरलाइंस के विमान से भारत लाया जा रहा है, जो बुधवार रात को भारत पहुंच सकता है। 'यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट फॉर द ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ न्यूयॉर्क' ने भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि के तहत कपूर के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी।

विदेश मंत्री ने कपूर के इस दावे को खारिज कर दिया था कि भारत लौटने पर उसे प्रताड़ित किया जाएगा और उसके खिलाफ आत्मसमर्पण वारंट जारी किया था। कथित धोखाधड़ी के बाद कपूर 1999 में अमेरिका चली गई थी। धोखाधड़ी के इस मामले में उसने अपने दो भाइयों के साथ मिलकर आभूषण व्यवसाय के लिए, जाली दस्तावेज बनाए। इन दस्तावेजों का इस्तेमाल कथित तौर पर भारत सरकार से कच्चे माल को शुल्क मुक्त आयात करने के लिए लाइसेंस प्राप्त करने के लिए किया गया था। कथित धोखाधड़ी से भारतीय खजाने को 6,79,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ। अधिकारियों ने कहा कि भारत ने दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के अनुसार अक्टूबर, 2010 में कपूर के प्रत्यर्पण की मांग करते हुए अमेरिका से संपर्क किया था। दरअसल मोनिका कपूर ने अपने भाइयों राजन खन्ना और राजीव खन्ना के साथ मिलकर 1998 में फर्जी एक्सपोर्ट बिल, शिपिंग बिल, इनवॉइस, एक्सपोर्ट के बैंक सर्टिफिकेट के जरिए 2 करोड़ 36 लाख रुपए की ड्यूटी फ्री गोल्ड के इम्पोर्ट के लिए 6 हासिल किए और फिर इस लाइसेंस को अहमदाबाद के व्यापारी दीप को मुनाफे में बेच दिया। दीप ने ड्यूटी फ्री गोल्ड के इम्पोर्ट के लिए इन लाइसेंस का इस्तेमाल करके गोल्ड को इम्पोर्ट किया, जिस वजह से 1998 में सरकार को 1.44 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था।

इस मामले में 31 मार्च 2004 को मोनिका कपूर, राजन खन्ना, राजीव खन्ना के खिलाफ आईपीसी की धारा 120 बी, 420, 467, 468, 471 के तहत दिल्ली की साकेत कोर्ट में चार्जशीट दायर की गई थी। 20 दिसंबर 2017 को कोर्ट ने राजन खन्ना और राजीव खन्ना को दोषी करार दिया था। हालांकि इस दौरान मोनिका कपूर इंवेस्टिगेशन में शामिल नहीं हो रही थी, ट्रायल में शामिल नहीं हो रही थी, इस वजह से 13 दिसंबर 2016 को मोनिका को कोर्ट ने पीओ यानी प्रोक्लेम्ड ऑफिंडर घोषित कर दिया था।

70 करोड़ की एमडी ड्रग्स में रफीक खान गिरफ्तार, अब तक 45 आरोपी पकड़ाए

इंदौर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। क्राइम ब्रांच इंदौर को बड़ी सफलता हाथ लगी है। 70 करोड़ रुपये के एमडी ड्रग्स तस्करी मामले में फरार चल रहे 4 हजार रुपये के इनामी आरोपी को अजमेर जेल से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान रफीक खान (उम्र 41 वर्ष), निवासी अखेपुर, प्रतापगढ़ (राजस्थान) के रूप में हुई है। वह थाना अपराध शाखा, जिला इंदौर में दर्ज अपराध क्रमांक 01/21 के तहत वांछित था। रफीक खान पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22, 8/25, 8/29 सहित आईपीसी की धारा 420, 465, 120बी और 201 के तहत मामला दर्ज था।

जानकारी के अनुसार वह घटना के दिन से ही फरार था। बाद में पता चला कि वह प्रतापगढ़ जिले के किसी अन्य एनडीपीएस मामले में अजमेर जेल में बंद है। सूचना मिलने के बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने प्रोडक्शन वारंट के जरिए उसे इंदौर जिला न्यायालय में पेश किया

समन के खिलाफ केजरीवाल की याचिका

दिल्ली हाई कोर्ट ने ईडी को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा दायर याचिकाओं पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इन याचिकाओं में अरविंद केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति मामले में तलब करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। जस्टिस रविंदर डुडेजा ने ईडी को अरविंद केजरीवाल द्वारा दायर दोनों याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि ईडी हलफनामे में अपनी प्रारंभिक आपत्तियां दर्ज करा सकता है। कोर्ट मामले में अगली सुनवाई 10 सितंबर को करेगी।

दरअसल, दिल्ली की आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने अरविंद केजरीवाल को कई बार तलब किया था। लेकिन वो ईडी के सामने पेश नहीं हुए जिसके बाद ईडी ने राउज एवेन्यू कोर्ट में केजरीवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई की थी। ईडी की शिकायत पर मजिस्ट्रेट कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को 2 समन जारी किए थे। अपनी याचिका में अरविंद केजरीवाल ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के समन के साथ-साथ सेशंस कोर्ट के 17 सितंबर, 2024 के उस फैसले को भी चुनौती दी है, जिसमें उनकी चुनौती को खारिज कर दिया गया था। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश वकील जोहेब हुसैन ने अरविंद केजरीवाल की याचिका की विचारणीयता पर प्रारंभिक आपत्ति जताई और कहा कि पहले भी इसी आधार पर एक याचिका खारिज की जा चुकी है और दूसरी पुनरीक्षण याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता। बता दें कि दिल्ली की आबकारी नीति 2021-22 के निर्माण में कथित अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर रही ईडी ने मामले में अरविंद केजरीवाल को तलब किया था। आरोप है कि अरविंद केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के कई नेता शराब लॉबी से रिश्वत के बदले आबकारी नीति में जानबूझकर बदलाव करवाए।

सीबीआई और ईडी दोनों जांच एजेंसी इस मामले की जांच कर रहे हैं। जांच एजेंसियों का आरोप है कि इस कवायद से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल आम आदमी पार्टी ने गोवा विधानसभा चुनाव लड़ने में किया था।

जांच में शामिल ना होने पर ईडी ने अरविंद केजरीवाल को उनके घर से 21 मार्च को और बाद में न्यायिक हिरासत से ही जून में सीबीआई ने भी गिरफ्तार किया था। हालांकि बाद में 12 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने ईडी मामले में और 13 सितंबर को सीबीआई मामले में जमानत दे दी गई थी।

मेयर का छलका दर्द, रोते हुए बोलीं

मेरे छोटे बच्चे भी डर के साए में पुलिस क्यों दे रही ताबड़तोड़ दबिश?

गुरुग्राम, 9 जुलाई (एजेंसियां)। गुरुग्राम में मानेसर नगर निगम की पहली मेयर डा. इंद्रजीत कौर यादव ने अपने गांव हयातपुर में पंचायत की। पंचायत में उन्होंने उन्हें और उनके पति राकेश यादव को पुलिस-प्रशासन द्वारा प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया। मेयर ने कहा कि उनके पति को झूठे मुकदमे में फंसाया जा रहा है। मेयर ने रोते हुए कहा कि घर में उनके छोटे-छोटे बच्चे भी डर के साए में हैं। पंचायत में बोलने और रोने का उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

पंचायत में उन्होंने कहा कि पिछले दो दिन से पुलिस उनके घर लगातार दबिश दे रही है। पूरे घर को चारों तरफ से घेर लिया जाता है। पुलिसकर्मियों द्वारा दो दिन में पेश करने की चेतावनी दी जा रही है। जबकि मुख्य आरोपी अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। मेयर इंद्रजीत कौर ने कहा कि प्रदेश सरकार में एक मंत्री उनके साथ राजनीतिक द्वेष से यह कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि उनके साथ सौतेला व्यवहार नहीं किया जाए। पुलिस पूरे परिवार पर दबाव बना रही है। घर के अंदर जाकर पेश करने की बात कही जा रही है। मिलने आने वाले लोगों की गाड़ियों को जब्त किया जा रहा है। वहीं, सोमवार शाम हुई पंचायत में ग्रामीणों ने मेयर के साथ होने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने कहा कि वह इस मामले को लेकर उच्च अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। मेयर डॉ. इंद्रजीत कौर ने कहा कि वह अपने देश में ही सौतेला महसूस कर रही हैं। जनता ने उन्हें चुना है।

ऐसे में अगर जनता के प्रतिनिधि के साथ ऐसा किया जा रहा है तो गलत है। बता दें कि, वार्ड नंबर 16 के पार्षद दयाराम के चचेरे भाई प्रदीप के साथ मारपीट के मामले में दर्ज कराई गई एफआईआर में राकेश यादव का नाम आया था। पार्षद के भाई ने आरोप लगाया था कि डिप्टी मेयर चुनाव में राकेश के हक में वोट नहीं देने पर उनके साथ मारपीट की गई है। इसके संबंध में खेड़कीदौला थाना पुलिस कई धाराओं के साथ मामला दर्ज किया था।

सुविचार: सब धरती कागज करूं, लिखनी सब बनराय। सात समुद्र की मसि करूं, गुरु गुण लिखा न जाया।

सभी सरकारी स्कूलों के छात्रों को जल्द ही 'मोदी किट' दी जाएगी: बंडी संजय

करीमनगर, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार ने आज अंबेडकर स्टेडियम में दसवीं कक्षा के छात्रों को साइकिल वितरण कार्यक्रम की शुरुआत की। बंदी संजय, जिन्होंने स्वयं कुल 20,000 साइकिलें खरीदीं, ने चरणों में साइकिल वितरण कार्यक्रम की शुरुआत की। शुरुआत में, करीमनगर शहर के सरकारी स्कूलों में दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले सभी छात्रों को साइकिलें वितरित की गईं। बंड़ी संजय के साथ, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की एमएलसी मलका कोमारैया, जिला कलेक्टर पामेला सतपति, शहर के पुलिस आयुक्त गौस आलम, अतिरिक्त कलेक्टर अश्विनी, नगर आयुक्त प्रफुल देसाई, पूर्व विधायक बोडिगे शोभा, भाजपा करीमनगर और सिरसिला जिला अध्यक्ष गंगादी कृष्ण रेड्डी, रेड्डीबोयिना गोपी, पूर्व महापौर डी. शंकर, सुनील राव, पूर्व उप महापौर गुग्गिला रमेश, आरडीओ, डीईओ और कई अन्य अधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, बंडी संजय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें हमेशा लोगों के साथ खड़े रहने और समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित किया है और कहा कि वह उनके नक्शेकदम पर चल रहे हैं और लोगों की यथासंभव मदद कर रहे हैं। करीमनगर जिला कलेक्टर ने इन साइकिलों को वितरित करने का विचार दिया। कलेक्टर ने प्रस्ताव दिया कि बेटी बचाओ बेटी पढाओ कार्यक्रम के तहत लड़कियों को साइकिल देना अच्छा होगा। उस विचार के साथ, आज हम कक्षा 10 के सभी छात्रों को साइकिल

वितरित कर रहे हैं।

ये सरकारी धन नहीं है। मैं करोड़ों खर्च करने के लिए पर्याप्त अमीर नहीं हूं। जब मैंने कुछ कॉर्पोरेट कंपनी के मालिकों से साइकिल खरीदने के लिए सीएसआर के तहत धनराशि देने के लिए कहा, तो उन्होंने मुझसे धनराशि दी और मैं सीएसआर फंड से इन्हें खरीदने के बाद इन साइकिलों को वितरित कर रहा हूं।, उन्होंने कहा कि हुए कि वह भी बचपन से छात्रों की तरह गरीबी में पले-बढ़े हैं, उन्होंने कहा कि उनका जन्म और पालन-पोषण करीमनगर के कपुवाड़ा में हुआ आपके माता-पिता की तरह, मेरे माता-पिता को भी खाना बनाने और पढ़ाने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। वे कड़ी मेहनत करके इस स्तर तक आए।

एक व्यक्ति होने के नाते, जो कठिनाइयों को जानता है, मैं आपके सामने आने वाली कठिनाइयों को जानकर साइकिल वितरित कर रहा हूं। जिला कलेक्टर इस मामले में एक आदर्श हैं। वह ओडिशा से आई हैं और कड़ी मेहनत करके आप सभी के लिए प्रेरणा बन गई हैं। पुलिस कमिश्नर बिहार से यहां आए थे। उनके पिता सेना में सेवा करते थे। वह अनुशासन में पले-बढ़े। केवल वे ही नहीं, महात्मा गांधी, अंबेडकर, मोदी जैसे नेता भी गरीबी में पले-बढ़े। विशेष रूप से, अंबेडकर की दुर्दशा को शब्दों में वर्णित नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कितनी कठिनाई का सामना किया और कितनी अस्पृश्यता का सामना किया? अब मोदी आपकी कठिनाइयों का समाधान करने के लिए यहां हैं। उन्होंने कहा, "हमारे बचपन में हमारी मदद करने वाला कोई नहीं होता।" संजय ने दावा किया कि मोदी सरकार शिक्षा क्षेत्र को अत्यधिक प्राथमिकता दे रही है। "यूपीए शासन के दौरान (2014-15 के बजट में), केंद्र ने शिक्षा क्षेत्र के लिए केवल 68,728 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इस वर्ष (2025-26) अकेले इसने 1,28,650 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसका मतलब है कि शिक्षा क्षेत्र को धन का आवंटन यूपीए शासन की तुलना में दोगुना हो गया है। इन 11 वर्षों में, हमने अकेले शिक्षा क्षेत्र पर 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं, जो शिक्षा क्षेत्र के प्रति मोदी सरकार की ईमानदारी को दर्शाता है। हालाँकि... इतना पैसा खर्च करने के बावजूद, शिक्षा एक राज्य सरकार है, और 1976 तक, राज्य सरकार ने भी राज्य सरकारों के फंड के अनुसार धन आवंटित किया।

हालाँकि, राज्य सरकार स्कूलों को चलाने और स्थानीय भाषाओं में विषयों के शिक्षण को लागू करने के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा, "क्योंकि मोदी सरकार इस विश्वास के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति लेकर आई है कि केंद्र और राज्यों के समन्वय से शिक्षा क्षेत्र आगे बढ़ेगा।" उन्होंने कहा कि आज छात्रों को दी जा रही साइकिलें मोदी का उपहार हैं और कहा कि बहुत जल्द, वे सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को "मोदी किट" देने जा रहे हैं। "चाहे हज़ारों हों या लाखों, हम उन सभी को मोदी किट देंगे। आपके माता-पिता बेहद गरीबी में जी रहे हैं और आपको शिक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वे भविष्य में ऊँचे पद पर पहुँचने का सपना देखते हैं। आपको इसे ध्यान में रखना चाहिए और सिर झुकाकर पढ़ाई करनी चाहिए.. आपको अच्छी तरह से पढ़ाई करनी चाहिए और सिर ऊँचा करके जीना चाहिए। आपको अच्छी तरह से पढ़ाई करनी चाहिए, यह याद रखते हुए कि आपके माता-पिता ने आपको शिक्षित करने के लिए कितने कष्ट सहे हैं।"

पुरानी हवेली स्थित ऐतिहासिक कोतवाल कार्यालय का आज उद्घाटन

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के लिए एक गौरवशाली क्षण में, पुरानी हवेली स्थित ऐतिहासिक कोतवाल कार्यालय का आज आधिकारिक उद्घाटन किया जाएगा। 150 साल पुराना यह भवन, जो कभी हैदराबाद के पुराने शहर में कानून प्रवर्तन का एक प्रमुख केंद्र हुआ करता था, चार साल पहले इसकी छत गिरने के बाद ध्वस्त होने के कगार पर था। शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के लिए दृढ़ संकल्पित, हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद, आईपीएस, ने इस भवन के जीर्णोद्धार का बीड़ा उठाया। ग्रीनको के सीएमडी अनिल के उदार सहयोग से, जीर्णोद्धार कार्य दिसंबर 2022 में शुरू हुआ। हालाँकि, अक्टूबर 2023 में आयुक्त आनंद के स्थानांतरण के बाद परियोजना को रोक दिया गया था। सितंबर 2024 में आयुक्त के रूप में उनकी पुनर्नियुक्ति के बाद, परियोजना को पुनर्जीवित किया गया और नई प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाया गया।

इस जीर्णोद्धार का कार्य डेक्कन टेरेन एजेंसीज़ के मीर खान द्वारा किया गया, जिन्हें इस चुनौतीपूर्ण कार्य को सटीकता और सावधानी से पूरा करने के लिए प्रशंसा मिली। "यह इमारत हैदराबाद में पुलिस व्यवस्था के लिए अत्यधिक ऐतिहासिक महत्व रखती है। मुझे खुशी है कि कोतवाल के पास अब पुराने शहर की यात्राओं के दौरान उपयोग करने के लिए एक सम्मानजनक स्थान होगा," सीपी सीवी आनंद, आईपीएस ने कहा। पुनर्स्थापित कोतवाल कार्यालय अब हैदराबाद की सांस्कृतिक और प्रशासनिक विरासत के संरक्षण के प्रति समर्पण का एक गौरवशाली प्रतीक है।

भूमि रिकॉर्ड डिजिटलीकरण की दौड़ में तेलंगाना पिछड़ा

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) के पहले चरणों के तहत भूमि अभिलेख डिजिटलीकरण को अपनाने वाले राज्यों में अग्रणी होने के बावजूद , तेलंगाना ने नव-लॉन्च किए गए प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस)-4.0 के तहत प्रदर्शन में उल्लेखनीय गिरावट देखी है, जो राष्ट्रीय औसत और एमआईएस-3.0 के तहत अपने पिछले प्रदर्शन से भी नीचे चला गया है। नया एमआईएस-4.0 पिछले साल 15 अक्टूबर को लॉन्च किया गया था और सभी राज्यों को 14 जुलाई तक डेटा एंट्री पूरी करनी थी। इसका उद्देश्य पूरे भारत में भूमि अभिलेखों का मानकीकरण और केंद्रीकरण करना, वास्तविक समय की भूमि जानकारी को एकीकृत करना, विवादों को कम करना और बेनामी लेनदेन पर अंकुश लगाना है। हालाँकि, तेलंगाना प्रमुख राज्यों में एकमात्र ऐसा राज्य है जो इस कार्य को पूरा करने में पिछड़ रहा है।

केंद्र के भूमि संसाधन विभाग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, तेलंगाना ने एमआईएस-4.0 के तहत अपने केवल 77.98 प्रतिशत गाँवों (10,944 में से 8,534) में ही भूमि अभिलेखों का कंप्यूटरीकरण (सीएलआर) पूरा किया है। यह एमआईएस-3.0 के तहत दर्ज 93.08 प्रतिशत की पूर्णता दर से काफी कम है, जहाँ 10,190 गाँवों को कवर किया गया था। जबकि तेलंगाना ने एमआईएस-3.0 के तहत 10,190 डिजिटल गांवों की सूचना दी थी, अब यह आंकड़ा एमआईएस-4.0 के तहत कुल 10,944 गांवों में से 8,534 है, जो डेटा एकीकरण में विसंगतियों या उन्नत प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरण में देरी का संकेत देता है।

इसके विपरीत, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और बिहार सहित कई राज्य पहले ही 100 प्रतिशत कार्य पूरा कर चुके हैं। राष्ट्रीय औसत 97.26 प्रतिशत रहा। यहाँ तक कि झारखंड (99.36 प्रतिशत), ओडिशा (99.88 प्रतिशत) और राजस्थान (97.5 प्रतिशत) जैसे राज्य, जो एमआईएस-3.0 में पिछड़ रहे थे, एमआईएस-4.0 के तहत उल्लेखनीय सुधार दिखाते हुए आगे बढ़ गए हैं। भूमि संसाधन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध आँकड़े निराशाजनक तस्वीर पेश करते हैं, लेकिन राज्य राजस्व विभाग के अधिकारियों ने इस गिरावट के लिए लंबित डेटा प्रविष्टि और संक्रमण के दौरान तकनीकी विसंगतियों को ज़िम्मेदार ठहराया है। उन्होंने बताया कि हालाँकि पूरा डेटा पहले ही जमा कर दिया गया था, लेकिन केंद्र की ओर से कुछ देरी हुई है और इस सप्ताहांत तक डेटा में सुधार की उम्मीद है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि केवल तेलंगाना के मामले में ही डेटा अपलोड करने में देरी क्यों हुई, अन्य राज्यों में नहीं।

शिकार के लिए बाड़ लगाते समय करंट लगने से व्यक्ति की मौत, 5 गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बुधवार को बताया कि वानकीडी मंडल के नवेधारी गांव में एक व्यक्ति की बिजली से मौत के मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वानकिडी उप-निरीक्षक प्रशांत के अनुसार, पुषम केशवराव, मंडोर बर्सा, माडवी भीमराव - सभी नवेधारी से - रामपुर के अरका रमेश और माडवी भीम को 29 दिसंबर को अथराम तिरुपति की मौत में उनकी कथित संलिप्तता के लिए हिरासत में लिया गया था। 3 जुलाई को तिरूपति की पत्नी संगीता द्वारा दर्ज की गई एक शिकायत के बाद गिरफ्तारियां की गईं।

पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने कथित तौर पर कबूल किया कि वे तिरुपति को जंगली जानवरों के शिकार के लिए बिजली की बाड़ लगाने जंगल में ले गए थे।

इस दौरान उसकी करंट लगने से मौत हो गई। इसके बाद, आरोपियों ने उसके परिवार को गुमराह करते हुए दावा किया कि उसकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है, जिसके बाद उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। हालाँकि, बाद में परिवार को स्थानीय निवासियों से पता चला कि तिरुपति की मौत बिजली का झटका लगने से हुई थी। इस जानकारी के आधार पर, पाँचों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया और आगे की जाँच जारी है।

कांग्रेस नेता गादिपल्ली भास्कर फिर से भाजपा में होंगे शामिल

सिद्दीपेट, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी को गजवेल विधानसभा क्षेत्र में झटका लगने की संभावना है, क्योंकि पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष गदिपल्ली भास्कर बुधवार को भाजपा में फिर से शामिल हो सकते हैं। विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस में शामिल हुए भास्कर कथित तौर पर निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी और डीसीसी अध्यक्ष तुमुकुंटा नरसा रेड्डी के साथ मतभेदों के चलते फिर से पाला बदल रहे हैं। कहा जा रहा है कि म्यानमपल्ली हनुमंत राव के गजवेल की राजनीति में हालिया प्रवेश ने पार्टी नेताओं के बीच दरार को और गहरा कर दिया है, जिससे भास्कर पार्टी में स्पष्ट भूमिका से वंचित रह गए हैं।

भास्कर विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे। फिर लोकसभा चुनावों से पहले वे कांग्रेस में शामिल हो गए। एक दिलचस्प मोड़ यह है कि भास्कर का भाजपा में फिर से शामिल होने का फैसला वरिष्ठ भाजपा नेता एटाला राजेंद्र के विरोध के बावजूद आया है, जिन्होंने 2023 के विधानसभा चुनाव में गजवेल से चुनाव लड़ा था। सूत्रों ने बताया कि मेदक के सांसद रघुनंदन राव ने नवनियुक्त प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव के साथ भास्कर की मुलाकात कराई। भास्कर के बुधवार शाम हैदराबाद स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने कथित तौर पर बीआरएस में वापसी के प्रयास किए थे, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई।

रक्षा मंत्रालय ने रक्षा भूमि हस्तांतरण के लिए एचएमडीए के साथ समझौता ज्ञापन को दी मंजूरी

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय (एमओडी) ने एचएमडीए और तेलंगाना के स्थानीय रक्षा प्राधिकरण के बीच दो एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने के लिए रक्षा भूमि हस्तांतरित करने के लिए समझौता ज्ञापन को मंजूरी दे दी। रक्षा मंत्रालय के उप निदेशक (भूमि) विक्रम वर्मा ने समान मूल्य की भूमि (ईवीएल) के हस्तांतरण और नकद मुआवजे के भुगतान पर एचएमडीए को रक्षा भूमि के हस्तांतरण के संबंध में आदेश जारी किए।

आदेश के अनुसार, समान मूल्य की भूमि और 'समान मूल्य के बुनियादी ढांचे' (ईवीआई) के निर्माण के आधार पर, राज्य राजमार्ग-1 पर जिमखाना ग्राउंड से हाकिमपेट एयर फोर्स स्टेशन (शामीरपेट ओआरआर) के बीच एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने के लिए 4,59,222 वर्ग मीटर रक्षा भूमि एचएमडीए को हस्तांतरित की जानी है। आदेशों में कहा गया है कि तेलंगाना के रक्षा संपदा अधिकारी (डीईओ) द्वारा 'मानक किराया तालिका' (एसटीआर)-2023 के अनुसार 867.64 करोड़ रुपये की राशि का आकलन किया गया है। रक्षा भूमि का मूल्य 10% वार्षिक वृद्धि के साथ 954.41 करोड़ रुपये और अनुमानित है।

इसके साथ ही, राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर पैराडाइज सर्कल और सुचित्रा जंक्शन (डेयरी फार्म) के बीच प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए, कुल 2,26,039.91 वर्ग मीटर रक्षा भूमि ईवीएल और नकद मुआवजे के भुगतान पर एचएमडीए को हस्तांतरित की जाएगी, जिसकी राशि 748.58 करोड़ रुपये होगी।

मंचेरियल में रक्तदान शिविर का आयोजन

मंचेरियल, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेजा लैब के मालिक स्वर्गीय मेका वरप्रसाद की जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को मंचेरियल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में %0 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया और लगभग 300 लोगों को भोजन कराया गया। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी (आईआरसीएस) मंचेरियल इकाई के अध्यक्ष कंकनाला भास्कर रेड्डी और महासचिव चंद्री महेंद्र ने बताया कि कई युवाओं और पेशेवरों ने स्वेच्छा से शिविर में भाग लिया। उन्होंने रक्तदाताओं और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एकत्रित रक्त का उपयोग सड़क दुर्घटनाओं और चिकित्सा आपात स्थितियों के पीड़ितों की मदद के लिए किया जाएगा। इस कार्यक्रम में वरप्रसाद की पत्नी श्रीवाणी और बेटी डॉ. कुसुमाश्री उपस्थित थीं।

हरीश राव ने की गुजरात पुल हादसे को लेकर केंद्र की आलोचना

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुजरात के वडोदरा में महिसागर नदी पर बने गंभीरा पुल के ढहने की घटना के बाद, जिसमें कई लोगों की जान चली गई, बीआरएस के वरिष्ठ नेता टी हरीश राव ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए, उन्होंने कहा कि केंद्र भाजपा शासित राज्यों में बार-बार हो रही बुनियादी ढाँचे की विफलताओं पर आँखें मूंद रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे भाजपा शासित राज्यों में पुल गिरने की घटनाएँ आम बात हो गई हैं। फिर भी, कोई जाँच या जवाबदेही नहीं है।

हरीश राव ने इसकी तुलना तेलंगाना के मेदिगड्डा बैराज हादसे पर भाजपा द्वारा मचाए गए राजनीतिक हंगामे से की, जहाँ चुनाव से ठीक पहले राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) को राजनीतिक रंग देने के लिए आनन-फानन में दखल दिया गया था। उन्होंने आंध्र प्रदेश में एनडीएसए की देखरेख में बनी पोलावरम परियोजना की डायाफ्राम दीवार और कोफ़रडैम के ढहने पर चुप्पी पर सवाल उठाया।

उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना में मौजूदा कांग्रेस शासन के दौरान जब एसएलबीसी सुरंग, सुनकीशाला रिटेनिंग वॉल या वाटम पंप हाउस ढहा, तब भी यही चुप्पी रही। भाजपा और एनडीएसए ने कोई हस्तक्षेप नहीं किया, जिससे उनका दोहरा चरित्र उजागर होता है। वे मित्र राज्यों में होने वाली दुर्घटनाओं पर तो चुप रहते हैं, लेकिन राजनीतिक विरोधियों द्वारा शासित राज्यों में उन्हें राजनीति का हथियार बना लेते हैं।

इस बीच, बीआरएस एमएलसी के. कविता ने गुजरात में पुल ढहने की घटना को एक और उदाहरण बताया कि भाजपा की 'डबल इंजन सरकार' लोगों की जान की गारंटी देने में नाकाम रही है। उन्होंने 2022 के मोरबी पुल हादसे को याद करते हुए केंद्र की चुप्पी पर सवाल उठाया, जिसमें 140 से ज़्यादा लोग मारे गए थे। उन्होंने सभी राज्यों में समान जवाबदेही की माँग की और केंद्र से त्रासदियों का राजनीतिकरण बंद करने और इसके बजाय गुणवत्तापूर्ण निर्माण और जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

गोदावरी बाढ़ की चपेट में आ गया है भद्राचलम

कोत्तागुडेम, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गोदावरी के प्रकोप से भद्राचलम शहर को बचाने के लिए बनाए गए तटबंध को कई हिस्सों में भारी क्षति पहुंची है, जिससे मानसून के तेज होने के साथ ही निवासियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। हाल ही में हुई बारिश के बाद, पुल के केंद्र से कोठा कॉलोनी के ऊपरी हिस्से तक सुरक्षा दीवार का 50 मीटर का हिस्सा ढह गया। इसके अलावा, तीन किलोमीटर लंबे तटबंध के कई हिस्सों में छेद हो गए हैं, जबकि पेड़ों और झाड़ियों सहित जंगली वनस्पतियों ने इसकी संरचना को और कमज़ोर कर दिया है। स्थानीय लोगों को डर है कि अगर जलस्तर 72 फीट तक पहुँच गया, तो तटबंध गोदावरी की बाढ़ का सामना नहीं कर पाएगा। गौरतलब है कि बाढ़ सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए कुछ साल पहले 80 फीट ऊँचे तटबंध के ऊपर तीन फीट की सुरक्षा दीवार बनाई गई थी।

बीआरएस भद्राचलम निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी माने रामकृष्ण ने कहा कि अधिकारियों ने स्थायी मरम्मत शुरू करने के बजाय, केवल कामचलाऊ उपाय के तौर पर रेत की बोरियाँ रखी हैं। उन्होंने आग्रह किया, 'राज्य सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए ताकि अगर जलस्तर 70 फ़ीट तक भी बढ़ जाए, तो भी भद्राचलम सुरक्षित रहे।' माकपा जिला सचिव माचा वेंकटेश्वरलू ने इस निष्क्रियता की आलोचना करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती खम्मम जिले से तीन मंत्री होने के बावजूद, निवारक कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, हाल ही में भद्राचलम के दौरे के दौरान, तटबंध के टूटे हुए हिस्से का निरीक्षण करने में विफल रहे। उन्होंने कहा, 'यह निचले इलाकों के प्रति कांग्रेस सरकार की उदासीनता को दर्शाता है।'

कोठा कॉलोनी, एएमसी कॉलोनी और अयप्पा कॉलोनी समेत कई इलाके पिछले सालों में तटबंध के बावजूद जलमग्न रहे हैं। अब जब दीवार आंशिक रूप से ढह गई है, तो इन संवेदनशील इलाकों के निवासियों की चिंता बढ़ती जा रही है। वेंकटेश्वरलू ने कहा कि पार्टी ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के समक्ष यह मुद्दा उठाया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा, 'सिंचाई अधिकारी दावा कर रहे हैं कि क्षतिग्रस्त हिस्सा आंध्र प्रदेश के क्षेत्र में आता है और तेलंगाना के फंड से इसकी मरम्मत नहीं की जा सकती।'

नागरिक आपूर्ति घोटाले पर ईडी, केंद्रीय एजेंसियों से शिकायत करेगी बीआरएस

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक गंगुला कमलाकर ने बुधवार को नागरिक आपूर्ति विभाग में हुए 1,000 करोड़ रुपये के घोटाले में कांग्रेस सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि बीआरएस सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय और अन्य जाँच एजेंसियों से शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की माँग करेगी। तेलंगाना भवन में बोलते हुए , उन्होंने आरोप लगाया कि 35 लाख मीट्रिक टन धान 7,600 करोड़ रुपये में बेचने के लिए निविदाएँ जारी की गईं, लेकिन 90 दिन की समय सीमा बीत जाने के बावजूद प्रक्रिया अधूरी रही। उन्होंने कहा कि बोलीदाताओं ने 2,007 रुपये प्रति क्विंटल की बोली लगाई, लेकिन मिल मालिकों से 2,230 रुपये वसूले, लगभग 1,000 करोड़ रुपये की हेराफेरी की और इसमें सरकार के शीर्ष नेताओं और अधिकारियों की संलिप्तता रही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रही और इसके बजाय जमा राशि वापस करने की कोशिश कर रही है।

बीआरएस नेता ने बार-बार उल्लंघन के बाद भी निविदाएं रद्द न करने तथा चूककर्ताओं को दंडित करने के बजाय उन्हें धन वापस करने का प्रयास करने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'हमने विभिन्न एजेंसियों से संपर्क किया, विधानसभा में यह मुद्दा उठाया, और यहाँ तक कि उच्च न्यायालय का भी रुख किया, जिसने सरकार को 15 बार जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। लेकिन पूरी तरह से चुप्पी है।' उन्होंने आगे कहा कि सरकार जानबूझकर जवाबी हलफनामे में देरी कर रही है। कमलाकर ने केंद्रीय मंत्री बंडी संजय और जी किशन रेड्डी समेत भाजपा नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने सबसे बड़े घोटालों में से एक में कांग्रेस-भाजपा की मिलीभगत का संदेह जताया। पूर्व विधायक पेड्डी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि बोलीदाताओं और मिल मालिकों के बीच 410 करोड़ रुपये के वित्तीय लेन-देन के दस्तावेज मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस के पास सभी सबूत मौजूद हैं जो अदालत में पेश किए गए हैं। उन्होंने पूछा, 'यदि सरकार साफ-सुथरी है, तो अदालती आदेशों से क्यों बच रही है?'

केसीआर, केटीआर ने रेगा नरसम्मा के निधन पर जताया शोक

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने पार्टी के भद्राद्री कोत्तागुडेम जिला अध्यक्ष और पूर्व विधायक रेगा कांता राव की मां रेगा नरसम्मा के निधन पर शोक व्यक्त किया।

वह 85 वर्ष की थीं। एक बयान में चंद्रशेखर राव ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने भी रेगा कांता राव और उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'नरसम्मा गारू का निधन अत्यंत दुखद है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और इस कठिन समय में परिवार को शक्ति प्रदान करे।' बीआरएस एमएलसी के. कविता ने श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं.: GEM/2025/B/6410723, दिनांक : 03.07.2025

कार्य का नाम : 01 वर्ष हेतु कुशल एवं अकुशल श्रमिकों के साथ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/ संकेत/ वाल्टियर, मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/ दूरसंचार/ वाल्टियर, सहायक संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/ विजयनगरम, सहायक संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/ रायगड़ा, सहायक संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/ कोरापुट, सहायक संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/ जगदलपुर सेक्शन के अधिकार क्षेत्र के अधीन रख-रखाव गतिविधियों एवं विशेष कार्यों में रेलवे कर्मचारियों की सहायता के लिए अनुबंधकीय कर्मचारियों को किराये पर लेना।

अनुमानित मूल्य : ₹ 2,15,81,620.54, EMD : ₹ 1,57,900/-

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 24.07.2025 को 1500 बजे।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट www.gem.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता, वाल्टियर

PR-338/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-North-WAT-25-2025, दिनांक : 30.06.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता / रायगड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन रायपुर-विजयनगरम लाइन पर गुमड़ा-पार्वतीपुरम के बीच कि.मी.387/15-17 में एवं सिंगापुर रोड - रायगड़ा के बीच कि.मी.335/9-11 में अनधिकार प्रवेश स्थान पर सीमित ऊंचाई वाले उपमार्ग (LHS) का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 8,28,12,124.28, EMD : ₹ 5,64,100.00, कार्य पूरा होने की अवधि: 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 24.07.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-335/Q/25-26

भाकृ अनुप - केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान

ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture

संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-५०००५९. Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059.

Ph : 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax : 040-24531802, 24535336

www.icar-crida.res.in E-mail : hoa.crida.@icar.gov.in

विज्ञापन सं. 07/2025/सीआरपी-एफएमपीएफ

वाक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से दि.16-07-2025 के सुबह 10.00 बजे, सीनियर रीसर्च फेलो (1 पद) का अस्थायी पद को भरा जा रहा है।

अधिक जानकारी हेतु http://www.icar-crida.res.in पर जाएं।

हस्ता./- सहायक प्रशासकीय अधिकारी

सीएम योगी ने अयोध्या में किए हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन

अयोध्या, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या पहुंचने के बाद सबसे पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन किए। हनुमंतलला को श्रद्धा निवेदित करने के बाद हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत और अन्य संतों से मुलाकात की। हनुमानगढ़ी के बाद मुख्यमंत्री योगी राम मंदिर पहुंचे और रामलला के दर्शन किए। इसके बाद रामजन्मभूमि में चल रहे अंतिम चरण के निर्माण कार्यों की प्रगति से रुबरु हुए। इस दौरान राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में 204 करोड़ पौधे रोपित किए गए हैं। इनमें से 75 फ़ीसदी से ज्यादा पेड़ जीवित हैं। पांच लाख एकड़ क्षेत्र में प्रदेश में वन क्षेत्र बढ़ा है। अब हम हीट वेव से ग्रीन वेव की ओर बढ़ रहे हैं।

नीतीश कुमार का चुनावी डोज! '35' वाला 'टैबलेट' करेगा काम? निर्णय का हुआ स्वागत

पटना, 9 जुलाई (एजेंसियां)। चुनावी वर्ष में महिला वोटर्स को साधने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बड़ा फैसला लिया है। नीतीश कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अब जितनी भी बहालियां होंगी उसमें सिर्फ बिहार की महिला अभ्यर्थियों को ही 35 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। चुनावी साल में भले इस तरह का निर्णय लिया गया है लेकिन इसका स्वागत भी हुआ है। दरअसल इस मांग को लेकर लगातार आंदोलन हो रहे थे। कई बार आक्रोश मार्च और धरना-प्रदर्शन कर आवाज उठाई जा चुकी है।

छात्र नेता दिलीप कुमार ने बुधवार को कहा कि सरकार ने दो अहम फैसले लिए। एक ये कि बिहार की बेटियों को 35% आरक्षण का लाभ मिलेगा और दूसरा कि युवा आयोग का गठन किया जाएगा। यह दोनों मांग हम लोग पहले से उठा रहे थे। दिलीप कुमार ने कहा कि यह स्वागत योग्य फैसला है। बिहार की बेटियों का भविष्य संवारने के लिए या फैसला लिया गया है। इसका हम लोग स्वागत करते हैं। दिलीप ने बताया कि इससे पहले तीन चरण की शिक्षक बहाली हुई और करीब दो लाख भर्ती हो चुकी है। इसमें जो 35% आरक्षण का लाभ महिलाओं को मिला था वह बाहर की महिला अभ्यर्थियों को भी मिला है। बिहार से ज्यादा बाहर की महिला अभ्यर्थियों ने इसका लाभ उठाया है।

'लड़कियों को हो रहा था नुकसान'

छात्र नेता दिलीप ने कहा कि देर से ही सही लेकिन बिहार की महिलाओं के लिए सही निर्णय है। पटना की कुछ महिलाओं ने कहा कि नीतीश कुमार ने शुरू दौर से ही महिलाओं के प्रति विशेष ध्यान दिया है। उनका ही महिलाओं को 35% आरक्षण दिया हुआ है, लेकिन सरकारी नौकरी में डोमिसाइल नीति लागू नहीं होने से लड़कियों को बहुत नुकसान हो रहा था। इसका फायदा बिहार के बाहर की लड़कियों- महिलाएं को हो रहा था।

100 पदों की बहाली में 35 बिहार की महिलाएं तो जरूर जाएंगी। यह निर्णय स्वागत योग्य है। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में इसका क्या असर होगा इस पर एक महिला ने बताया कि निश्चित तौर पर पढ़ने-लिखने वाली लड़कियां और शिक्षित महिलाएं सरकार के इस कदम से जरूर खुश होंगी। हालांकि वोट तो अपने हिसाब से ही देंगी। भले सरकार ने चुनाव को देखते हुए फैसला लिया हो, लेकिन यह फैसला सही है तो निश्चित तौर पर चुनाव में महिलाएं नीतीश कुमार का साथ जरूर देंगी।

संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क पर क्यों लगा 1 हजार रुपये का जुर्माना?

संभल, 9 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता और सांसद जियाउर्रहमान बर्क को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। उन पर जुर्माना भी लगा दिया गया। सांसद बर्क ने अपने घर के निर्माण के नक्शे को सुधार कर पेश नहीं किया तो एसडीएम ने सांसद पर एक हजार रुपये का जुर्माना लगा दिया।

साथ ही सुनवाई की नई तारीख तय कर दी। सांसद से यह भी कहा गया है कि नक्शे में सुधार कराकर पेश किए जाने के बाद ही नक्शे को मंजूरी दी जाएगी। जियाउर्रहमान बर्क को नक्शे से जुड़े मामले में पहली बार जुर्माना नहीं लगाया गया है। इससे पहले भी उन पर जुर्माना लगाया जा चुका है।

मुलायम सिंह यादव का नाम लेकर राजा भैया ने सपा को दी सलाह! बयान के बाद लग रहे ये कयास

लखनऊ, 9 जुलाई (एजेंसियां)। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के नेता और उत्तर प्रदेश स्थित कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया ने समाजवादी पार्टी को सलाह दी है। लखनऊ में एक कार्यक्रम के दौरान राजा भैया ने सपा और समाजवाद को लेकर टिप्पणी की। राजा भैया ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि हमारे समाजवादी पार्टी के साथियों को यह ध्यान देना होगा कि डॉक्टर लोहिया,आचार्य नरेंद्र देव और मुलायम सिंह यादव के विचार कांग्रेस के बारे में क्या थे? राजा भैया ने सपा के नेता राम गोविंद चौधरी और अरविंद सिंह गोप का जिक्र करते हुए कहा कि समाजवाद की कांग्रेस के प्रति और कांग्रेस की क्या धारणा, समाजवाद के प्रति थी, इसको अच्छे से याद रखिएगा।

कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राजा भैया ने कहा कि जो सच्चाई थी, वो बताई। उन्होंने कहा कि समाजवाद का डीएनए कांग्रेस-विरोधी है। सभी समाजवादी नेताओं ने हमेशा कांग्रेस-मुक्त भारत का सपना देखा है। समाजवाद के पुरोधा रहे लोगों ने कांग्रेस मुक्त भारत का सपना देखा है। यह सब लिखा पढ़ी में है। वही चीज हमने मंच से कही।

राजा भैया के इस बयान के बाद अटकलें लग रहीं हैं कि वह सपा और कांग्रेस के अलायंस को लेकर अप्रत्यक्ष रूप से टिप्पणी कर रहे थे। इसके अलावा रघुराज प्रताप सिंह ने कहा कि चंद्रशेखर, जय प्रकाश नारायण, डॉक्टर लोहिया से प्रभावित थे।

इस कार्यक्रम में यूपी सरकार की कैबिनेट में मंत्री सुरेश खन्ना, सपा से निष्कासित विधायक राकेश प्रताप सिंह भी मौजूद थे। राजा भैया ने चंद्रशेखर के प्रधानमंत्रित्व काल का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस ने सरकार से समर्थन वापस लेने के लिए बहाना खोज रही थी। कांग्रेस को यह उम्मीद थी कि चंद्रशेखर सिफारिश लगवाएंगे। राजा भैया ने कहा कि हम सभी को चंद्रशेखर के जीवन से प्रेरणा लेते हुए राजनीतिक और जीवन यात्रा को आगे बढ़ाना चाहिए।

प्रयागराज में बड़ा हादसा, पानी भरे गड्ढे में मिली चार मासूम बच्चों की लाश

प्रयागराज, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मेजा इलाके के बेदौली गांव से लापता चार मासूम बच्चों की बुधवार सुबह घर से कुछ ही दूरी पर पानी भरे गड्ढे में लाश उतराती हुई मिली तो सनसनी फैल गई। चारों बच्चों में दो भाई-बहन हैं। बाकी दो पड़ोसी हैं। सूचना पर मौके पर एसीपी मेजा एसपी उपाध्याय के साथ मेजा थाना अध्यक्ष राजेश उपाध्याय पहुंच गए। चारों बच्चों के शव को पहले सीएचसी रामनगर ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। घर में कोहराम मचा हुआ है। मेजा थाना क्षेत्र के बेदौली गांव के आदिवासी बस्ती के ज्यादातर लोग गांव में स्थित ईंट भट्ठा या मनरेगा में मजदूरी का काम करते हैं।

उनकी बस्ती के पास ही ईंट भट्ठा संचालित होता है। ईंट भट्ठा संचालक द्वारा मिट्टी निकालने के चक्कर में बड़ा गड्ढा कर दिया गया है। जिसमें बारिश का पानी भरा हुआ है। मंगलवार शाम तीन बजे बस्ती के लोग मनरेगा के काम में चले गए थे। शाम पांच जब बस्ती के लोग घर आए तो हीरा आदिवासी का बेटा हुनर (5), हीरा आदिवासी की बेटी वैष्णवी (3), संजय आदिवासी का बेटा खेसारी लाल (5) और विमल आदिवासी का बेटा कान्हा (5) वर्ष घर से लापता थे। ऐसे में सनसनी फैल गई। घर में कोहराम मच गया। बस्ती के लोगों ने चारों बच्चों की उतराती हुई लाश को बाहर निकाल लिया। सूचना पर एसीपी मेजा, एसडीएम मेजा सुरेंद्र प्रताप यादव सहित कई थानों की फोर्स पहुंच गई।

पटना में इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

दिल्ली जाते समय पक्षी टकराया; 169 पैसेंजर्स सवार थे

पटना, 9 जुलाई (एजेंसियां)। पटना में इंडिगो की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। 6ई-5009 फ्लाइट ने दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी तभी इससे पक्षी टकराया। यह जानकारी एयरपोर्ट अथॉरिटी ने दी है। विमान में कुल 169 यात्री सवार थे। फिलहाल तकनीकी टीम विमान की मरम्मत में जुटी हुई है। जब कोई पक्षी उड़ते हुए विमान से टकराता है, तो उसे 'बर्ड स्ट्राइक' या 'बर्ड हिट' कहा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 1.8 किलो का एक पक्षी जब किसी तेज रफ्तार विमान से टकराता है तो 3,50,000 न्यूटन फोर्स पैदा होता है। इसे ऐसे समझें कि 0.365 मीटर की नली वाली बंदूक से जब 700एम/एस की रफ्तार से एक 40 ग्राम का बुलेट फायर होता है तो इससे 2,684 न्यूटन फोर्स पैदा होता है। यहां न्यूटन, फोर्स का यूनिट है। यह विज्ञान की भाषा हुई। अब इसे आसान भाषा में समझें तो 1.8 किलो का एक पक्षी जब विमान से टकराता है तो इसका फोर्स एक बुलेट की तुलना में करीब 130 गुना ज्यादा होता है। एबीसी साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक 5 किलो के एक पक्षी का 275 किमी/घंटा के रफ्तार से किसी विमान से टकराना वैसा ही है जैसे 100 किलो भार के किसी बैग के 15 मीटर ऊपर से जमीन पर गिरना। हालांकि, विमान को 'बर्ड हिट' से बचाने के लिए सावधानियां बरती जाती हैं, लेकिन जब प्लेन के टर्बाइन से टकराकर पक्षी विमान के इंजन में फंसता है तो इससे हादसे का खतरा बढ़ जाता है।

बर्ड हिट' के ज्यादातर मामलों में पक्षी किसी प्लेन के सामने से या किनारे से टकराता है। इस दौरान प्लेन के विंग से पक्षियों के टकराने की आशंका ज्यादा होती है। जब चिड़िया प्लेन के विंडशील्ड से टकराती है तो इसमें दरार आ जाती है। इसकी वजह से केबिन के अंदर हवा के दबाव में अंतर होता है। 'बर्ड हिट' किसी प्लेन के लिए कितना खतरनाक या घातक हो सकता है,

नंद गोपाल गुप्ता नंदी की चिट्ठी से यूपी के सियासी गलियारों में नई चर्चा! मंत्री ने साधी चुप्पी

लखनऊ, 9 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी ने अभी अधिकारियों की कार्यप्रणाली से त्रस्त आकर सीएम योगी को चिट्ठी लिखी थी, अब उन्होंने स्मार्टफोन और टैबलेट खरीद में अफसर शाही को निशाने पर लिया है। नंदी ने 31,00 करोड़ की बजट लागत, जिसमें विभाग और स्कूलों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत टैबलेट वितरण का प्रस्ताव शामिल है, पर चिंता जताई है।

फ़िलहाल इस मामले में अभी सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हाल ही में जारी एक सरकारी आदेश के अनुसार, प्रदेश में 31,00 करोड़ रुपये की लागत से स्मार्टफोन के बजाय टैबलेट वितरित करने की योजना बनाई गई है। नंदी ने इसकी आलोचना करते हुए कहा कि यह निर्णय पारदर्शिता और जरूरत के आधार पर नहीं लिया गया। उन्होंने दावा किया कि अफसरशाही इस योजना में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का खेल खेल रही है। नंदी के मुताबिक 2025-26 के बजट में 25 ।5 लाख स्मार्टफोन की जगह टैबलेट खरीदने का प्रस्ताव है, जिसमें प्रति टैबलेट की लागत 12,000 से 15,000 रुपये तक आंकी गई है।

नंदी ने आरोप लगाया कि इस योजना में 3 ।10 लाख टैबलेट की खरीद के लिए 3100 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसमें प्रति टैबलेट 10,000 रुपये की औसत लागत तय की गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह खरीद सही कीमत पर और जरूरत के अनुसार हो रही है, या फिर यह एक और घोटाले की शुरुआत ह।। इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि टेंडर प्रक्रिया की जांच हो और सरकारी धन का दुरुपयोग रोका जाए।

'अल्लाह ने चाहा तो आप' 2029 में पीएम होंगे

अखिलेश यादव की प्रेस वार्ता में शख्स ने की ये खास दुआ तो सपा चीफ बोले- डायलॉग मत मारो

लखनऊ, 9 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 9 जुलाई, बुधवार को प्रेस वार्ता की। इस दौरान एक शख्स ने कुछ ऐसा कहा जिसका जवाब सुनकर प्रेस वार्ता में मौजूद लोग हंसने लगे। एक शख्स ने कहा 'अल्लाह ने चाह लिया तो आप 2029 में पीएम होंगे' इस पर अखिलेश ने कहा कि ये रील की तरह डायलॉग मत मारो। अब नहीं बुलाया करेंगे। कुछ लोग फेमस होने भी आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम ने कहा कि ये कुछ लोग फेमस होने आ रहे हैं। अभी जो एक दिन मसला हुआ है। बाद में उसके घर पुलिस भेज दी। पुलिस अगर आ जाए घर में तो क्या न बदल जाए। कैसे न बदल जाए। अधिकारी भेज दो तो अच्छा बुरा हो जाए, कि तुम अच्छे हो, ये बुरे हैं।

पौधारोपण अभियान पर भी बोले अखिलेश

अखिलेश ने इशारों में दो घटनाओं का जिक्र किया। बीते दिनों एक युवक अखिलेश के पास पहुंचा और रोते हुए कहा कि उसको पुलिस परेशान कर रही है और उसके पिता से 20,000 रुपये लिए हैं। सपा चीफ को युवक ने बताया था कि उसने कन्नौज सांसद के सम्मान में फेसबुक पर लिखा था, जिसके बाद उसको दिक्कत होने लगी। उधर, जब मामला चर्चा में आया तो युवक के पिता ने कहा कि पुलिस ने पैसा नहीं लिया है। इसके अलावा अधिकारी भेजने की बात कह कर सपा चीफ ने गोरखपुर में पंखुड़ी के एडमिशन को लेकर हुई सियासत का भी जिक्र किया।

इसके अलावा अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार आने पर यश भारती सम्मान और अर्जुन अवार्ड फिर से शुरू होगा। इस सरकार ने लोगों से यश भारती के साथ सम्मान राशि भी छीन ली। एक पेड़ मां के नाम से जुड़े सवाल पर अखिलेश ने कहा कि यह सब केवल इवेंट है। सरकार के पास इसको लेकर कोई रणनीति नहीं है।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर व्यापारी और महिला से ठगे 1.26 करोड़, साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में एफआईआर

लखनऊ, 9 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ में शेयर ट्रेडिंग में निवेश का झांसा देकर साइबर जालसाजों ने कारोबारी समेत दो लोगों से 1.26 करोड़ रुपये ठग लिए। कई गुना मुनाफा दिखने पर पीड़ितों रुपये निकालने का प्रयास किया तो उन्हें ब्लॉक कर दिया गया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ितों की तहरीर पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित सेलेब्रिटी ग्रींस इलाके में कारोबारी कुलदीप राज गुप्ता रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 24 जून को उनके पास वॉट्सऐप कॉल आई। कॉल करने वाले ने बताया कि वह राजकोट से बोल रहा है। उसने अपना नाम अजय बताया। इसके बाद 27 जून को एक अन्य कॉल युवराज जैन नाम के व्यक्ति ने की। उसने बताया कि वह उज्जैन से बोल रहा है।

डॉ, हरिदत्त नेमी ने दोबारा लिया चार्ज, कोर्ट ने आदेशों पर लगाई है रोक, पुलिस बल तैनात

कानपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर के पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिनका विवाद जिलाधिकारी से हुआ था, जिसके बाद उनका तबादला कर दिया गया था। आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी अपने कार्यालय में चार्ज लेने पहुंचे। मौके पर लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने के लिए पुलिस बल मौजूद है। बता दें कि कल ही हाईकोर्ट ने सीएमओ के निलंबन पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने नए सीएमओ की तैनाती आदेश पर भी रोक लगाई है। अदालत ने राज्य सरकार को जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कह हफ्ते का समय दिया है। न्यायमूर्ति मनीष माथुर की एकल पीठ ने यह आदेश डॉ. नेमी की याचिका पर दिया।

डॉ. नेमी की राज्य सरकार ने डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह से विवाद के बाद बीती 19 जून को निलंबित कर दिया था।

याची ने खुद को निलंबित करने समेत श्रावस्ती के अतिरिक्त सीएमओ डॉ. उदय नाथ को कानपुर नगर का सीएमओ तैनात करने के आदेशों को चुनौती दी है। याची के अधिवक्ता एलपी मिश्र का कहना था कि बगैर कोई जांच की कारवाई शुरू किए याची को निलंबित किया गया। साथ ही, निलंबन आदेश में जो आरोप लगाए गए हैं, वे परिणामी बड़ी सजा वाले नहीं होंगे। ऐसे में, नियमानुसार याची का निलंबन नहीं किया जा सकता था। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 18 अगस्त को नियत की है।

'पीटने के बाद बेटा दे रहा जान से मारने की धमकी'

योगी सरकार के मंत्री ने बेटे-बहू पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

गोरखपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में भारतीय स्टेट बैंक से रिटायर्ड और वर्तमान में कोऑपरेटिव फेडरेशन लखनऊ के डिप्टी चेयरमैन (दर्जा प्राप्त मंत्री) रमाशंकर जायसवाल ने अपने बेटे रोहित जायसवाल और बहू वर्धा त्रिपाठी पर उत्पीड़न और मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है।

इस मामले में गोरखनाथ पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गोरखपुर के राजेंद्र नगर निवासी रमाशंकर जायसवाल ने पुलिस को तहरीर दी। उन्होंने तहरीर में बताया कि उनका दूसरा बेटा रोहित जायसवाल गलत संगत और शराब की लत का शिकार है। रोहित अक्सर नशे में धुत होकर घर में गाली-गलौज और मारपीट करता है, जिससे परिवार का माहौल हमेशा खराब रहता है। रमाशंकर ने बताया कि उनकी बहू वर्धा त्रिपाठी भी रोहित का साथ देती हैं और दोनों मिलकर परिवार वालों को परेशान करते हैं। रमाशंकर के मुताबिक, उन्होंने तंग आकर रोहित और वर्धा को घर से अलग रहने की सलाह दी थी, ताकि परिवार में शांति बनी रहे। लेकिन इस बात से गुस्साए रोहित और वर्धा ने उनके साथ मारपीट की। रमाशंकर ने किसी तरह खुद को कमरे में बंद कर अपनी जान बचाई।

रमाशंकर ने पुलिस को बताया कि रोहित ने साफ-साफ धमकी दी है कि वह घर नहीं छोड़ेंगे और ज्यादा दबाव बनाने पर उनकी हत्या कर देगा। इसके अलावा, बहू वर्धा त्रिपाठी भी उन्हें झूठे केस में फंसाने की धमकी दी है। इन धमकियों और लगातार उत्पीड़न से परेशान होकर रमाशंकर ने गोरखनाथ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। गोरखनाथ क्षेत्र के सीओ रवि सिंह ने बताया कि रमाशंकर जायसवाल की तहरीर के आधार पर रोहित जायसवाल और वर्धा त्रिपाठी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गोरखनाथ थाने के इंस्पेक्टर ने बताया की रमाशंकर जायसवाल ने तहरीर देकर बहू और बेटे पर मारपीट और गाली गलौज का आरोप लगाया। मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। रमाशंकर जायसवाल ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि रोहित की हरकतों से पूरा परिवार परेशान है। शराब की लत और गलत संगत की वजह से वह आए दिन घर में अशांति फैलाता है। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि रोहित और वर्धा के व्यवहार से घर में तनाव का माहौल बना रहता है।

रामपुर जिले में पकड़े 80 दुर्लभ प्रजाति के तोते, एक तस्कर गिरफ्तार, दो फरार

रामपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के नरपतनगर में पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक घर से तस्करी के लिए कैद किए गए 80 दुर्लभ प्रजाति के तोते बरामद किए हैं। इस दौरान एक तस्कर को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसके दो भाई फरार हो गए। तीनों के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। वन रेंजर मुजाहिद हुसैन ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि नरपतनगर निवासी रेहान उर्फ बब्लू के घर में वन क्षेत्र से अवैध रूप से पकड़े गए तोते रखे गए हैं, जिन्हें जल्द ही तस्करी के लिए भेजा जाना था। सूचना के आधार पर शाम करीब साढ़े छह बजे पुलिस और वन विभाग की टीम ने छापा मारा।

कार्रवाई के दौरान रेहान को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसके दो भाई अब्दुल्ला उर्फ दुल्ला और रिजवान उर्फ गुड्डु मौके से फरार हो गए। वन विभाग की टीम ने सभी 80 तोतों को अपने संरक्षण में ले लिया है और उनकी देखरेख के साथ विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। गौरतलब है कि नरपतनगर क्षेत्र तोतों की तस्करी को लेकर पहले भी चर्चा में रहा है। यहां पहले भी कई बार तस्करों के घर से तोते बरामद किए जा चुके हैं। कार्रवाई के बावजूद तस्करी का अवैध धंधा थमता नहीं दिख रहा। इस बार फिर 80 तोते एक ही घर से बरामद होना वन्यजीव तस्करों के सक्रिय नेटवर्क की ओर इशारा करता है।

नोएडा से बड़ी खबर, 4 मंजिल मकान में फटा सिलेंडर

100 लोग एक घंटे तक आग में फंसे

नोएडा, 9 जुलाई (एजेंसियां)। नोएडा के नया गांव सेक्टर 87 के गली नंबर 1 में आधी रात को आग लग गई। बुधवार सुबह तक आग पर काबू पा लिया गया है। 100 लोग मौके पर फंस गए। फायर की टीम ने समय रहते स्थिति पर काबू पा लिया। मौके से सभी 100 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। फायर की 6 गाड़ी व हाईड्रोलिक प्लेटफार्म से आग को बुझाने में मदद मिली। सिलेंडर फटने से आग लगने की पुष्टि हुई है। फायर अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि रात साढ़े 11 बजे के करीब सूचना मिली कि नया गांव के मकान में सिलेंडर फट गया है। टीम मौके पर पहुंची तो देखा कि करीब 100 लोग फंसे हुए है। टीम ने सभी लोगों को मौके से सुरक्षित बाहर निकाला। जांच में पता चला है कि सिलेंडर फटने से आग लगी है। कोई जनहानि इस मामले में नहीं हुई है। टीम ने समय रहते स्थिति पर काबू पा लिया। फायर की टीम को इस मामले में हाईड्रोलिक प्लेटफार्म से बहुत मदद मिली। मकान की ऊंचाई होने की वजह से फायर की गाड़ी वहां नहीं पहुंच पा रही थी। वहां तक पहुंचने के लिए हाईड्रोलिक प्लेटफार्म की मदद लेनी पड़ी। त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया गया। यदि देरी होती तो हादसा और बड़ा हो सकता था। जांच में पता चला है कि सिलेंडर पहली मंजिल पर फटा था, लेकिन धुआं पूरी बिल्डिंग में फैल गया। उस दौरान कुछ लोग सो भी रहे थे। सभी लोगों को जगा कर बाहर निकाला गया।

जिस कमरे में सिलेंडर फटा वहां खाना बनाने का काम चल रहा था। सिलेंडर फटते ही तेज धमाका हुआ और धुआं-धुआं हो गया। इस मामले में करीब एक घंटे तक 100 लोग फंसे रहे। सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। सूचना मिलने के 8 मिनट के अंदर फायर की गाड़ी मौके पर पहुंच गई थी। इस वजह से बड़ा हादसा होने से टल गया।

बालाघाट जिला अस्पताल में चोरी : ट्रामा सेंटर से आठ लाख के इंजेक्शन गायब

बालाघाट, 9 जुलाई (एजेंसियां)। बालाघाट जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में सोमवार रात एक बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर ने अस्पताल के दवा स्टोर रूम में सेंध लगाते हुए फैक्टर-8 इंजेक्शन के चार कार्टून (43 डब्बे) चुरा लिए, जिनकी कुल कीमत लगभग 8 लाख रुपए बताई जा रही है। इस चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें आरोपी हमालों की मदद से इंजेक्शन के डब्बे ले जाते हुए नजर आ रहा है। जब अस्पताल की कर्मचारी मनोरमा नागेश्वर और एक सुरक्षा गार्ड ने चोर को रोकने की कोशिश की, तो उसने उन्हें धक्का देकर वाहन से घसीटते हुए मौके से भागने में कामयाबी हासिल कर ली।

सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने बताया कि चोर ने बड़ी चालाकी से स्टाफ बनकर गार्ड को गुमराह किया और ट्रामा सेंटर के स्टोर रूम का ताला तोड़कर सीधे अंदर घुस गया। स्टोर से उसने फैक्टर-8 इंजेक्शन के चार बड़े कार्टून निकाले और फरार हो गया। डॉ. जैन के मुताबिक, जिस तरह से चोरी को अंजाम दिया गया है, उससे लगता है कि चोर को अस्पताल की गतिविधियों और दवा भंडारण की पूरी जानकारी थी। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि चोरी में किसी अंदरूनी व्यक्ति की भूमिका हो सकती है।

फैक्टर-8 एक बेहद महंगा और दुर्लभ इंजेक्शन होता है, जिसका उपयोग जन्मजात रक्तस्राव विकार (हीमोफीलिया) से पीड़ित मरीजों के इलाज में किया जाता है। इसकी कीमत हजारों में होती है और यह सरकारी स्टोर में सीमित मात्रा में उपलब्ध होता है।

क्या कर्नाटक में सब ठीक है ?

सिद्धारमैया-शिवकुमार की दिल्ली यात्रा पर सवाल, नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज

बंगलूरू, 9 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की प्रस्तावित दिल्ली यात्रा और पार्टी के शीर्ष नेताओं मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात की खबरों ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। हालांकि दोनों नेताओं ने कहा है कि उनकी दिल्ली यात्रा आधिकारिक काम के सिलसिले में है, लेकिन इस समय पर पार्टी हाईकमान से मुलाकात को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसकी अहम वजह यह है कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा और पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ता नजर आ रहा है।

कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला इन दिनों बंगलूरू में डेरा डाले हुए हैं और विधायकों एवं मंत्रियों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। सुरजेवाला ने हालांकि नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा को खारिज कर दिया है, लेकिन यह भी कहा कि ऐसा कोई फैसला पार्टी हाईकमान ही करेगा। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र का कहना है कि कांग्रेस पार्टी नवंबर या दिसंबर तक नेतृत्व परिवर्तन की जमीन तैयार कर रही है।

हाल के दिनों में कांग्रेस के कई विधायक खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। कागवाड़ के विधायक राजू कागे ने अपने क्षेत्र में विकास न होने की शिकायत करते हुए इस्तीफे की धमकी दी। वहीं अलंद विधायक बीआर पाटिल ने गरीबों के लिए चलाई जा रही आवास योजना में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। बेलूर के विधायक गोपाल कृष्ण ने आवास मंत्री बी जमीर अहमद खान से इस्तीफे की मांग की। सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने सितंबर में कोई बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम होने की भविष्यवाणी की।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि वे अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। इस पर उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के करीबी विधायक हुसैन ने कहा कि वे चाहते हैं कि उनके नेता शिवकुमार मुख्यमंत्री बनें। इसके जवाब में शिवकुमार ने न केवल खुद को पार्टी के फैसले के प्रति समर्पित बताया, बल्कि अपने ही समर्थक विधायक हुसैन को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। वहीं शिवकुमार और उनके भाई डीके सुरेश ने साफ किया है कि फिलहाल मुख्यमंत्री पद खाली नहीं है।

2023 के विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच तीखा मुकाबला हुआ था। तब पार्टी ने समझौते के तहत सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री और शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनाया था। खबरें थीं कि राज्य में बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनाने का फॉर्मूला तय हुआ था, जिसमें नवंबर 2025 में शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। हालांकि, पार्टी ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

ईडी की रेड, किसान यूनियन सूबा प्रधान सुख गिल के घर छापेमारी, साजिश का आरोप

मोगा, 9 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार सुबह भारतीय किसान यूनियन (तोतेवाला) के सूबा प्रधान सुख गिल तोतेवाला के निवास पर छापेमारी की। जानकारी के अनुसार, ईडी की टीम ने सुबह करीब साढ़े पांच बचे सुख गिल के घर पर तलाशी अभियान शुरू किया। सूत्रों के मुताबिक, सुख गिल उस समय घर पर मौजूद नहीं थे। सुख गिल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर इस छापेमारी के बारे में जानकारी साझा की। वीडियो में उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा मेरे घर के हर कोने की तलाशी ली जा रही है, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिलेगा। यह मेरे खिलाफ एक सुनियोजित साजिश है।

त्रिपुरा में बाढ़ से भारी तबाही, 100 से ज्यादा परिवार हुए बेघर

स्कूल-आंगनवाड़ी केंद्र सब बंद

नई दिल्ली / अगरतला, 9 जुलाई (एजेंसियां)। त्रिपुरा के दक्षिण जिले में अचानक आई बाढ़ के कारण 100 से ज्यादा परिवार बेघर हो गए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी कि लगातार बारिश के चलते निचले इलाकों में पानी भर गया है, जिससे लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं।

राज्य के ये इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित

प्रशासन के अनुसार बेलोनिया और शांतिरबाजार सबडिवीजन के कई निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया। अब तक 118 परिवारों के 289 लोग 10 राहत शिविरों में शरण ले चुके हैं। वहीं मुहुरी नदी का जलस्तर खतरे के निशान 15.70 मीटर से ऊपर बह रहा है। बाढ़ के खतरे के मद्देनजर, जिले के सभी स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रहेंगे।

जिला प्रशासन ने जारी की चेतावनी

दक्षिण त्रिपुरा के जिलाधिकारी मोहम्मद सज्जाद ने बताया कि लगातार बारिश से निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। हालांकि बारिश की तीव्रता अब थोड़ी कम हुई है, फिर भी लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। जरूरत पड़ने पर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने की तैयारी कर ली गई है।

राहत और बचाव टीमें अलर्ट मोड पर

वहीं प्रभावित इलाकों में राहत और आपदा प्रबंधन की टीमें तैनात की गई हैं। हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री माणिक साहा ने हालात की जानकारी ली और सभी प्रभावितों को तुरंत मदद देने के निर्देश दिए हैं।

नेताजी को दिया खराब खाना, दाल में बदबू, शिंदे गुट के विधायक ने कैंटीन वाले को जमकर पीटा

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। अक्सर आम लोगों की ओर से होटल, कैंटिन आदि में खराब खाना दिए जाने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। कई लोग सोशल मीडिया पर खराब खाने का वीडियो शेयर कर के आवाज उठाते रहते हैं। हालांकि, खराब खाने की समस्या से सिर्फ आम लोगों नहीं बल्कि नेताओं को भी जूझना पड़ रहा है। ताजा मामला महाराष्ट्र से आया है जहां शिवसेना शिंदे गुट के विधायक संजय गायकवाड़ ने खराब खाना दिए जाने का आरोप लगाते हुए कैंटीन वाले की जमकर पिटाई कर दी है। आइए जानते हैं पूरा मामला। दरअसल, महाराष्ट्र में हुई ये पूरी घटना आकाशवाणी एमएलए हॉस्टल की बताई जा रही है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, शिवसेना शिंदे गुट के विधायक संजय गायकवाड़ ने आकाशवाणी एमएलए हॉस्टल में कैंटीन वाले की पिटाई कर दी है।

जस्टिस वर्मा को हटाने की कवायद

लोकसभा के मानसून सत्र में पेश होगा प्रस्ताव 100 सांसदों के हस्ताक्षर की होगी जरूरत

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट में जज रहते जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से कथित तौर पर बड़ी मात्रा में जले हुए नोट मिले थे। इस मामले के सामने आने के बाद अब जस्टिस वर्मा को हटाने से संबंधित प्रस्ताव का नोटिस मानसून सत्र में आएगा। लोकसभा में मानसूनसत्र में प्रस्ताव आएगा। लोकसभा में प्रस्ताव लाने के लिए 100 सांसदों के हस्ताक्षर की जरूरत होगी। हस्ताक्षर लेने की प्रक्रिया सरकार ने शुरू कर दी है।

बीजेपी और एनडीए सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। सरकार की कोशिश है की सभी दलों के सांसदों के हस्ताक्षर इसमें हो। सरकार इससे पहले विचार कर रही थी कि जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने का प्रस्ताव 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में लोकसभा में लाया जाए या राज्यसभा में। हालांकि, अब सूत्रों के मुताबिक, सामने आया है कि प्रस्ताव लोकसभा में लाया जाएगा। कानून के अनुसार, हटाने के प्रस्ताव को लोकसभा के 100 सांसदों का समर्थन प्राप्त होना जरूरी है।

जबकि राज्यसभा के लिए यह संख्या 50 है। इससे पहले जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास से जले नोटों की कथित बरामदगी के बाद जांच की जा रही थी। इस मामले में जांच करने वाली समिति ने 19 जून को अपनी 64 पेजों वाली रिपोर्ट सौंपी थी। उन्होंने रिपोर्ट में कहा था कि जस्टिस वर्मा और उनके परिवार के लोगों का उस स्टोर रूम पर गुप्त या सक्रिय कंट्रोल था, जहां से भारी मात्रा में जली हुई नकदी मिली थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इस बरामदगी से जस्टिस वर्मा के कदाचार का पता चलता है। साथ ही कहा गया कि यह इतना गंभीर है कि उन्हें हटाया जाना चाहिए। इस मामले में जस्टिस वर्मा ने खुद को निर्दोष बताया है।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त की गई समिति ने उन्हें दोषी ठहराया है। इस बीच विवाद के दौरान इलाहाबाद हाईकोर्ट में जस्टिस वर्मा को ट्रांसफर किया गया है। जस्टिस वर्मा को इस्तीफा देने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया।

शहडोल के वनसुकली में नर भालू की रहस्यमयी मौत

शहडोल, 9 जुलाई (एजेंसियां)। वनपरिक्षेत्र अमझोर अंतर्गत वनसुकली में एक नर भालू की मृत अवस्था में मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही वन अमला मौके पर पहुंच गया और भालू के शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, भालू की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक जांच में आकाशीय बिजली के चपेट में आने का संदेह व्यक्त किया जा रहा है। सुबह, वनसुकली बीट के राजस्व क्षेत्र में स्थानीय निवासियों ने भालू के शव को देखा और इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। मौके पर पहुंचे वन परिक्षेत्र अधिकारी तरुणेन्द्र सिंह ने बताया कि भालू के शव को कब्जे में लेकर डॉग स्क्वॉड की मदद से आस-पास सर्चिंग कराई गई है। भालू के सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं और शिकार के कोई निशान नहीं मिले हैं।

बिजली गिरने से हो सकती है मौत

इस घटना ने वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण के मुद्दे को एक बार फिर से सामने ला दिया है। अमझोर वन मंडल की टीम ने यह सुनिश्चित किया है कि भालू के शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा, जिससे मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

तरुणेन्द्र सिंह ने आगे कहा कि प्रारंभिक जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि भालू बिजली गिरने से मारा गया हो, लेकिन पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट होगा। ब्यौहारी के गोदवाल वन परिक्षेत्र में बीते दिनो भालू की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया था। वह घटना को एक माह भी नहीं बीते अब दूसरे भालू की मौत ने वन विभाग की गस्त पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

किशतवाड़ में अपराध को लेकर एसएसपी का एक्शन, समीक्षा बैठक के बाद दिए ये निर्देश

किशतवाड़, 9 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू के किशतवाड़ में आतंक के खिलाफ जारी सर्च एंड डिस्ट्रॉय ऑपरेशन के बीच एसएसपी नरेश सिंह ने अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में आतंक के खात्मे के अंतर-एजेंसी समन्वय बनाए रखने और पहचाने गए संवेदनशील क्षेत्रों में क्षेत्र वर्चस्व बनाए रखने की हिदायत दी गई। आगामी धार्मिक उत्सवों और यात्राओं से पहले सक्रिय पुलिसिंग प्रयासों को जारी रखते हुए एसएसपी नरेश सिंह ने डीपीओ किशतवाड़ में अपराध और सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक पहले की रणनीतिक समीक्षाओं की निरंतरता के रूप में हुई और इसका उद्देश्य पिछले निर्देशों के कार्यान्वयन का जायजा लेना, वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य का पुनर्मूल्यांकन करना और आगामी कार्यक्रमों के लिए तैयारी सुनिश्चित करना था। बैठक के दौरान एसएसपी ने सुरक्षा और आतंक विरोधी अभियानों पर विस्तृत फीडबैक लिया। उन्होंने पिछली अपराध समीक्षा बैठक के दौरान जारी निर्देशों पर की गई कार्रवाई का आकलन किया और साथ ही नए मामलों की समीक्षा और लंबित जांच की स्थिति अपडेट लिया।

एसएसपी ने आगामी यात्रा और त्यौहारी सीजन के लिए तैयारी जिनमें तैनाती योजना, मार्ग सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और नागरिक प्रशासन के साथ समन्वय पर भी आदेश दिए। किश्तवाड़ ने अधिकारियों को नियमित बीट गश्त सुनिश्चित करने और सटीक जमीनी आंकड़ों के आधार पर बीट बुक को अपडेट रखने का निर्देश दिया। साथ ही नशीली दवाओं के तस्करों और मवेशी तस्करों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के स्पष्ट निर्देशों के साथ प्रवर्तन अभियानों पर अपडेट लिया गया। इस बैठक में एसएसपी ने आतंकवाद विरोधी रणनीति पर भी चर्चा की।

एसएसपी ने अधिकारियों को सतर्क रहने, अंतर-एजेंसी समन्वय बनाए रखने और पहचाने गए संवेदनशील क्षेत्रों में क्षेत्र वर्चस्व, गश्त और सर्च ऑपरेशन संचालन करने के लिए जानकारी दी गई। उन्होंने जिले में शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों की फील्ड उपस्थिति, सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने और कानून-व्यवस्था प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने के महत्व पर जोर दिया।

खाली हैं बंगाल के 300 सरकारी स्कूल, नहीं है एक भी छात्र, 5 साल में क्यों नहीं हुआ एक भी एडमिशन?

कोलकाता, 9 जुलाई (एजेंसियां)। देश में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक नारा है 'पढ़ेगा इंडिया, तभी तो आगे बढ़ेगा इंडिया', लेकिन इसके उलट पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के राज में स्कूली शिक्षा से जुड़ी एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। पश्चिम बंगाल के स्कूलों में बच्चे ही नहीं हैं। जानकारी के अनुसार, प्रदेश के 23 जिलों के 348 स्कूलों में एक भी छात्र पढ़ने के लिए नहीं है। इन 348 स्कूलों में सरकारी और सरकार से सहायता पाने वाले स्कूल शामिल हैं। इनमें से 119 स्कूल तो पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में हैं। कोलकाता के इन 119 स्कूलों में साल 2020 के बाद एक भी छात्र का एडमिशन नहीं हुआ है।

अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार ने फैसला किया है कि वो इन स्कूलों को बंद करेगी। शिक्षा विभाग के आंतरिक आंकड़े बताते हैं कि कोलकाता के बाद स्कूलों में छात्र न होने के मामले में दूसरे नंबर पर उत्तर 24 परगना जिला है। उत्तर 24 परगना में 60 स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी छात्र की मौजूदगी नहीं है। इस मामले में तीसरे नंबर पर हावड़ा में 24 स्कूल और पूर्व बर्द्धमान में 18 स्कूल हैं। चौथे स्थान पर हैं उत्तर बंगाल का कूचबिहार है। हालांकि कूचबिहार पश्चिम बंगाल का ऐसा जिला है, जहां एक मात्र ऐसा स्कूल हैं, जिसमें एक भी छात्र मौजूद नहीं हैं। बीरभूम और कलिंपोंग जिलों में दो स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी छात्र नहीं है। इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य सरकार को निशाने पर लिया है।

बीजेपी के प्रदेश महासचिव जगन्नाथ चट्टोपाध्याय ने कहा कि यह दिखाता है कि राज्य की स्कूली शिक्षा व्यवस्था कितने बदहाल हालात में है। इनमें से बहुत से स्कूल 50 साल से भी अधिक पूराने हैं। बड़ी संख्या ऐसे स्कूलों की भी हैं, जहां छात्रों की मौजूदगी बहुत कम है। सरकार की तैयारी है कि उनको भी चरणबद्ध तरीके से बंद किया जाए। दूसरे प्रदेशों में नए स्कूल खूल रहे हैं। वहीं बंगाल में पूराने स्कूलों को बंद किया जा रहा है।

मनसे नेता ने हिंदी भाषी रिक्शा चालक से मंगवाई माफी

किराए को लेकर मराठी यात्री से हुई थी मारपीट

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में इन दिनों हिंदी बोलना लोगों को भारी पड़ रहा है। दरअसल भाषाई विवाद को लेकर महाराष्ट्र में खूब राजनीति हो रही है। आए दिन महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा हिंदी भाषियों को मारा-पीटा व जलील किया जा रहा है। इस मामले में पुलिस हो या प्रशासन या फिर कोर्ट, सभी ने चुप्पी साध रखी है। इस बीच ठाणे जिले के भिवंडी इलाके में एक उत्तर भारतीय रिक्शा चालक और मराठी युवक के बीच किराए को लेकर विवाद हुआ।

यह विवाद बाद में इतना बढ़ गया कि नौबत मारपीट तक पहुंच गई। आरोप है कि इस विवाद के दौरान रिक्शा चालक ने मराठी युवक की पिटाई कर दी। इस घटना की जानकारी मिलते ही मनसे टीम एक्टिव हो गई। एमएनएस के भिवंडी अध्यक्ष मनोज गुलवी ने इस मामले में हस्तक्षेप कर रिक्शा चालक को माफी मांगने पर मजबूर किया। इस दौरान मनोज गुलवी ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, 'अगर भविष्य में किसी मराठी युवक को छूने की कोशिश की तो देख लेना हाथ कहां जाएगा।' यानी मनसे के नेता खुलेआम हिंदी भाषियों को धमकी दे रहे हैं और मारपीट भी रहे हैं। एक तरफ इतना सब हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ, महाराष्ट्र सरकार हो या फिर प्रशासन और कोर्ट, सभी हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं।

कुल्लू और नाहन कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप, पुलिस ने खाली करवाया परिसर

कुल्लू/नाहन, 9 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और नाहन कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद बुधवार सुबह दोनों कोर्ट परिसरों को खाली करवाया गया। जानकारी के अनुसार जिला एवं सत्र न्यायालय कुल्लू को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मेल से मिली धमकी के बाद पूरे कोर्ट परिसर को खाली करवाया गया है।

सभी कर्मचारी व अधिवक्ता कोर्ट परिसर से बाहर आ गए। वहीं सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। बम निरोधक दस्ता व डॉग स्क्वाड भी मौके पर पहुंचा। इससे पहले भी मई में आतंकी संगठन से उपायुक्त कार्यालय कुल्लू को मेल के जरिये बम धमाके करवाने की धमकी मिली थी। कोर्ट परिसर नाहन को बम से उड़ाने की धमकी के बाद बुधवार सुबह परिसर को खाली करवा लिया गया।

'दलाई लामा को मिले भारत रत्न,' अरुणाचल सीएम बोले- केंद्र को सिफारिश के लिए लिखेंगे पत्र

ईटानगर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा को भारत रत्न देने की वकालत की है। उन्होंने कहा है कि वे जल्द ही केंद्र सरकार को पत्र लिखकर यह सिफारिश करेंगे। उन्होंने दलाई लामा के योगदान को ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भारत के लिए अमूल्य बताया। यह बयान उन्होंने पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में दिया। मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि दलाई लामा ने नालंदा बौद्ध परंपरा को जीवित रखने और उसे वैश्विक मंच पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 8वीं शताब्दी में भारत से गए गुरुओं ने तिब्बत में बौद्ध धर्म का प्रसार किया था, और बाद में दलाई लामा ने उस परंपरा को भारत में फिर से जीवित किया। उनके प्रयासों से दक्षिण भारत में कई बौद्ध संस्थान स्थापित हुए, जिनका लाभ हिमालयी क्षेत्र के भिक्षु आज भी उठा रहे हैं।

खांडू ने कहा कि तिब्बत में जब बौद्ध धर्म को खतरा हुआ, तब दलाई लामा भारत आए और अपने साथ तिब्बती बौद्ध परंपराओं को लेकर आए। उन्होंने भारत में प्रमुख बौद्ध संप्रदायों जैसे साक्य, कग्यू और गदेन की परंपराओं को पुनः स्थापित किया। आज भारत के लद्दाख से लेकर अरुणाचल तक के भिक्षु इन संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करते हैं। मुख्यमंत्री खांडू ने चीन की आपत्ति को खारिज करते हुए कहा कि तिब्बती बौद्ध धर्म मुख्य रूप से भारत के हिमालयी इलाकों और तिब्बत में प्रचलित है,

440 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स की तस्करी करते गुजरात-महाराष्ट्र के दो युवक धराए, आदतन अपराधी हैं दोनों

रतलाम, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की रतलाम पुलिस ने मादक पदार्थ (एमडीएमए ड्रग्स) की तस्करी करते दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक युवक महाराष्ट्र व दूसरा युवक गुजरात का रहने वाला है। इनके कब्जे से 440 ग्राम एमडीएम ड्रग्स, दो मोबाइल फोन व 3000 रुपए जब्त किए गए। रतलाम एसपी अमित कुमार ने बुधवार दोपहर पत्रकारवार्ता में बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत माणकचौक थाना प्रभारी अनुराग यादव के नेतृत्व में गठित टीम को सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति झाबुआ रोड पर ग्राम करमदी के आसपास आते रहते हैं तथा ड्रग्स की सप्लाई करते हैं।

वे दोनों करमदी स्थित नमकीन क्लस्टर क्षेत्र में आने वाले हैं तथा एमडीएमए की बिक्री करने वाले हैं। सूचना पर एएसपी राकेश खाखा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी यादव टीम के साथ वहां पहुंचे तथा घेराबंदी कर आरोपी 36 वर्षीय भावेश भाई रावल पिता जितेंद्र रावल निवासी हरिओम सोसायटी मोरवी जिला राजकोट (गुजरात) एवं 25 वर्षीय अल्पेश परघरमोर पिता सुरेश परघरमोर निवासी नाहरा बस्ती नागपूर (महाराष्ट्र) को रजत मेकर उनकी तलाशी तलाशी लेने पर उनके पास 440 ग्राम एमडीएमए ड्रग, 3000 रुपये तथा दो मोबाइल फोन पाए गए। इसके बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस की धारा 8/ 22 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। जब्त ड्रग्स की कीमत 4 लाख 42 हजार रुपए है।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे मंदसौर जिले के दलौदा क्षेत्र से ड्रग्स लेकर आए थे तथा गुजरात की तरफ जा रहे थे। पहले भी वे ड्रग्स की तस्करी करने रतलाम आते जाते हैं।

फर्जी पुलिसवाला बनकर दिल्ली पुलिस की महिला पुलिसकर्मियों को टारगेट करता था युवक

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने फर्जी पुलिसकर्मी बनकर दिल्ली पुलिस की महिला पुलिसकर्मियों को टारगेट करने वाले शख्स को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया युवक सोशल मीडिया पर दिल्ली पुलिस की वर्दी में फोटो, यहां तक की दिल्ली पुलिस के एक प्रोग्राम में पहुंचकर हाथ मे हथियार के साथ फोटो लगाकर खुद को दिल्ली पुलिस का सब इंस्पेक्टर बताता था। आईजीआई थाने की पुलिस ने 23 साल के साहिल नाम के युवक को गिरफ्तार किया है जो अलवर राजस्थान का रहने वाला है। सामने आई जानकारी के मुताबिक, साहिल खुद को दिल्ली पुलिस का ऑफिसर बताकर दिल्ली पुलिस में कार्यरत महिला पुलिसकर्मियों और दूसरी महिलाओ को टारगेट किया करता था, फेक प्रोफ़ाइल, दिल्ली पुलिस की वर्दी, फर्जी आईकार्ड का इस्तेमाल करके लड़कियों से दोस्ती करने की कोशिश करता था।

साहिल ने दिल्ली पुलिस के सब इंस्पेक्टर के नाम से फर्जी प्रोफ़ाइल बनाकर सोशल मीडिया पर अलग अलग आईडी बनाई हुई थी। इसके पास से फर्जी आईकार्ड, दिल्ली पुलिस की वर्दी, फर्जी अपॉइंटमेंट लैटर, स्टैम्प मार्क्स, दिल्ली पुलिस की स्टैम्प लगे हुए कागजात बरामद किए है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 10 जुलाई - 2025

तंत्र-मंत्र का जानलेवा दंड

कहने को तो देश 21 सदी की जवानी में पहुंच चुका है। देश की तरक्की ने धरती आकाश और पाताल तक एक कर दिया है। नित नई खोजों से दांतों तले उंगलियां दबाने को लोग मजबूर हैं। लेकिन इस विकसित भारत के सुशासित राज्य बिहार के पूर्णिया में तंत्र-मंत्र के शक में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जला दिया गया। यह घटना राज्य की कानून-व्यवस्था के लिए पता नहीं कितनी चिंताजनक है, लेकिन देश के लिए बेहद शर्मनाक है, खास कर वहां की शिक्षा व्यवस्था के लिए भी। जब भारत स्पेस में कदम रख संभावनाओं के नए दरवाजे खोल रहा है, तब इस तरह की वारदात बताती हैं कि समाज का एक तबका कितने गहरे अंधविश्वास के अंधकार में आज भी डूबा हुआ है। खबरों के अनुसार पीड़ित परिवार की एक महिला झाड़-फूंक कर लोगों को राहत भी देती थी। लेकिन जब कुछ दिनों पहले गांव के एक बच्चे की मौत बीमारी की वजह से हो गई तो लोगों का शक उस महिला और उसके परिवार पर गया कि हो न हो उस महिला के टोने-टोटके की वजह से उनका चिराग बुझ गया। हालांकि लोगों का यह भी कहना है कि पहले भी इस गांव में कुछ लोगों की जान बीमारी की वजह से गई थी। जब मौत का आंकडा बढ़ने लगा तो लोगों को लगा कि इन सबके पीछे वही परिवार है जो झाड़-फूंक करता है। इस समस्या के समाधान के लिए पहले पंचायत हुई और फिर भीड़ ने नृशंसता दिखाते हुए खुद ही वारदात को अंजाम दे दिया। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तब है, जब राज्य में लॉ एंड ऑर्डर बड़ा मुद्दा बना हुआ है। पटना में एक बडे कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या के बाद सरकार अपनी छवि बचाने की कोशिश में लगी ही थी कि पूर्णिया का यह गंभीर मामला उजागर हो गया। बता दें कि पूर्णिया बिहार के सबसे पिछड़े जिलों में आता है। घटना जिस टेटगामा गांव में हुई, वह आदिवासियों का है। यहां के उरांव जाति के लोग अगर आज भी झाड़-फूंक के चक्करों में फंसे हुए हैं और जादू-टोने पर भरोसा करते हैं, तो इसके पीछे पिछड़ापन के साथ ही अशिक्षा भी है। केंद्र की स्कूल एजुकेशन रिपोर्ट यूडीआईएसई प्लस से पता चलता है कि आधुनिक शिक्षा को छोड़ दीजिए, बेसिक सुविधाओं के मामले में भी बिहार के स्कूल बाकी देश से कोसों पीछे हैं। सरकारी आंकडों पर विश्वास किया जाए तो राज्य के केवल 19.6% स्कूलों में कंप्यूटर हैं, जबकि महज 12.1% स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम। देश में ड्रॉपआउट यानी बच्चों के स्कूली पढाई बीचे में छोड़ने की दर सबसे ज्यादा बिहार में ही है, 9-10वीं में 25% से भी ज्यादा ड्रापआउट है। ढाई हजार से अधिक स्कूल केवल एक टीचर के भरोसे चल रहे हैं। जादू-टोने का लोगों के जीवन में दखल इसलिए भी है क्योंकि वहां की स्वास्थ्य व्यवस्था खुद बीमार एवं लचर है। पिछले साल आई कैग की रिपोर्ट बताती है कि पूर्णिया के सरकारी अस्पतालों में नर्सिंग स्टाफ की 72% कमी है। वैसे, पूरे बिहार में एक डॉक्टर के भरोसे 2,148 मरीज हैं। स्वास्थ्य विभागों में 49% पद खाली पडे हैं। ऐसे में गांवों व कस्बों में नीम-हकीमों की पौ-बारह है। इन तक भी जिनकी पहुंच नहीं है वे झाड-फूंक वाले ओझाओं व तांत्रिकों के चक्कर में फंस कर अपने जीवन की बलि दे रहे हैं। पूर्णिया की घटना ने पूरे सरकारी सिस्टम की पोल खोल कर रख दी है। अब इस नाकामी के पीछे किसका हाथ है यही तो जांच का विषय है, जिसकी रिपोर्ट कभी सार्वजनिक नहीं हो पाती।

अवैध खनन से छलनी होती माँ नर्मदा

अरविन्द रावल

मध्य प्रदेश की जीवनदायिनी कही जाने वाली और जिसके सम्मान में आदर से बरबस शीश झुक जाता है ऐसी पुण्य सलिला माँ नर्मदा नदी आज अपने ही भक्तों के हाथों अवैध उत्खनन से छलनी होती जा रही है ! माँ नर्मदा में हो रहे अवैध उत्खनन को लेकर कई बार राज्य व देश की संसद में भी चिंता व्यक्त की गई लेकिन अवैध उत्खनन तो रुका नही बल्कि भक्तों द्वारा रेती की चाहता में और द्रुत गति से नर्मदा मैया का सीना छलनी किया गया जो व दस्तूर आज भी जारी है ! पुराणों के अनुसार नर्मदा का जन्म हिमालय के जन्म से भी करोडो वर्ष पूर्व मेकाल पर्वत पर अपने केश बिखेर कर अपनी एक भुजा सतपुडा और दूजी भुजा विंध्यांचल की पहाडियों पर फेलाए समाधिस्थ भगवान आदि देव शंकर के श्रम सिकारो से हुआ है !

बेकौल मैय्या नर्मदा का इतिहास माँ गंगा से भी लाखो साल पुराना है इसीलिए तो नर्मदा को भारतीय धर्म शास्त्र सनातन तीर्थ कहते है लोक संस्कृति की स्मृति रेखा कहते है आज उसी सनातन नदी का बेखौफ अवैध उत्खनन से पैसों के भूखे लालची रेत माफियाओ द्वारा ऐसा हाल कर दिया गया है कि प्रदेश के सोलह जिलों से बहकर गुजरने वाली माँ नर्मदा का सीना हर जिले के दोनों और से बड़ी बेरहमी से छलनी किया जा रहा है और शासन प्रशासन की तरह पंगु होकर हर हर नर्मदे का गुणगान करने वाले प्रदेश के लाखो करोडो भक्त भी पंगु बनकर अपनी मैय्या का सरेआम सीना छलनी होते देखकर मोन रह जाते है तो ऐसा लगता है कि मानव के महाविनाश का दोर आरम्भ हो चूका है !

बहरहाल जो लोग नर्मदा को सामान्य नदी मान कर जो भी अवैध उत्खनन या अवैध कार्य उसके नाम से कर रहे हे वह अपने जीवन की सबसे बड़ी भूल कर रहे है ! जो लोग नर्मदा के अवेध उत्खनन में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हे ! जो लोग अपने स्वार्थ के लिए, नर्मदा के अस्तित्व और महता को कम करने का प्रयत्न कर रहे हे उन्हें और उनसे सम्बन्धित जुडे लोगो को इस कवारी नर्मदा का भयावह प्रकोप इसी जीवन में यम की प्रताड़ना से भी कही गुना अधिक भोगना पड़ेगा !

देवाधिदेव शंकर की पुत्री आदि नदी माँ नर्मदा अपने उद्गम स्थल अमरकंटक से एक पतली रेखा में शांत रूप से बहती जरुर दिखती हे लेकिन उसके अंदर इतना प्रवाह भरा हुआ हे कि जब संगमरमर के पहाड़ों को चीरती हुई जिस प्रबल वेग से वह नीचे आती हे तो उसके रौद्र स्वरूप में शिव के साक्षात दर्शन होते हे तभी तो नर्मदा के पत्थर के ही निर्मित शिवलिंग शिवालयों में पूजे जाते हे !

आज खनन माफियाओं द्वारा अपने धनबल बाहुबल के द्वारा शासन प्रशासन पर अपने प्रभाव के चलते बेखौफ अवेध उत्खनन के कार्य किये जा रहे हे जो हमारी धार्मिक आस्था को तो चोट पहुँचा ही रहे हे साथ ही पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे हे और सरकार को भी आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे हे ! आज कुछ चंद मुट्ठीभर बाहुबली लोगों द्वारा अवेध उत्खनन एवं अन्य कार्यों द्वारा माँ नर्मदा को छलनी कर प्रेषित किये जाने का कार्य बेखौफ होकर किया जा रहा हे !

अतः प्रदेश सरकार से और सभी पर्यावरण प्रेमी यो और माँ नर्मदा के अन्यय भक्तो से एक ही निवेदन हे कि माँ नर्मदा के उसके मूल स्वरूप को जिन्दा बचाए रखना हे तो एक होकर आगे आये और आवाज़ बुलंद करे !

सियासी फायदे वाली चुप्पी और हंगामे वाला ड्रामा

संजय सक्सेना

भारत की राजनीति एक ऐसा मंच है, जहां हर दिन नया ड्रामा, नया विवाद और नई कहानियां जन्म लेती हैं। यह वह रंगमंच है, जहां राजनैतिक दल और उनके नेता कभी किसी मुद्दे पर गहरी चुप्पी साध लेते हैं, तो कभी मामूली-सी बात को लेकर हंगामा खड़ा कर देते हैं। यह चुप्पी और हंगामा, दोनों ही उनकी सियासत का हिस्सा हैं। एक सोची-समझी रणनीति, जो जनता के मन को भटकाने, सहानुभूति बटोरने या विरोधियों को घेरने के लिए रची जाती है। इस सियासत की परतें इतनी जटिल हैं कि आम आदमी अक्सर यह समझ ही नहीं पाता कि आखिर माजरा क्या है। ताजा मामला महाराष्ट्र में भाषा विवाद से जुड़ा हुआ है जहां मराठी की अस्मिता के नाम पर उत्तर भारतीयों को मारा-पीटा जा रहा है और इस पर उत्तर भारत में राजनीति करने वाले नेता तक मुंह खोलने से कतरा रहे हैं। कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे सब के मुंह पर ताला लगा हुआ है। यहां तक कि कांग्रेस को जिताने के लिये चुनावी दौरे पर बिहार गए राहुल गांधी इस मसले पर चुप्पी साधे रहे, यही हाल सपा प्रमुख अखिलेश यादव का भी है जिन्होंने गत दिनों एक कथावाचक के साथ अभद्रता के मामले को ब्राह्मण-यादव के बीच की लड़ाई बना दिया था। इसी तरह से यूपी के बलरामपुर में एक मौलाना के धर्मांतरण के घिनौने खेल, जिसमें हिन्दू युवतियों को लव जिहाद में फंसाया जा रहा था के बारे में अखिलेश सहित तमाम गैर बीजेपी दलों की चुप्पी घातक लगती है।

कभी-कभी किसी गंभीर मुद्दे पर राजनैतिक दलों की चुप्पी इतनी गहरी होती है कि वह अपने आप में एक बयान बन जाती है। उदाहरण के लिए, जब देश में कोई बड़ा घोटाला सामने आता है, या कोई सामाजिक मुद्दा जैसे जातिगत हिंसा, धार्मिक तनाव या आर्थिक असमानता उभरता है, तो कुछ दल और उनके नेता ऐसी खामोशी ओढ़ लेते हैं, मानो उन्हें कुछ पता ही न हो। यह चुप्पी कोई कमजोरी नहीं, बल्कि एक सुनियोजित रणनीति होती है। वे जानते हैं कि कुछ मुद्दों पर बोलना उनके वोट बैंक को नुकसान पहुंचा सकता है। मिसाल के तौर पर, जब किसी संवेदनशील धार्मिक मुद्दे पर देश में तनाव बढ़ता है, तो कई नेता चुप रहना पसंद करते हैं, क्योंकि उनकी एक टिप्पणी उनके समर्थकों को नाराज कर सकती है या विरोधियों को हमला करने का मौका दे सकती है। यह चुप्पी उनकी सियासत का एक हिस्सा है, जो न बोलकर भी बहुत कुछ कह जाती है।

वहीं, दूसरी ओर, कुछ मुद्दों पर राजनैतिक दल और नेता इतना हंगामा खड़ा कर देते हैं कि वह मुद्दा असल में जितना बड़ा है, उससे कहीं ज्यादा विशाल दिखने लगता है। छोटी-सी घटना को तूल देना, सोशल मीडिया पर ट्रेंड चलाना, और सड़कों पर प्रदर्शन करना—यह सब उनकी रणनीति का हिस्सा होता है। उदाहरण के तौर पर, उत्तर प्रदेश की सियासत में 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान देखा गया कि कैसे कुछ दलों ने छोटे-छोटे मुद्दों को लेकर बड़े-बड़े प्रदर्शन किए। एक नेता के बयान को तोड़-मरोड़कर उसे जातिगत या धार्मिक रंग दे दिया गया, और फिर उस पर हफ्तों तक बहस चली। यह हंगामा इसलिए नहीं था कि मुद्दा वाकई इतना गंभीर था, बल्कि इसलिए कि वह दल उस समय जनता का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहता था।

इस चुप्पी और हंगामे की सियासत के पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है वोट बैंक की राजनीति। भारत जैसे देश में, जहां जाति, धर्म, और क्षेत्रीयता राजनीति के केंद्र में हैं, राजनैतिक दल हर कदम सोच-समझकर उठाते हैं। अगर कोई मुद्दा उनके कोर वोटरों को नाराज कर सकता है, तो वे उस पर चुप्पी साध लेते हैं। मिसाल के तौर पर, जब किसी राज्य में जातिगत हिंसा की घटना होती है, तो कुछ दल इस पर बोलने से बचते हैं, क्योंकि उनका वोट बैंक उस जाति से जुड़ा हो सकता है। वहीं, अगर कोई मुद्दा उनके विरोधियों को घेरने का मौका देता है, तो वे उस पर इतना शोर मचाते हैं कि जनता का ध्यान मूल मुद्दे से हटकर उनकी सियासत पर चला जाता है।

2024 में उत्तर प्रदेश की राजनीति में ऐसा ही कुछ देखने को मिला। लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को कुछ सीटों पर अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। इसके पीछे कई कारण थे, लेकिन विपक्षी दलों ने इसे सरकार की विफलता के रूप में प्रचारित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन ने 'पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक' (पीडीए) के नारे को इतना जोर-शोर से उठाया कि यह जनता के बीच एक बड़ा मुद्दा बन गया। दूसरी ओर, जब राम मंदिर जैसे मुद्दे पर विपक्ष को बोलने का मौका मिला, तो कई नेता चुप्पी साध गए, क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि उनके बयान से हिंदू वोटर नाराज हो जाएं। यह चुप्पी और हंगामे का खेल सियासत का एक पुराना हथियार है, जो आज भी उतना ही प्रभावी है। इस सियासत का एक और पहलू है मीडिया और सोशल मीडिया का बेजा इस्तेमाल। आज के दौर में, जहां हर व्यक्ति के हाथ में स्मार्टफोन है, राजनैतिक दल और नेता सोशल मीडिया को हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। किसी मुद्दे पर हंगामा खड़ा करना हो, तो एक्स पर ट्रेंड चलाया जाता है, व्हाट्सएप ग्रुप्स में मैसेज वायरल किए जाते हैं, और टीवी चैनलों पर घंटों बहस कराई जाती है। उदाहरण के लिए, जब किसी नेता का कोई पुराना वीडियो या बयान वायरल होता है, तो विपक्षी दल उसे लेकर इतना हंगामा मचाते हैं कि वह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन जाता है। लेकिन जब बात उनके अपने नेताओं के विवादास्पद बयानों पर आती है, तो वही दल चुप्पी साध लेते हैं। यह दोहरा रवैया जनता को भ्रमित करता है, लेकिन सियासत के लिए यह एक आजमाया हुआ नुस्खा है।

राजनैतिक दलों की यह रणनीति केवल जनता को प्रभावित करने तक सीमित नहीं रहती। यह उनके आंतरिक संगठन और नेतृत्व पर भी असर डालती है। कई बार, किसी बड़े मुद्दे पर चुप्पी इसलिए साधी जाती है, क्योंकि दल के अंदर ही उस मुद्दे पर मतभेद होते हैं। उदाहरण के लिए, जब किसी दल में नए नेतृत्व को लेकर चर्चा होती है, तो कई वरिष्ठ नेता चुप रहते हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि उनकी टिप्पणी से उनके करियर को नुकसान पहुंचे। वहीं, जब कोई छोटा-मोटा मुद्दा उछलता है, तो वही नेता सबसे आगे आकर बयानबाजी शुरू कर देते हैं, ताकि मीडिया में उनकी तस्वीर छपे और कार्यकर्ताओं में उनका रुतबा बढ़े।

इस चुप्पी और हंगामे की सियासत का एक और उदाहरण है मायावती जैसे नेताओं का रवैया। 2024 में जब पहलगाम में आतंकी हमला हुआ, तो मायावती ने सभी दलों को एकजुट होने की सलाह दी, लेकिन साथ ही उन्होंने कुछ नेताओं की 'घिनौनी राजनीति' की आलोचना भी की। यह एक तरह से हंगामा खड़ा करने की कोशिश थी, ताकि वह अपने समर्थकों के बीच प्रासंगिक बनी रहें। लेकिन जब बात उनके भतीजे आकाश आनंद की पार्टी में वापसी की आई, तो उन्होंने सशर्त चुप्पी साध ली, ताकि कोई विवाद न खड़ा हो। यह दिखाता है कि कैसे नेता अपने हितों के हिसाब से चुप्पी और हंगामे का इस्तेमाल करते हैं।

यह सियासत केवल राष्ट्रीय या राज्य स्तर तक सीमित नहीं है। स्थानीय स्तर पर भी यही खेल चलता है। नगर निगम के चुनावों में, छोटे-छोटे मुद्दों जैसे सड़क की मरम्मत या पानी की सप्लाई को लेकर इतना हंगामा मचाया जाता है कि वह एक राष्ट्रीय मुद्दे जैसा दिखने लगता है। लेकिन जब बात बड़े नीतिगत फैसलों की आती है, जैसे शिक्षा या स्वास्थ्य सुधार, तो वही नेता चुप्पी साध लेते हैं, क्योंकि इन मुद्दों पर बोलने से तात्कालिक सियासी फायदा नहीं मिलता।

इस चुप्पी और हंगामे की सियासत का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह जनता का ध्यान असल मुद्दों से भटकाता है। बेरोजगारी, महंगाई, और पर्यावरण जैसे गंभीर मुद्दे पीछे छूट जाते हैं, जबकि छोटे-मोटे विवाद सुर्खियां बटोरते हैं। जनता को लगता है कि उनके नेता उनके लिए लड़ रहे हैं, लेकिन हकीकत में यह सियासत केवल सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने का एक जरिया है।

आज के दौर में, जब सूचना का प्रवाह इतना तेज है, राजनैतिक दलों और नेताओं को अपनी इस रणनीति पर पुनर्विचार करना होगा।

अधूरी गिनतियां, अधूरी उड़ानें

प्रो. आरके जैन

भारतीय शिक्षा प्रणाली की नींव में गहरी दरारें उभरकर सामने आई हैं। दिसंबर 2024 में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (परख) ने इस कड़वी सच्चाई को बेनकाब किया। 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 781 जिलों में फैले 74,229 सरकारी व निजी स्कूलों के 21,15,022 विद्यार्थियों और 2,70,424 शिक्षकों ने इस मूल्यांकन में हिस्सा लिया। परिणाम स्तब्ध करने वाले हैं: तीसरी कक्षा के महज 55% बच्चे 99 तक की संख्याओं को क्रमबद्ध लिख पाए, केवल 58% दो अंकों का जोड़-घटाव हल कर सके, और छठी कक्षा में गणित में औसतन 46% अंक ही प्राप्त हुए। ये आंकड़े चीखकर बताते हैं कि हमारी शिक्षा व्यवस्था लाखों बच्चों को ठोस आधार देने में विफल रही है। यदि तत्काल सुधार नहीं हुए, तो शिक्षित और सशक्त भारत का सपना अधूरा ही रह जाएगा।

सर्वेक्षण ने प्राथमिक शिक्षा की कमजोर कड़ियों को और स्पष्ट किया। तीसरी कक्षा में केवल 55% विद्यार्थी 99 तक की संख्याओं को बढ़ते-घटते क्रम में लिख पाए, और 58% ही दो अंकों के जोड़-घटाव में निपुण थे। यह दर्शाता है कि तार्किक सोच का आधार, बुनियादी गणितीय कौशल, बच्चों तक नहीं पहुंच रहा। छठी कक्षा के हालात और चिंताजनक हैं, जहां केवल 53% विद्यार्थी जोड़, गुणा जैसी अंकगणितीय प्रक्रियाओं को समझ पाए। गणित में 46%, भाषा में 57%, और 'द वर्ल्ड अराउंड अस' में 49% अंक आए। शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने स्वीकार किया कि 50% से कम सही उत्तर सीखने की प्रक्रिया में गहरी खाई को उजागर करते हैं। जटिल शिक्षण पद्धतियां, शिक्षकों का अपर्याप्त प्रशिक्षण, और प्रायोगिक शिक्षण का अभाव इसके मूल कारण हैं। तुरंत प्रभावी कदम उठाना अनिवार्य है, वरना शिक्षा का यह संकट भारत के भविष्य को और अंधकारमय कर देगा। नौवीं कक्षा के परिणामों ने कुछ उम्मीद की किरण दिखाई। केंद्रीय विद्यालयों (केवी) के छात्रों ने भाषा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और विज्ञान व सामाजिक विज्ञान में भी प्रभावशाली अंक हासिल किए। यह केवी की गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पद्धतियों और संसाधनों की बदौलत संभव हुआ। निजी स्कूलों के विद्यार्थियों ने विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन गणित में उनकी कमजोरी उजागर हुई। तीसरी कक्षा में केवी के छात्रों का गणित में सबसे कमजोर प्रदर्शन प्राथमिक शिक्षा में सुधार की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में गणित में नतीजे निराशाजनक रहे, जबकि भाषा में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन देखने को मिला। यह दर्शाता है कि भाषा शिक्षण में रचनात्मक और प्रभावी विधियां कारगर सिद्ध हो रही हैं, जिन्हें गणित शिक्षण में भी लागू करने की जरूरत है।

ग्रामीण और शहरी स्कूलों के बीच गहरी खाई चिंता का विषय है। आश्चर्यजनक रूप से, तीसरी कक्षा में ग्रामीण विद्यार्थियों ने गणित और भाषा में शहरी छात्रों को पछाड़ दिया। यह ग्रामीण स्कूलों में व्यक्तिगत ध्यान और समुदाय-केंद्रित शिक्षण का परिणाम हो सकता है। हालांकि, छठी और नौवीं कक्षा में शहरी विद्यार्थियों ने सभी विषयों में ग्रामीण छात्रों को पीछे छोड़ दिया, जो उच्च कक्षाओं में ग्रामीण स्कूलों में संसाधनों, प्रशिक्षित शिक्षकों और डिजिटल सुविधाओं की कमी को उजागर करता है। शिक्षा बजट इस संकट का मूल कारण है। भारत अपनी जीडीपी का केवल 4.6% शिक्षा पर खर्च करता है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के 6% लक्ष्य से काफी कम है। यह कमी ग्रामीण स्कूलों में बुनियादी ढांचे, शिक्षक प्रशिक्षण और डिजिटल संसाधनों के अभाव के रूप में सामने आती है। यूनेस्को की 2023 की रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि शिक्षा में निवेश न केवल शैक्षिक परिणामों को बेहतर करता है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक समानता को भी बढ़ावा देता है। परख सर्वेक्षण चेतावनी देता है कि शिक्षा बजट में तत्काल वृद्धि और इसका लक्षित उपयोग अब अपरिहार्य है।

भारतीय शिक्षा प्रणाली की कमियों को दूर करने के लिए तत्काल और निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है। पहला, गणित को जीवंत बनाने के लिए प्रायोगिक शिक्षण को अपनाया जाए। गणितीय खेल, दृश्य-श्रव्य सामग्री और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े उदाहरण बच्चों में रुचि जगा सकते हैं। एनसीईआरटी के डिजिटल मॉड्यूल्स को सभी स्कूलों में अनिवार्य करना एक प्रभावी शुरुआत हो सकती है। दूसरा, शिक्षकों का नियमित और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण अनिवार्य है। फिनलैंड की विश्व-प्रसिद्ध शिक्षक प्रशिक्षण प्रणाली को मॉडल बनाकर आधुनिक शिक्षण तकनीकों पर बल देना होगा। तीसरा, ग्रामीण स्कूलों में संसाधनों का विस्तार हो। गणित प्रयोगशालाएं, डिजिटल कक्षाएं और समृद्ध पुस्तकालय स्थापित किए जाएं। शिक्षा बजट का कम से कम 30% ग्रामीण शिक्षा के लिए लक्षित हो। चौथा, अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जाए। सामुदायिक कार्यशालाएं और जागरूकता अभियान इस दिशा में कारगर होंगे। पांचवां, केंद्रीय विद्यालयों की उत्कृष्ट शिक्षण पद्धतियों को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने के लिए एक शिक्षा सुधार आयोग का गठन हो। छठा, परख जैसे सर्वेक्षण वार्षिक आधार पर हों और उनके निष्कर्षों पर त्वरित नीतिगत कार्रवाई की जाए।

परख सर्वेक्षण एक सख्त चेतावनी है। 46% अंक और 50% से कम सही उत्तर देने वाले बच्चे चीख-चीखकर बता रहे हैं कि हमारी शिक्षा व्यवस्था उनकी आकांक्षाओं को पंख देने में नाकाम रही है। यह समय कागजी योजनाओं को ठोस हकीकत में बदलने का है। हर बच्चे का हक है कि वह अपने सपनों को उड़ान दे सके। शिक्षा वह ज्वाला है जो अज्ञानता को भस्म करती है। इस ज्वाला को इतना प्रचंड बनाएं कि हर बच्चा अपने भविष्य को रोशन करे और भारत ज्ञान का सूरज बनकर विश्व पटल पर चमके। यदि हम आज चुप रहे, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। यह अज्ञानता के खिलाफ युद्ध है—और इसे हमें हर हाल में जीतना है।

सवाल पहचान छुपाने का है

वीरेन्द्र सिंह परिहार

कांवड़यात्रा 11 जुलाई से इस वर्ष फिर से शुरू होने जा रही है जिसमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड सरकार के द्वारा आदेश जारी किये गये हैं कि कांवड़ यात्रा के मार्ग के ढ़ाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचे वाले स्पष्ट नामपट्टिका लगायेंगे। इतना ही नहीं, पहचान पत्र और लाइसेंस नम्बर भी रखेंगे और सक्षम अधिकारी द्वारा मांगे जाने पर दिखायेंगे भी। यह व्यवस्था पिछले साल भी लागू की गई थी, परन्तु सर्वोच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश के तहत उसमें रोक लगा दी गई थी। सरकार द्वारा जारी निर्देशों में यह भी लिखा गया है, ढाबे और होटल वालों को यह भी बताना पड़ेगा कि उनके ढाबे में शाकाहार या मांसाहार क्या उपलब्ध है ?

अब इस बात पर मुस्लिम संगठनों और तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दलों द्वारा इसका घोर विरोध हो रहा है। समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एस.टी. हसन का कहना है इस तरह से इनमें और पहलगाम के आतंकियों में क्या फर्क है? ओवैसी तो इस भाजपा सरकारों द्वारा हिन्दू-मुस्लिम करने का उदाहरण दे रहे हैं जबकि दूसरी तरह हिन्दू संगठनों का कहना है कि जब मुसलमान सिर्फ हलाल खाने का अपना अधिकार मानते हैं और वह भी हलाल किसी मुसलमान द्वारा ही किया जाना चाहिए तो क्या वह हिन्दु मुसलमान नहीं है? हिन्दू-मुसलमान अपनी जगह पर है. सबसे बड़ी बात यह कि जो कांवड़ यात्रा करने वाले हिन्दू होते हैं, जो पूरी कावड़ यात्रा के दौरान खानपान में पूरी शुद्धता का पालन करते हैं। वह सिर्फ शाकाहारी भोजन ही नहीं करते बल्कि वही खाना खाने का प्रयास करते हैं जहाँ मांसाहारी भोजन दूर-दूर तक न पकता हो। व्यावहारिक स्थिति यही है कि ऐसा सिर्फ उन्ही होटलों, ढाबों और रेस्टोरेंटो में सम्भव है जिन्हें हिन्दू चलाते हैं। यह भी सभी को पता होना चाहिए कि हिन्दुओं में एक बड़ी आबादी आज भी ऐसी है, जो पूरी तरह शाकाहारी है। उनके लिये मांसाहार पूरी तरह निषिद्ध तो है ही, वह उस परिवेश से भी दूरी बनाकर रहने का प्रयास करते हैं जहाँ मांसाहार पकाया या खान-पान में शरीक किया जाता है।

इसके अलावा खास तौर पर श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान, नवरात्रि हिन्दू धार्मिक पर्वों एवं त्योहारों, धार्मिक यात्राओं में भी अमूमन मांसाहार का उपयोग तो करते ही नहीं, बल्कि एक विशेष रीति-नीति से शुचिता और एक विशेष जीवनशैली का पालन करते हैं। इसलिये निश्चित रूप से उन्हें यह अधिकार है कि ऐसे अवसरों पर वह जहाँ खाना खा रहे हैं, या स्वल्पाहार भी कर रहे हैं, उन्हें यह पता होना चाहिए कि उसकी पहचान क्या है ?

वस्तुतः जैसे मुसलमानों या दूसरे समुदायों के बहुत से मामले आस्था से जुड़े होते हैं, वैसे यह भी ऐसे अवसरों पर यह हिन्दुओं की आस्था से जुड़े मामले हैं जिसके लिये भारतीय संविधान पूरी तरह से संरक्षण देता है। गौर करने का विषय है कि यदि ऐसे अवसरों पर उन्हें ऐसा महसूस हो कि हमने किसी मांसाहार वाले होटल या ढाबे में तो कहीं भोजन तो नहीं कर लिया तो उन्हें कितना मानसिक कष्ट ही नहीं, सन्ताप की स्थिति से गुजरना पडेगा।

तस्वीर का दूसरा पहलू यह कि यह कांवड़ यात्री मुस्लिम कारीगरों द्वारा बनाई गई कांवड़ों का उपयोग करते हैं। मुस्लिमों द्वारा बनाये गये कपड़ों का उपयोग करते हैं पर इससे किसी भी हिन्दू को कोई आपत्ति नहीं होती और इसमें न कोई हिन्दू-मुसलमान का प्रश्न ही उठता।

वस्तुतः यह ऐसा ही मामला है जैस कुछ दिनों पूर्व इटावा में दो कथा वाचकों ने अपनी जाति छुपाकर फर्जी आधार कार्ड से अपने को ब्राह्मण बताने का प्रयास किया था जबकि वस्तुतः यह धोखाधड़ी का कृत्य था और जिसमें पुलिस ने समुचित एक्शन भी लिया।

यही स्थिति कांवड़ यात्रा के दौरान होटलों और ढाबों को लेकर है क्योंकि अपनी पहचान छुपाने का प्रयास एक तरह से धोखाधड़ी का कृत्य है। चाहे वह कोई भी हो और निश्चित रूप से ऐसी धोखाधड़ी का समर्थन करना मात्र जाति और सम्प्रदाय की राजनीति का कार्ड खेलना है, चाहे वह सपा प्रमुख अखिलेश यादव हों या ओवैसी।

गरीब अफ्रीकी-अमेरिकी देशों की यात्रा पर मोदी क्यों

राजेश कुमार पासी

विपक्ष शुरू से ही प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाता रहा है कि वो इतनी विदेश यात्राएं क्यों करते हैं । विपक्ष यह सवाल उठाता है कि इन विदेश यात्राओं का क्या फायदा है क्योंकि इन यात्राओं पर काफी पैसा खर्च होता है । ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी जी का विपक्ष ने यह कहकर मजाक बनाया कि इतनी विदेश यात्राओं के बावजूद कोई भी देश भारत के साथ नहीं खड़ा हुआ । विपक्ष यह भी देखने को तैयार नहीं है कि इन्हीं विदेश यात्राओं का असर है कि कोई भी देश भारत के खिलाफ नहीं खड़ा हुआ । चीन और तुर्की पाकिस्तान के साथ इसलिए खड़े दिखाई दिए क्योंकि वो पाकिस्तान को हथियार सप्लाई करते हैं । भारत विरोधी होने के कारण चीन और तुर्की पाकिस्तान का साथ दे रहे थे । ऐसे तो भारत भी रूस, इजराइल, फ्रांस और अमेरिका के हथियारों से जंग लड़ रहा था । इस युद्ध की विशेषता यह रही कि भारत ने अपने बनाए हथियारों का ज्यादा इस्तेमाल किया । इस तरह देखा जाए तो भारत को किसी देश की मदद की जरूरत ही नहीं थी ।

प्रधानमंत्री मोदी 2 जुलाई से 5 दिन की विदेश यात्रा के दौरान घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा कर रहे हैं । इस पर भी कांग्रेस के कई नेताओं के बयान सामने आ चुके हैं कि मोदी जी इन देशों की यात्रा पर क्यों जा रहे हैं । जिन देशों का कई दशकों से भारत के किसी प्रधानमंत्री ने दौरा नहीं किया है, वहां जाने का क्या जरूरत है । यहां तक मजाक बनाया जा रहा है कि मोदी जी बाकी बचे हुए देशों की भी यात्रा कर लेना चाहते हैं । हर बार की तरह घरेलू समस्याओं की दुहाई देते हुए मोदी जी की यात्रा पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं । ऐसे में देश की जनता के मन में भी सवाल उठ सकता है कि इन गरीब देशों की यात्रा करके मोदी जी क्या हासिल करने वाले हैं । इसका विश्लेषण करने की जरूरत है कि क्यों मोदी जी इन देशों की यात्रा कर रहे हैं ।

किसी भी राष्ट्र प्रमुख द्वारा विदेश यात्रा करने का मकसद दूसरे देशों के साथ सम्बन्धों को बढ़ाना होता है । आजकल तो ज्यादातर राष्ट्र प्रमुख विदेश यात्राएं अपने देश के व्यापार को बढ़ाने के लिए करते हैं । भारत धीरे-धीरे विश्व शक्ति बन रहा है, जिसके कारण जिम्मेदारियां भी बढ़ रही हैं । विश्व पटल पर भारत की अनुपस्थिति का लाभ उठाकर चीन ने दक्षिण अमेरिकी और अफ्रीकी देशों में अपनी पैठ बना ली है और भारत कहीं दिखाई नहीं दे रहा है । मोदी जी ने सत्ता में आते ही जान लिया था कि भारत को अगर वैश्विक शक्ति बनना है तो इन देशों के साथ सम्बन्ध बढ़ाने होंगे । मोदी जी के सत्ता में आने से एक साल पहले ही चीन ने दुनिया के गरीब देशों को अपने कर्ज जाल में फंसाने के लिए एक जबरदस्त चाल चली थी । उसने अपने बीआरआई प्रोजेक्ट के अन्तर्गत गरीब देशों को यह लालच दिया कि वो उनके देशों को एक ऐसे गलियारे से जोड़ेगा जिससे उनका आयात-निर्यात आसानी से पूरी दुनिया में हो सकेगा । उसने इस योजना के अन्तर्गत इन देशों में ऐसी विकास परियोजनाएं शुरू की जिससे इन देशों के बुनियादी ढांचे का निर्माण होना था । उसने इन देशों को यह लालच दिया कि इन विकास परियोजनाओं से इन देशों की आय बढ़ जाएगी और इन पर खर्च किया गया पैसा भी जल्दी वापिस आ जाएगा । इसके लिए चीन ने इन देशों को कर्ज दिया और कर्ज की शर्तों को गुप्त रखा गया । इन शर्तों का ही नतीजा है कि श्रीलंका बर्बाद हो गया है, मालदीव और पाकिस्तान मुश्किल में हैं । चीन का तरीका यही है कि उन गरीब देशों को कर्ज दो और उसके बदले उनके प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा कर लो । चीन की इस नीति से दक्षिण अमेरिकी और अफ्रीकी देश बर्बाद हो चुके हैं । मोदी जी अब इन देशों से सम्बन्ध बढ़ा रहे हैं ताकि चीन के इस कर्ज जाल से उन्हें बाहर निकालने में मदद दी जाए । भारत ऐसा करने के लिए इन देशों को कर्ज नहीं दे रहा है बल्कि इन देशों के विकास पर काम कर रहा है ताकि ये देश खुद ही चीन के कर्ज की वापसी कर सके । इसके लिए भारतीय कंपनियां इन देशों में निवेश कर रही हैं ताकि इन देशों में भी विकास की धारा बह सके । भारत इन देशों को प्राकृतिक संसाधनों की लूट से बचा कर इन संसाधनों का उचित दाम दिलाना चाहता है । सच कहे तो भारत को भी इन संसाधनों की जरूरत है लेकिन भारत चीन की तरह उन पर कब्जा नहीं चाहता बल्कि इन देशों के साथ व्यापार भी चाहता है । 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार चीन ने अफ्रीकी देशों के लगभग 80 प्रतिशत व्यापार पर कब्जा कर लिया है और यही हाल दक्षिण अमेरिकी देशों का भी है । मोदी जी की इन पांच देशों की यात्रा भारत की सॉफ्ट पावर, ग्लोबल साउथ रणनीति, आर्थिक सहयोग और कूटनीतिक नेतृत्व को शक्ति प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है ।

भारत आजादी के बाद से ही ग्लोबल साउथ के देशों के प्रति एक जिम्मेदारी महसूस करता रहा है, इसलिए नेहरू जी ने गुटनिरपेक्ष नीति पर इन देशों को लाने की कोशिश की थी ताकि ये देश दो गुटों की लड़ाई में उलझ कर बर्बाद न हो जाएं । घाना एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और भारत के महत्वपूर्ण व्यापारिक सम्बन्ध उसके साथ हैं ।

गुरु पूर्णिमा के खास मौके पर करें ये उपाय, मिलेगी तरक्की और सफलता

आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि को सनातन परंपरा में अत्यंत शुभ माना गया है। इस दिन को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि इसी तिथि को महर्षि वेदव्यास जी का जन्म हुआ था, जो वेदों के रचयिता हैं। इसी कारण से यह दिन आषाढ़ी पूर्णिमा और व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इस वर्ष गुरु पूर्णिमा का पर्व 10 जुलाई 2025, गुरुवार को मनाया जाएगा। यह विशेष दिन गुरु के प्रति श्रद्धा, आभार और समर्पण प्रकट करने का होता है। गुरु पूर्णिमा पर कुछ खास उपाय करने से जीवन में समृद्धि, सफलता और मानसिक शांति की प्राप्ति होती है। ऐसे में आइए इन उपायों के बारे में विस्तार से।

सफलता के लिए उपाय

अगर आपके प्रयासों के बावजूद भी नौकरी या व्यवसाय में तरक्की नहीं मिल रही है, तो गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान को पीली मिठाई चढ़ाएं और बाद में इसे प्रसाद रूप में वितरित करें। इससे रुके हुए कार्यों में गति आने लगती है।

आर्थिक उन्नति के लिए उपाय

इस दिन पीले वस्त्र, अनाज, मिठाई आदि का दान करने से आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। विशेष रूप से जरूरतमंदों को दान देने से शुभ फल प्राप्त होते हैं।

वैवाहिक जीवन में सुधार के लिए उपाय

गृहस्थ जीवन में शांति के लिए गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु यंत्र की स्थापना करें और विधिपूर्वक पूजन करें। यह उपाय वैवाहिक जीवन की परेशानियों को कम करने में सहायक होता है।

गुरु ग्रह को मजबूत करने के लिए उपाय

यदि आपकी जन्मकुंडली में बृहस्पति ग्रह कमजोर हो, तो जीवन में लगातार संघर्ष बना रहता है। ऐसे में आप इस दिन हल्दी, पीली दाल, बेसन के लड्डू, केले, चने की दाल, केसर, या पीतल के पात्र जैसे पीले रंग से संबंधित वस्तुएं दान कर सकते हैं। इससे गुरु ग्रह मजबूत होकर आपके जीवन में शुभ फल देने लगता है।

आषाढ़ पूर्णिमा पर हुआ था वेदव्यास का जन्म

महाभारत भीष्म पर्व में वेदव्यास को गुरु मानते हुए, पांडवों ने उनसे शिक्षा प्राप्त की थी। वेदव्यास को आदिगुरु के रूप में स्मरण किया जाता है। वेदव्यास का जन्म आषाढ़ पूर्णिमा पर ही हुआ था, इनकी जन्म तिथि होने की वजह से ही इस दिन गुरु पूर्णिमा मनाई जाती है। उन्होंने वेदों का संपादन किया, 18 पुराण, महाभारत और श्रीमद् भगवद् गीता की रचना की। मान्यता है कि भगवान शिव ने सप्तर्षियों को योग का ज्ञान आषाढ़ पूर्णिमा पर ही दिया था। इसीलिए भगवान शिव को आदि योगी और आदि गुरु कहा जाता है।

गुरु पूर्णिमा पर क्या करें?

गुरु का पूजनः यदि आपने किसी को गुरु माना हैं तो उनके दर्शन करें और उनके चरण स्पर्श करें, कोई उपहार दें। अन्यथा प्रतीक रूप में वेदव्यास, भगवान शिव, श्रीकृष्ण, श्रीराम, विष्णु जी, हनुमान का पूजन कर सकते हैं।

व्रत व ध्यानः इस दिन व्रत रखकर ध्यान करना चाहिए। जरूरतमंद लोगों को अनाज, कपड़े, जूते-चप्पल, छाता, धन, खाना दान करना चाहिए।

स्वाध्याय और सेवाः ग्रंथों का पाठ करें, गुरु द्वारा बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लें। इस दिन किसी योग व्यक्ति को गुरु माने और गुरु दीक्षा लें। गुरु को गुरु दक्षिणा अर्पित करें।

गुरुवाणी श्रवणः संतों और गुरुओं के प्रवचन सुनना चाहिए। प्रवचन नहीं सुन पा रहे हों तो ग्रंथों का पाठ कर सकते हैं।

गुरु पूर्णिमा केवल एक दिन का उत्सव नहीं, जीवन भर की साधना की दिशा है। ये दिन हमें ये स्मरण कराता है कि ज्ञान, आत्मबोध और मोक्ष की यात्रा में गुरु की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। **-मुकेश ऋषि**

क्यों कहा जाता है श्रावण को सावन?

शिव भक्ति के इस महीने की असली पहचान

सावन का महीना आते ही शिव भक्तों में एक अलग ही ऊर्जा देखने को मिलती है। मंदिरों में लंबी कतारें लगती हैं, हर तरफ हर-हर महादेव की गूंज सुनाई देती है और भक्त पूरे मन से शिव की पूजा में जुट जाते हैं। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि इस महीने को 'श्रावण' कहा जाए या 'सावन'? क्या ये दोनों एक ही चीज़ हैं या इनमें कोई अंतर है?

कब से शुरू होगा सावन 2025?

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार सावन मास 11 जुलाई 2025 से शुरू होगा और 9 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान हर सोमवार को विशेष पूजा की जाती है, जिसे 'सावन सोमवार व्रत' कहा जाता है। इस बार कुल 4 सोमवार पड़ेंगे जो शिव भक्ति के लिए बेहद शुभ माने जा रहे हैं।

श्रावण या सावन – सही नाम क्या है?

इस महीने को लेकर सबसे आम सवाल यही होता है कि इसका सही नाम क्या है – श्रावण या सावन? असल में, 'श्रावण' ही इसका मूल नाम है। ये नाम संस्कृत से लिया गया है। पंचांग के मुताबिक, साल के पांचवें महीने के अंतिम दिन चंद्रमा जिस नक्षत्र में होता है, उसी के आधार पर उस महीने का नाम रखा जाता है। श्रावण मास के अंतिम दिन चंद्रमा श्रवण नक्षत्र में होता है, इसलिए इसका नाम श्रावण पड़ा।

श्रावण का मतलब क्या होता है?

श्रावण का मतलब होता है – सुनना अगर इसे गहराई से समझें तो इस महीने का मौसम भी इसका संकेत देता है। बरसात के दिनों में वातावरण में शांति और नमी होती है, ऐसे समय में मन में बहुत सी बातें चलती हैं। ये समय भीतर की ओर ध्यान देने और कुछ अच्छा सुनने का होता है। इसलिए कहा गया है कि इस महीने में भगवान शिव की कथाएं, मंत्र और भजन सुनने से मन स्थिर होता है और आत्मा को शांति मिलती है।

सावन का धार्मिक महत्व

शिवपुराण और अन्य धार्मिक ग्रंथों में सावन महीने को बहुत ही खास बताया गया है। कहा गया है कि इस महीने में की गई पूजा का फल कई गुना अधिक मिलता है। शिवलिंग पर जल, दूध या बेलपत्र चढ़ाने से न सिर्फ इच्छाएं पूरी होती हैं, बल्कि पुराने पाप भी मिट जाते हैं।

क्या आप सही ढंग से पहन रहे हैं रुद्राक्ष?

रुद्राक्ष का नाम सुनते ही मन में भगवान शिव की छवि उभरती है। यह सिर्फ एक धार्मिक वस्तु नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। कहा जाता है कि रुद्राक्ष पहनने से मन शांत होता है, सोचने की शक्ति बढ़ती है और जीवन में सकारात्मकता आती है। लेकिन इसे पहनने के कुछ जरूरी नियम होते हैं, जिनका पालन करना बहुत ज़रूरी है। अगर आपने बिना सही जानकारी के रुद्राक्ष पहन लिया, तो उसका असर उल्टा भी हो सकता है। इस लेख में जानिए रुद्राक्ष पहनने से जुड़े जरूरी नियम और इसके फायदे

रुद्राक्ष पहनने के नियम

शुद्ध करना जरूरी है:

रुद्राक्ष को पहनने से पहले उसे गंगाजल या साफ पानी से धोना चाहिए। यह प्रक्रिया इसे ऊर्जावान बनाती है और पुराने स्पर्शों की ऊर्जा को हटाती है।

सही धागे में पहनें:

रुद्राक्ष को हमेशा लाल या पीले रंग के सूती धागे में गूंथकर पहनना शुभ माना गया है। कुछ लोग चांदी या तांबे की चेन में भी पहनते हैं, लेकिन धागा ज्यादा पवित्र माना जाता है।

मंत्र का जाप करें:

इसे पहनने से पहले "ॐ नमः शिवाय" या "ॐ रुद्राय नमः" मंत्र का कम से कम 9 बार जाप करना चाहिए। इससे रुद्राक्ष में सकारात्मक ऊर्जा जागृत होती है।

महिलाएं ध्यान रखें:

मासिक धर्म के समय महिलाओं को रुद्राक्ष नहीं पहनना चाहिए। यह समय शरीर और ऊर्जा दोनों के लिए विशेष माना गया है।

साफ-सफाई का रखें ध्यानः

रुद्राक्ष को नियमित तौर पर साफ करना चाहिए। अगर धागा घिस जाए या गंदा हो जाए, तो उसे बदलकर दोबारा गंगाजल से धोकर पहनें।

नियमों का पालन करें:

रुद्राक्ष पहनने वाले को हमेशा साफ-सुथरा और संयमित जीवन जीना चाहिए। मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए और गंदे विचारों से बचना चाहिए।

7 न उतारें और न किसी को दें:

रुद्राक्ष को एक बार पहन लेने के बाद बिना खास वजह उसे उतारना नहीं चाहिए और न ही किसी को देना चाहिए।

आखिर क्यों सावन में महिलाएं पहनती हैं हरे रंग के कपड़े?

सावन का महीना पूरी तरह भगवान शिव की भक्ति को समर्पित होता है। इस दौरान भक्त विशेष पूजा-पाठ करते हैं और व्रत रखते हैं। मान्यता है कि इस महीने में भगवान शिव और देवी पार्वती की आराधना करने से सुहागिन महिलाओं को अखंड सौभाग्य, वैवाहिक सुख और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। इस बार श्रावण मास की शुरुआत 11 जुलाई से होगी और इसका समापन 9 अगस्त को होगा। इस दौरान हरे रंग का विशेष महत्व माना जाता है। इस महीने में महिलाएं हरे रंग के वस्त्र और चूड़ियां पहनती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि श्रावण मास में हरे रंग का महत्व क्यों है?

क्यों खास है हरा रंग सावन में?

सावन के महीने में प्रकृति अपने पूरे सौंदर्य में नजर आती है। हर ओर हरियाली छा जाती है और हरा रंग इसी हरियाली का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव को हरियाली प्रिय है और वे प्राकृतिक वातावरण में रहना पसंद करते हैं। इसलिए इस महीने में हरे रंग के वस्त्र पहनना शिव भक्ति से जुड़ा एक प्रतीक बन गया है।

महिलाएं क्यों पहनती हैं हरी चूड़ियां?

चूड़ियां भारतीय संस्कृति में सुहाग का प्रतीक मानी जाती हैं। खासकर सावन में हरी चूड़ियां पहनने की परंपरा इसलिए है क्योंकि हरा रंग सौभाग्य और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। महिलाएं इस दौरान हरी चूड़ियां पहनकर अपने पति की लंबी उम्र और दांपत्य जीवन में सुख-शांति की कामना करती हैं।

ज्योतिष शास्त्र में क्या है हरे रंग का महत्व

ज्योतिषीय दृष्टिकोण से हरा रंग बुध ग्रह से जुड़ा होता है, जो बुद्धिमत्ता, संवाद क्षमता और संतुलन का प्रतीक है। सावन में हरा रंग पहनने से बुध ग्रह की सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है, जिससे मानसिक स्थिरता और समझ बढ़ती है।

हरे रंग के मनोवैज्ञानिक लाभ

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो हरा रंग मन को शांति देता है और तनाव को कम करता है। यह आत्मविश्वास को बढ़ाता है और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करता है। यही वजह है कि सावन में हरे रंग को पहनना सिर्फ धार्मिक नहीं, मानसिक और भावनात्मक रूप से भी लाभकारी माना गया है।

सावन सिर्फ एक धार्मिक महीना नहीं, बल्कि प्रकृति, आस्था और मानसिक संतुलन का उत्सव भी है। इस दौरान हरे रंग का वस्त्र या चूड़ियां पहनना न केवल परंपरा है, बल्कि शिव भक्ति, प्रकृति से जुड़ाव और जीवन में शुभता लाने की एक सुंदर अभिव्यक्ति भी है।

गुरु पूर्णिमा की पूजा विधि और उपाय

गुरु पूर्णिमा की पूजा विधि

गुरु पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। इसके साथ ही गुरु पूर्णिमा के दिन व्रत रखने और पूजन का भी महत्व है। गुरु पूर्णिमा पर व्यासजी की पूजा विधि इस प्रकार हैः

आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा या गुरु पूर्णिमा के दिन सुबह स्नान आदि के बाद मंदिर में पूजन का संकल्प लें। पूजा का संकल्प गुरुपरम्परासिद्धयर्थं व्यासपूजां करिष्ये से ले सकते हैं। इसके बाद एक चौकी पर पीला कपड़ा फैलाएं और उस पर गन्धादि से 12-12 रेखाएं पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण की ओर बनाएं। इसके बाद दसों दिशाओं में अक्षत छोड़ें। फिर ब्रह्म, ब्रह्मा, परापरशक्ति, व्यास, शुकदेव, गौडपाद, गोविंदस्वामी और शंकराचार्य का नाम मंत्र से आवाहन आदि करके अपने गुरु, पिता या पितामह का पूजन करें।

गुरु पूर्णिमा के उपाय

गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु का चरण पूजन करना चाहिए। दान-सेवा करें। अगर विवाहित हैं तो सपत्नी करें।

व्यासजी की पूजा करनी चाहिए। घर में पुराण की भी पूजा करें और पाठ करें। इस दिन गीता का पाठ करने का बड़ा महत्व है।

देवी लक्ष्मी को शहद और खीर का भोग लगाएं। शाम के समय दूध से चंद्रमा को अर्घ्य दें और ॐ चंद्रमसे नमः या ॐ सों सोमाय नमः का जप करें।

कनकधारा स्तोत्र या श्रीसूक्त का विधि विधान से पाठ करें। कम से कम तीन या 11 बार पाठ करना लाभकारी रहेगा। इससे आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिलेगा।

कमलगट्टे की माला से ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्मी नमः मंत्र का जप करें।

पांच वर्ष की कन्याओं को फल और मिठाई का दान करें। और उनकी पूजा करें।

श्रीराम ने तिनके को बनाया ब्रह्मास्त्र

रामायण में इंद्र देव के पुत्र जयंत का भी वर्णन मिलता है। एक बार अंहकार में आकर जयंत श्रीराम के बल को देखना चाहते थे, जिसके लिए उसने कौवे का रूप धारण किया और माता सीता और श्रीराम के पास पहुंच गया। वहां जाकर जयंत ने कुछ ऐसा किया कि श्रीराम ने एक तिनके को ब्रह्मास्त्र बना दिया।

रामायण में जब भगवान राम चौदह वर्षों के वनवास पर थे तब एक ऐसी घटना हुई थी कि श्रीराम को इंद्र के पुत्र पर बाण चलाना पड़ा था। देवराज इंद्र और उनकी पत्नी शची के पुत्र जयंत के बारे में कई कथाएं देखने को मिलती हैं। वहीं, रामायण में भी उनके बारे में बताया गया है। इसके अनुसार वह अयोध्या के महाराज दशरथ के कूटनीतिक मंत्रियों में से एक थे। अहंकार से भरे जयंत एक बार श्रीराम के बल को अपनी आंखों से देखना चाहते थे। इसी के चलते उन्होंने कुछ ऐसा किया कि भगवान राम को जयंत पर बाण छोड़ना पड़ा।

जयंत ने कौवे का रुप धारण किया

14 वर्षों के वनवास के दौरान श्रीराम अपने भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता माता के साथ चित्रकूट में रह रहे थे। इस बीच एक बार माता सीता और श्रीराम अपनी कुटिया से बाहर बैठे हुए थे। उसी वक्त इंद्र पुत्र जयंत ने कौवे का रूप धारण किया और माता सीता के चरणों में

जाकर चोंच मारी। देवी सीता ने उसे बार-बार हटाने का प्रयास किया लेकिन वह दुर्भाग्यशाली कौआ तब भी नहीं माना।

श्रीराम ने तिनके को बनाया ब्रह्मास्त्र चोंच मारने के कारण माता सीता के पैर से रक्त बहने लगा। जब भगवान राम को इस बात का पता चला, तो जयंत का अहंकार दूर करने में उन्होंने जरा भी देरी नहीं की। माता सीता को चोट लगने से अत्यंत धैर्यवान श्रीराम क्रोधित हो गए और उसी समय उन्होंने एक तिनके को धनुष पर रखकर ब्रह्मास्त्र बनाकर कौए पर चला दिया। इसे देखकर जयंत अपनी जान बचाकर वहां से भागने लगा, लेकिन ब्रह्मास्त्र ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। वह तीनों लोकों में दौड़ता रहा और अपने पिता के देव लोक में भी उसे बचाने का साहस किसी के अंदर नहीं था। उस समय नारद मुनि ने इंद्र पुत्र जयंत से कहा कि केवल स्वयं श्रीराम ही तुम्हारे प्राणों की रक्षा कर सकते हैं।

श्रीराम ने ऐसे बचाए जयंत के प्राण

अपनी जान बचाने के लिए जयंत वापस चित्रकूट की कुटिया में श्रीराम के चरणों में जाकर पड़ गया और उनसे अपने अपराध की क्षमा मांगने लगा। जयंत ने कहा कि हे प्रभु आपके अतुलित बल और आपकी अतुलित प्रभुता को में मंदबुद्धि समझ न सका। मुझे अपने कर्म का फल मिला है, मेरी रक्षा कीजिए। तब विनम्र स्वभाव के व्यक्तित्व वाले श्रीराम ने उसके प्राण बचाने के लिए अपना कोई अंग देने को कहा। इसके बाद, जयंत के कहने पर ब्रह्मास्त्र ने उनकी दाईं आंख फोड़ दी। अपनी पत्नी सीता की पीड़ा को देखकर धैर्यवान श्रीराम को भी क्रोध आ गया और उन्होंने जयंत का अहंकार तोड़ने के लिए यह कदम उठाया। लेकिन बाद में क्षमा मांगने पर श्रीराम ने जयंत की केवल एक आंख पर प्रहार करके उसे क्षमा कर दिया।

क्या सलमान खान ने शादी को लेकर दिया इशारा?

ऐसा लगता है कि सलमान खान जल्द ही शादी करना चाहते हैं और बच्चे भी चाहते हैं। बुधवार को सलमान खान ने अपने बहनोई अतुल अग्निहोत्री को जन्मदिन की बधाई दी और इंस्टाग्राम पर एक बेहतरीन मैसेज लिखा। इस पोस्ट पर कई यूजर्स कमेंट कर रहे हैं और इसके कई मतलब निकाल रहे हैं।

सलमान ने बहनोई को दी बधाई

अतुल की तस्वीर शेयर करते हुए सलमान खान ने पोस्ट में लिखा 'मेरे प्यारे बहनोई आपको जन्मदिन की बधाई। मेरी बहन का ख्याल रखने के लिए धन्यवाद। मैं तुम्हें प्यार करता हूं। आप सबसे अच्छे पिता और पति हैं। क्या तुम फिर से वही आदमी बन सकते हो, जिसे मैं जानता था, एक दिन मैं भी वैसा ही आदमी बन जाऊंगा जैसे तुम हो। जागो भाई।'

यूजर्स ने पोस्ट के निकाले मतलब

सलमान खान की पोस्ट से कई यूजर्स ने ये लाइन उठा ली कि 'एक दिन मैं भी तुम्हारे जैसा हो जाऊंगा।' फैंस इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि क्या सलमान खान अपनी शादी को लेकर कोई इशारा दे रहे हैं? इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा 'मतलब भाई शादी करना चाहता है।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'रात को जागना आपकी सेहत के लिए हानिकारक है।'

शादी पर सलमान खान ने रखी अपनी बात

सलमान खान से अक्सर पूछा जाता है कि वह कब शादी कर रहे हैं? हाल ही में सलमान खान ने इंडिया टीवी से बातचीत में कहा था कि उनमे ही कोई दिक्कत है। उन्होंने कहा था 'जब ऊपर वाला चाहेगा। शादी के लिए दो लोगों की जरूरत होती है। पहली बार में शादी नहीं हो सकी। एक बार मैं राजी था तब वो राजी नहीं थी। जब वह राजी थी तब मैं राजी नहीं था। जब दोनों लोग राजी होंगे तो शादी हो जाएगी।'आपको बता दें कि सलमान खान का नाम कई लोगों से जुड़ा है। इसमें ऐश्वर्या राय, कैटरीना कैफ और जरीन खान शामिल हैं।

सलमान खान का वर्कफ्रंट

सलमान खान के काम की बात करें तो वह जल्द ही 'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म भारत और चीन के दरमियान हुई झड़प पर आधारित है। यह झड़प साल 2020 में हुई थी। सलमान खान ने फिल्म में अभिनय करने के लिए आर्मी ट्रेनिंग ली है।

'मैं सिंगल नही हूं'; पहली बार विजय ने कबूला रिलेशनशिप, रश्मिका संग हैं डेटिंग रूमर्स

साउथ इंडस्ट्री के जाने-माने अभिनेता विजय देवरकोंडा एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। लंबे समय से रश्मिका मंदाना के साथ उनके रिश्ते की अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अभिनेता ने अब खुद सामने आकर अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर बात की है। एक इंटरव्यू में विजय ने खुलकर बताया कि वो सिंगल नहीं हैं और इस बयान के बाद फैंस के बीच हलचल और भी तेज हो गई है।

'मैं सिंगल नहीं हूं'

एक इंटरव्यू में जब विजय देवरकोंडा से पूछा गया कि क्या वो अब भी सिंगल हैं, तो उन्होंने सीधा जवाब दिया- 'मैं 35 साल का हूं और मैं सिंगल नहीं हूं।' विजय के इस जवाब से साफ है कि उनके और रश्मिका मंदाना के रिलेशनशिप को वो अब छुपाना नहीं चाहते। दोनों अक्सर एक दूसरे के साथ स्पॉट किए जाते हैं, लेकिन कभी भी वो खुलकर एक दूसरे के बारे में कुछ बोले नहीं हैं।

रिश्तों को सीक्रेट रखने की वजह बताई

विजय ने आगे बताया कि वो अपनी पर्सनल लाइफ को पब्लिक के सामने क्यों नहीं लाना चाहते। उन्होंने कहा, 'जब आप किसी से प्यार करते हैं, तो आप उन्हें मीडिया की नजरों और गॉसिप से दूर रखना चाहते हैं। मैं चाहता हूं कि मेरी जिंदगी का वो हिस्सा सुरक्षित रहे और गैरजरूरी चर्चाओं का शिकार न बने।'

प्रोफेशनल-निजी जीवन में संतुलन की कोशिश

अपने काम और निजी जिंदगी के संतुलन पर बात करते हुए विजय ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर वो चाहते हैं कि लोग उनके काम को पहचानें, लेकिन वो खुद भीड़ से दूर रहना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, 'कई बार मैं सोचता हूं कि काश मैं 'विजय देवरकोंडा स्टार' को किसी और में ट्रांसफर कर पाता और खुद सिर्फ एक आम इंसान की तरह जीवन जीता।'

रश्मिका मंदाना का रिएक्शन

विजय की अगली फिल्म 'किंगडम' जुलाई में रिलीज होने जा रही है और इसके प्रोमो में उनका दमदार एक्शन अवतार देखने को मिला है। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के प्रोमो पर रश्मिका मंदाना ने भी प्रतिक्रिया दी है और विजय की तारीफ करते हुए फिल्म को लेकर उत्साह जताया है।

क्या रश्मिका ही हैं विजय की 'स्पेशल वन'?

हालांकि विजय ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका बयानों से ये साफ झलकता है कि वो किसी खास रिश्ते में हैं और उसे लेकर बेहद संजीदा भी। रश्मिका और विजय की ऑनस्क्रीन कैमिस्ट्री पहले ही हिट है और अब उनके ऑफस्क्रीन रिश्ते को लेकर भी चर्चाएं गर्म हैं। फैंस को अब बस इस रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

एक बार फिर साथ काम करेंगे इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया, यूजर बोले वापस आएगा 2000 का दौर

हिमेश रेशमिया और इमरान हाशमी की जोड़ी ने बॉलीवुड को कई बेहतरीन गाने और थ्रिलर फिल्में दीं हैं। अब यह जोड़ी एक बार फिर 'गनमास्टर जी9' में साथ में काम करने को तैयार हैं। फिल्म के निर्माताओं ने बुधवार को इसका टीजर रिलीज किया है। इस खबर से फैंस उत्साहित हैं।

रिलीज हुआ 'गनमास्टर जी9' का टीजर

फिल्म निर्माता दीपक मुकुट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक रहस्यमई हाथ एक दूध भरी बाल्टी से निकलता है। इस दौरान इमरान हाशमी कहते हैं। 'मुझसे मचमच किया तो चलेगा। गलती से परिवार को छुआ तो याद रखना। धंधे से दूध वाला हूं, बंदा बारूद वाला हूं।'

2026 में रिलीज होगी फिल्म

इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है 'दूध से बारूद तक, सब्जी से गुंडा तक, गोली से पीटने तक, गनमास्टर जी9 तबाही के लिए तैयार है। टीम घातक है। दीपक मुकुट, नर मुकुट, सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट, इमरान हाशमी, आदित्य दत्त और हिमेश रेशमिया को वापस लाकर खुश है। इनके साथ जेनेलिया देशमुख और अपारशक्ति खुराना हैं। गनमास्टर जी9 सिनेमाघरों में 2026 को आएगी।'

यूजर को पसंद आई हिमेश और इमरान की जोड़ी

इस पोस्ट पर कई यूजर्स ने कमेंट किया है। एक यूजर ने लिखा है 'आखिरकार हिमेश रेशमिया और इमरान हाशमी एक साथ हैं। 2000 का दौर फिर से वापस आएगा।' एक और यूजर ने लिखा है 'हे भगवान, 2025 में इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया। वाह क्या साल है।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'लंबे समय के बाद इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया। पुराने और सुनहरे दिन वापस आ रहे हैं।'

इमरान हाशमी और हिमेश ने साथ में किया काम

आपको बता दें कि हिमेश रेशमिया ने इमरान हाशमी की फिल्म 'आशिक बनाया आपने' और 'अक्सर' में काम किया है। हिमेश ने इमरान हाशमी के कई गानों को आवाज दी है जो हिट रहे हैं। इसमें 'झलक दिखला जा', 'आशिक बनाया आपने' और 'आपकी कशिश' जैसे गाने शामिल हैं।

18 साल बाद साथ काम करेंगे

2019 में रिलीज हुई इमरान की फिल्म 'द बॉडी' में हिमेश का एक गाना था। वहीं 2007 में उन्होंने इमरान की फिल्म 'गुड बॉय बैड बॉय' में बतौर म्यूजिक डायरेक्टर काम किया था। कह सकते हैं कि अब वे 18 साल बाद इमरान हाशमी की किसी फिल्म को म्यूजिक देंगे।

फिल्म के बारे में

फिल्म 'गनमास्टर जी9' का निर्देशन अदित्य दत्त कर रहे हैं। इससे पहले इन्होंने 'आशिक बनाया आपने' और 'टेबल नंबर 21' का निर्देशन किया है। 'गनमास्टर जी9' में इमरान हाशमी, अपारशक्ति खुराना और जेनेलिया देशमुख अहम किरदार में होंगे। इसके निर्माता दीपक मुकुट, हुनर मुकुट हैं। फिल्म सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के बैनर तले रिलीज होगी। फिल्म में हिमेश रेशमिया का संगीत है। यह 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'वॉर 2' को लेकर उत्साहित हैं कियारा, शूटिंग पूरी होने पर बोलीं- 'अब नहीं हो रहा इंतजार'

ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी की फिल्म 'वॉर 2' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म को लेकर दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और पहली बार जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन का पर्दे पर क्लैश देखने के लिए दर्शक खासा उत्साहित हैं। हाल ही में फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। जिसके बाद अभिनेता ऋतिक रोशन ने फिल्म की शूटिंग पूरे होने पर फिल्म के अपने अनुभवों को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया था।

इसमें उन्होंने अपने को-एक्टर्स जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी का भी जिक्र किया था। अब अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने भी फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है और फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर एक पोस्ट शेयर किया है।

कियारा बोलीं- नहीं हो रहा इंतजार

कियारा ने अपने एक्स अकाउंट पर ऋतिक की पोस्ट को ही री-शेयर किया है। इसके साथ ही कियारा ने लिखा, "उत्साह दोनों का एक जैसा ही है ऋतिक। आपके साथ स्क्रीन शेयर करना एक यादगार अनुभव रहा, जिसे कभी भूला नहीं जा सकता। आदी सर, तारक और हमारी शानदार टीम ने जो अद्भुत तैयार किया है, उसे लोगों के सामने लाने का इंतजार नहीं हो रहा।" अपनी इस पोस्ट में कियारा ने ऋतिक और जूनियर एनटीआर को मेंशन भी किया है।

ऋतिक ने शेयर की थी इमोशनल पोस्ट

इससे पहले ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर केक काटते हुए एक फोटो शेयर की थी। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करते हुए एक खास नोट भी लिखा था। इसमें उन्होंने फिल्म के अपने को-एक्टर्स कियारा, जूनियर एनटीआर को भी मेंशन करते हुए उनके साथ काम करने के अपने अनुभवों को जाहिर किया था।

14 अगस्त को रिलीज होगी 'वॉर 2'

'वॉर 2' यशराज के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है और 2019 में आई फिल्म 'वॉर' का सीक्वल है। 'वॉर 2' में ऋतिक ने पहली फिल्म की तरह ही रॉ एजेंट कबीर की भूमिका निभाई है। फिल्म में जूनियर एनटीआर निगेटिव किरदार में नजर आएंगे, जबकि कियारा फीमेल लीड में दिखाई देंगी। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री को लेकर फिर उठा विवाद धनुष के बाद अब इस मामले में मिला 5 करोड़ का नोटिस

नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री 'नयनताराः बियॉन्ड द फेयरीटेल' एक बार फिर विवादों में घिर गई है। दरअसल डॉक्यूमेंट्री के निर्माताओं को मद्रास हाईकोर्ट से कानूनी नोटिस भेजा गया है, जिसके बाद से डॉक्यूमेंट्री को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। क्या है पूरा मामला, चलिए आपको बताते हैं।

नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री को लेकर विवाद

'नयनताराः बियॉन्ड द फेयरीटेल' 2024 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी जिसमें अभिनेत्री नयनतारा की पर्सनल और प्रोफेशनल जिंदगी को दिखाया गया था। इसमें नयनतारा के पति विग्नेश शिवन और उनके जुड़वां बच्चों की झलक भी दिखाई गई थी। हालांकि, डॉक्यूमेंट्री रिलीज होते ही विवादों में आ गई थी। अभिनेता धनुष और नयनतारा के बीच जमकर क्लैश देखने को मिला था। इतना ही नहीं, धनुष ने तो नयनतारा के खिलाफ केस तक कर दिया था। अब इसी डॉक्यूमेंट्री के मेकर्स को एक और लीगल नोटिस भेजा गया है, जो कि 2005 की सुपरहिट फिल्म 'चंद्रमुखी' से जुड़ा है।

विवाद की जड़ क्या है?

'चंद्रमुखी' फिल्म के निर्माता एपी इंटरनेशनल ने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दायर की है,

जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि डॉक्यूमेंट्री में बिना अनुमति के फिल्म के फुटेज का इस्तेमाल किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मद्रास उच्च न्यायालय ने इस मामले पर तुरंत कार्रवाई करते हुए डॉक्यूमेंट्री के निर्माता टार्क स्टूडियो और नेटफ्लिक्स इंडिया को कानूनी नोटिस भेजा है।

एपी इंटरनेशनल का कहना है कि उनके पास फिल्म 'चंद्रमुखी' के ऑडियो और वीडियो राइट्स हैं। बावजूद इसके, डॉक्यूमेंट्री निर्माताओं ने बिना इजाजत के फिल्म के कुछ सीन और गाने डॉक्यूमेंट्री में इस्तेमाल किए हैं। इसके अलावा, इन फुटेज को यूट्यूब से लेकर डॉक्यूमेंट्री में शामिल किया गया, जोकि कॉपीराइट कानून का उल्लंघन है। कंपनी ने पहले ही निर्माताओं को लीगल नोटिस भेजकर 5 करोड़ का मुआवजा भी मांगा है।

क्या होगा अगला कदम?

एपी इंटरनेशनल अब कोर्ट से ये मांग कर रहा है कि डॉक्यूमेंट्री में इस्तेमाल हुए 'चंद्रमुखी' के फुटेज पर स्थायी रोक लगाई जाए। इसके अलावा, इन फुटेज को डॉक्यूमेंट्री से हटाने की भी मांग की गई है। डॉक्यूमेंट्री के निर्माताओं के लिए ये एक बड़ा झटका साबित हो सकता है, क्योंकि ये मामला केवल कानूनी विवाद तक ही सीमित नहीं रह सकता, बल्कि इसका असर डॉक्यूमेंट्री की रिलीज पर भी पड़ सकता है।

नयनतारा ने साध रखी चुप्पी

इस विवाद के बीच, नयनतारा ने अभी तक किसी भी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने ना तो सोशल मीडिया पर और ना ही वैसे इस मामले में कुछ बोला है। ये मामला अब कोर्ट तक पहुंच चुका है और आगे इसका क्या नतीजा निकलता है, ये तो समय ही बताएगा। लेकिन फिलहाल नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री पर विवादों का साया बरकरार है।

'शोले' के ठाकुर से लेकर 'आंधी' के जेके तक निभाए चर्चित किरदार, संजीव ने दिखाए अभिनय के कई रंग

संजीव कुमार का असल नाम हरिहर जेठालाल जरीवाला था। गुजरात में जन्मे संजीव कुमार एक्टर बनने के लिए कम उम्र में ही बॉम्बे आ गए। संजीव कुमार ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत थिएटर से की थी। फिर साल 1960 में एक फिल्म 'हम हिंदुस्तानी' में पुलिस इंस्पेक्टर का किरदार निभाया, यह बड़ा रोल नहीं था मगर इसके जरिए संजीव कुमार को बॉलीवुड में कदम रखने का मौका मिला। आगे चलकर हिंदी फिल्मों में वह एक उम्दा कलाकार के तौर पर जाने गए। अलग-अलग तरह के किरदार संजीव कुमार ने निभाए।

फिल्म 'खिलौना' के विजयकमल

साल 1970 में रिलीज हुई फिल्म 'खिलौना' में संजीव कुमार ने विजयकमल नाम का किरदार निभाया था। यह एक पागल व्यक्ति का किरदार था। जिसे ठीक करने का जिम्मा मुमताज के किरदार को मिलता है। फिल्म में जितेंद्र ने भी एक अहम रोल निभाया था। एक पागल व्यक्ति के किरदार में संजीव कुमार ने फिल्म में बेहतरीन अभिनय किया था। इस फिल्म को चंदर वोहरा ने निर्देशित किया था।

सीता और गीता में बने रवि

फिल्म 'सीता और गीता(1972)' में हेमा मालिनी ने डबल रोल किया था। संजीव कुमार ने इस फिल्म में रवि का किरदार निभाया था, जो सीता से प्यार करता है। फिल्म कॉमेडी जॉनर की थी तो संजीव कुमार ने भी अपने अंदाज से दर्शकों को खूब हंसाया। इस फिल्म के डायरेक्टर रमेश सिप्पी थे।

'कोशिश' में निभाया दिव्यांग हरिचरण का किरदार

फिल्म 'कोशिश(1972)' में संजीव कुमार ने हरिचरण नाम का किरदार निभाया था। यह एक बहरे आदमी का किरदार था, जिसे आरती नाम की गूंगी लड़की से प्यार होता है। दोनों अपना घर-संसार बसाते हैं। फिल्म की कहानी में कई उतार-चढ़ाव आते हैं, जो इसे काफी इमोशनल बना देते हैं। इस फिल्म को गुलजार ने निर्देशित किया था।

आंधी में निभाया जेके का रोल

साल 1975 में फिल्म 'आंधी' में संजीव कुमार सुचित्रा सेन के अपोजिट नजर आए। यह फिल्म एक पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म थी। फिल्म पर आरोप था कि यह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन

से प्रेरित है। मगर मेकर्स ने इस बात से इंकार किया था। फिल्म में संजीव कुमार ने सुचित्रा सेन द्वारा निभाए गए किरदार के पति का रोल किया था। इस फिल्म के डायरेक्टर भी गुलजार थे।

शोले के ठाकुर बलदेव सिंह

रमेश सिप्पी निर्देशित 'शोले(1975)' फिल्म में संजीव कुमार ने ठाकुर बलदेव सिंह का किरदार निभाया। यह एक आइकॉनिक रोल था, जिसे दर्शक आज भी याद करते हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र, जय और वीरू के रोल में नजर आए। गब्बर (अमजद खान) से ठाकुर बलदेव की दुश्मनी के ईद-गिर्द ही यह कहानी घूमती है।

अंगूर में बने अशोक आर. तिलक

फिल्म 'अंगूर(1982) एक कॉमेडी फिल्म थी। इसमें संजीव कुमार ने डबल रोल निभाया। फिल्म की कहानी, कॉमेडी काफी मजेदार थी। इस फिल्म को गुलजार ने निर्देशित किया था। इसे कल्ट कॉमेडी मूवी माना जाता है।

ये किरदार भी खूब पसंद किए गए

मौसम(1975) फिल्म में संजीव कुमार और शर्मीला टैगौर लीड रोल में थे। इस फिल्म में संजीव ने डॉ. अमरनाथ का संजीदा, गंभीर किरदार निभाया। शर्मीला टैगोर ने इस फिल्म में मां और बेटी दोनों के ही किरदार निभाए थे।

जिंदगी(1976) फिल्म में रघु शुक्ला का किरदार संजीव कुमार ने निभाया था। फिल्म में अपनों से मिले अपमान और एक जोड़े की प्यार की कहानी है। फिल्म में माला सिन्हा ने संजीव कुमार के किरदार की पत्नी का रोल किया था

फिल्म देवता (1978) में भी अभिनेता ने टोनी और तरुण गुप्ता नाम के किरदार निभाए। फिल्म एक मर्डर मिस्ट्री थी। इस फिल्म में शबाना आजमी और डैनी डेन्जोंगपा भी नजर आए।

फिल्म 'पति, पत्नी और वो(1978)' में संजीव कुमार ने रंजीत चड्ढा का किरदार किया। यह फिल्म एक आदमी के एक्सट्रा मैरिटल अफेयर करने की कहानी पर थी। फिल्म में विद्या सिन्हा, रंजीता कौर हीरोइन के रोल में नजर आईं।

चंदन स्किन के लिए कितना फायदेमंद

गर्मी के मौसम में स्किन पर तमाम तरह की दिक्कतें होती हैं, जिसकी वजह से चेहरा काफी डल लगने लगता है। कई बार तो चेहरा इतना खराब लगने लगता है कि लोगों को लगता है कि उनकी स्किन पर कोई दिक्कत हो गई है। ऐसे में वो इन दिक्कतों को दूर करने के लिए कभी डॉक्टर की सलाह लेते हैं तो कभी महंगे महंगे स्किन केयर ट्रीटमेंट का सहारा लेते हैं।

पर क्या आप जानते हैं कि घर में रखी एक छोटी सी चीज के इस्तेमाल से भी आप अपने चेहरे को चमका सकते हैं। यहां हम बात कर रहे हैं चंदन की। चंदन का इस्तेमाल पूजा पाठ से लेकर स्किन केयर में भी किया जाता है। इसके इस्तेमाल के समय यदि सावधानी न बढ़ती जाए तो इसके कई नुकसान भी है।

चंदन के फायदे

त्वचा को ठंडक देता है

चंदन में नैचुरल कूलिंग प्रॉपर्टीज होती हैं, जो गर्मियों में या सनबर्न की स्थिति में स्किन को ठंडक देती हैं। इससे स्किन की जलन, रैशेज और रेडनेस में तुरंत आराम मिलता है। इसका इस्तेमाल गुलाब जल या खीरे के रस के साथ मिलाकर किया जा सकता है।

मुंहासों और पिंपल्स को कम करता है

चंदन एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। ये बैक्टीरिया को मारता है और स्किन को साफ़ करता है, जिससे मुंहासे कम होते हैं और स्किन इंफेक्शन से बचती है। इसका इस्तेमाल हल्दी और गुलाब जल के साथ किया जा सकता है।

दाग-धब्बे और टैनिंग हटाता है

चंदन का नियमित उपयोग स्किन को क्लियर करता है। यह दाग-धब्बों को हल्का करने, स्किन टोन को निखारने और टैन हटाने में कारगर है। इसका इस्तेमाल दूध और शहद मिलाकर किया जा सकता है।

एंटी-एजिंग गुण

चंदन फाइन लाइन्स, झुर्रियों और उम्र के लक्षणों को धीरे-धीरे कम करने में मदद करता है। ये स्किन को टाइट और यंग बनाए रखता है। इसका इस्तेमाल बादाम का तेल मिलाकर किया जा सकता है।

नुकसान

एलर्जिक रिएक्शन

कुछ लोगों की स्किन बहुत सेंसिटिव होती है और उन्हें चंदन से एलर्जी हो सकती है। इसके लक्षण हो सकते हैंः खुजली, जलन, रेडनेस या छोटे दाने। इसलिए इस्तेमाल से पहले हाथ के अंदर या कान के पीछे पैच टेस्ट करें। 24 घंटे में कोई रिएक्शन न हो तो ही चेहरे पर लगाएं।

अत्यधिक ड्राइनेस

चंदन की ठंडी तासीर कभी-कभी स्किन की नेचुरल नमी को भी हटा देती है, जिससे स्किन ड्राई और खिंची हुई महसूस हो सकती है, खासकर ड्राय स्किन वालों को। इसलिए हमेशा मॉइस्चराइजिंग इंग्रेडिएंट (जैसे दूध, शहद, एलोवेरा) के साथ मिलाकर इसका इस्तेमाल करें।

देर से डिनर करना होता है हानिकारक 7 से 8 बजे तक खाने का सही समय

आधुनिक जीवनशैली में देर रात तक काम करना और देर से डिनर करना आम हो गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रात में देर से खाना खाने की आदत आपकी सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है? यह आदत मोटापा, डायबिटीज, और हृदय रोग जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है।

हमारे शरीर की जैविक घड़ी (सर्केडियन रिदम) रात में मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देती है, जिसके कारण देर से खाया गया भोजन ठीक से पच नहीं पाता। इससे पाचन तंत्र से लेकर मानसिक स्वास्थ्य तक प्रभावित होता है। आइए जानते हैं कि देर रात डिनर सेहत के लिए कितना हानिकारक हो सकता है और क्यों? साथ ही ये भी जानेंगे कि रात का खाना खाने का सही समय क्या है?

देर से डिनर के स्वास्थ्य पर प्रभाव

रात में देर से डिनर करने से मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, क्योंकि शरीर रात को आराम करता है। देर से खाया गया भोजन कैलोरी के रूप में जमा होने लगता है, जिससे मोटापा बढ़ता है। यह इंसुलिन सेंसिटिविटी को भी प्रभावित करता है, जिससे टाइप-2 डायबिटीज का जोखिम बढ़ जाता है। इसके अलावा, देर रात भारी भोजन करने से पाचन तंत्र पर दबाव पड़ता है, जिससे एसिड रिफ्लक्स, गैस, और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह नींद की गुणवत्ता को भी खराब करता है, जिससे थकान और तनाव बढ़ता है।

हृदय स्वास्थ्य पर असर

देर रात डिनर करने से हृदय स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। रात में भारी या तला-भुना खाना खाने से बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ सकता है, जो हृदय रोग का कारण बनता है। नींद की कमी और तनाव के कारण कॉर्टिसोल हार्मोन बढ़ता है, जो रक्तचाप और हृदय की समस्याओं को बढ़ावा देता है। इसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है, देर रात खाने से नींद में खलल पड़ता है, जिससे चिड़चिड़ापन, चिंता, और एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

डिनर का सही समय

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, डिनर को सोने से कम से कम 2-3 घंटे पहले, यानी रात 7 से 8 बजे के बीच करना चाहिए। इससे भोजन को पचने का पर्याप्त समय मिलता है। डिनर में हल्का और संतुलित आहार लें, जैसे सूप, सब्जियां, दाल, और साबुत अनाज।

सावधानियां

तला-भुना, मसालेदार या ज्यादा मीठा भोजन रात में खाने से बचें। खाने के बाद 10-15 मिनट थोड़ी देर जरूर टहलें, जिससे आपका पाचन और बेहतर बन जाता है। रात में कम से कम 7-8 घंटे की नींद जरूर लें।

बालों में भिंडी लगाने से क्या होता है ?

जानने के बाद इस्तेमाल करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे

लंबे-घने और मजबूत बालों की चाहत तो हर किसी को होती है, लेकिन प्रदूषण और खराब खान-पान की वजह से ऐसा होना संभव नहीं हो पाता। ऐसे में लोग बालों को मजबूत बनाने के लिए महंगे-महंगे हेयर केयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं, और हेयर ट्रीटमेंट लेते हैं।

यदि आप भी उन लोगों में से जो लंबे बाल तो पाना चाहते हैं, लेकिन पैसा ज्यादा खर्च नहीं करना तो इस लेख को अंत तक पढ़ें। यहां हम आपको न सिर्फ बालों में भिंडी लगाने का तरीका बताएंगे, बल्कि इसके फायदे भी गिनाएंगे, ताकि आप बिना पैसे खर्च किए भी अपने बालों को खूबसूरत बना सकें।

ऐसे करें इस्तेमाल

सबसे पहले भिंडी को बालों पर इस्तेमाल करने का सबसे आसान तरीका जान लें। इसके लिए आपको सबसे पहले भिंडी के टुकड़ों को पानी में उबालना है। इसके बाद इस पानी को ठंडा कर लें और बालों को धोने के बाद इस पानी से बालों पर अप्लाई करें। इसके बाद सिर्फ पानी से बालों को धो लें और इसका असर देखें। यहां हम आपको इसके फायदे भी बताने जा रहे हैं।

बालों में होगी ग्रोथ

यदि आप भिंडी को बालों पर इस्तेमाल करेंगे तो इससे बालों की लंबाई में इजाफा होगा। दरअसल, बालों में विटामिन A, C, और K होता है, जो बालों को जड़ से मजबूत बनाता है। इसकी वजह से ही नये बाल भी निकलते हैं, इसलिए भिंडी का इस्तेमाल बालों में करते रहें।

रूखापन होगा कम

अगर आपके बाल काफी ज्यादा ऑयली हैं तो भी अपने बालों में भिंडी का इस्तेमाल करें। इसमें पाए जाने वाले मॉइश्चराइजिंग गुणों की वजह से बाल धीरे-धीरे मुलायम होने लगते हैं। इससे उन लोगों को काफी लाभ मिलता है, जिनके बाल देखने में बेजान लगते हैं।

स्कैल्प के लिए फायदेमंद

भिंडी के नियमित इस्तेमाल से आपको स्कैल्प में काफी फायदा मिलने वाला है। दरअसल, इसमें पाए जाने वाले एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण सिर की त्वचा को साफ करते हैं, जिससे खुजली, रूसी और कई अन्य दिक्कतों से राहत मिलती है।

बालों बनेंगे शाइनी

भिंडी के बालों में नियमित इस्तेमाल से बाल धीरे-धीरे शाइनी बनने लगेंगे। दरअसल, विटामिन Cके साथ-साथ एंटीऑक्सिडेंट्स तत्व भी होते हैं, जो बालों को चमकदार और स्वस्थ बनाते हैं। ये बालों में नेचुरल शाइन डालता है, जिससे बाल अधिक सुंदर दिखते हैं।

ब्रश करते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां, यहां जानें दांतों को कैसे पहुंचता है नुकसान?

हर कोई चाहता है कि उसके दांत चमकते रहें और मसूड़े स्वस्थ रहें। इससे न सिर्फ तस्वीर अच्छी आती है, बल्कि ये आपके संपूर्ण स्वास्थ्य का एक आईना भी होता है। स्वस्थ दांत और मसूड़े हमें ठीक से खाने, बोलने और आत्मविश्वास के साथ मुस्कुराने में मदद करते हैं। पर, कई बार हम ब्रश करते समय कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका हमें एहसास भी नहीं होता और ये हमारे दांतों व मसूड़ों को धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाती रहती हैं।

अक्सर कुछ लोग मौखिक स्वच्छता को उतनी गंभीरता से नहीं लेते हैं। ऐसे में गलत तरीके से ब्रश करना, सही टूथब्रश का इस्तेमाल न करना या अनियमित रूप से ब्रश करना, ये सभी आदतें कैविटी (दांतों में सड़न), मसूड़ों की बीमारी और दांतों की सेंसिटिविटी जैसी समस्याओं का कारण बन सकती हैं। इन गलतियों की वजह से दांतों की परेशानियां बढ़ सकती हैं और बाद में दांत का इलाज महंगा और मुश्किल हो सकता है। आइए इस लेख में हम उन गलतियों के बारे में जानते हैं, जिसे आमतौर पर इंसान ब्रश करते समय करता है।

आम गलतियां

ब्रश करते समय कई लोग अनजाने में कुछ गलतियाँ करते हैं, जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए-

जोर से ब्रश करना

बहुत तेजी से ब्रश करने से दांतों की ऊपरी परत (इनेमल) घिस सकती है और मसूड़े कमज़ोर हो सकते हैं।

कठोर ब्रश का इस्तेमाल

सख्त ब्रिसल्स वाला ब्रश मसूड़ों को चोट पहुंचा सकता है।

विज्ञापन

जल्दबाजी में ब्रश करना

अगर आप जल्दी-जल्दी ब्रश करते हैं, तो दांतों की सफाई ठीक से नहीं हो पाती।

अनियमित ब्रश करना

दिन में दो बार ब्रश न करना, या रात को बिना ब्रश किए सो जाना, दांतों के लिए नुकसानदायक हो सकता है, क्योंकि इससे रात में बैक्टीरिया ज्यादा बढ़ते हैं।

पुराना ब्रश इस्तेमाल करना

अपने ब्रश को 3-4 महीने से ज्यादा इस्तेमाल न करें, क्योंकि पुराने ब्रश पर बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं।

दांतों को होने वाला नुकसान

इन गलतियों से दांतों और मसूड़ों को गंभीर नुकसान हो सकता है। जोर से ब्रश करने से इनेमल घिसने के कारण दांत सेंसिटिव हो जाते हैं, जिससे गर्म या ठंडा खाने पर दर्द होता है। इतना ही नहीं, मसूड़ों में सूजन या जिंजिवाइटिस हो सकता है, जो आगे चलकर पेरियोडॉन्टाइटिस का रूप ले सकता है।

सही ब्रशिंग तकनीक और सावधानियां

दांतों को स्वस्थ रखने के लिए सही ब्रशिंग तकनीक अपनाएं। मुलायम ब्रिसल्स वाला टूथब्रश चुनें और दिन में दो बार, कम से कम 2 मिनट तक ब्रश करें। ब्रश को 45 डिग्री के कोण पर रखकर हल्के, गोलाकार गति में दांत साफ करें।

धीरे-धीरे खराब तो नहीं हो रही है किडनी? फेलियर के हो सकते हैं ये लक्षण

हाल के वर्षों में जिन गंभीर बीमारियों के कारण स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है, किडनी की समस्याएं उनमें से एक हैं। अब ये सिर्फ उम्र बढ़ने के साथ होने वाली बीमारी नहीं रही है बल्कि कम उम्र के लोग भी किडनी की बीमारियों का शिकार हो रहे हैं।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, अनियमित खानपान और बढ़ते स्ट्रेस ने हमारे शरीर के कई अंगों पर असर डाला, इसका सबसे ज्यादा नुकसान झेल रही हैं किडनियां। 20 से कम उम्र के लोगों में भी ये समस्या बढ़ती देखी गई है। कहीं आप भी तो इसका शिकार नहीं हैं?

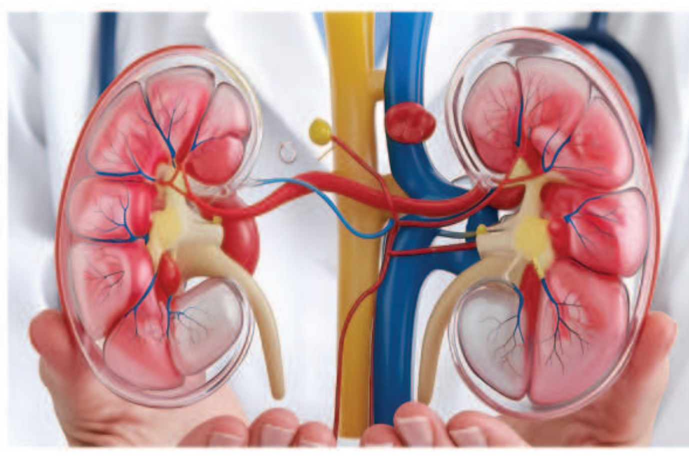

किडनी से संबंधित समस्याओं का बढ़ता खतरा

किडनी यानी गुर्दे, हमारे शरीर के नेचुरल फिल्टर होते हैं। ये खून साफ करते हैं और शरीर से टॉक्सिन्स और अतिरिक्त पानी निकालते हैं। ब्लड प्रेशर कंट्रोल रखने में भी किडनी का स्वस्थ रहना जरूरी माना जाता है। यानी अगर किडनी में किसी तरह की समस्या हो जाए तो इसका असर संपूर्ण स्वास्थ्य पर हो सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएओ) के अनुसार, भारत में किडनी फेलियर के दो सबसे बड़े कारण हाई ब्लड प्रेशर और हाई शुगर के बढ़ते मरीज हैं। डायबिटीज से किडनी की नसें डैमेज हो जाती हैं और ब्लड प्रेशर से किडनी के फिल्टर पर दबाव बढ़ता है।

क्यों बढ़ रही हैं किडनी की दिक्कतें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हमारे दिनचर्या की कई गड़बड़ आदतें, जैसे अक्सर ओवर-द-काउंटर दवाओं, पेनकिलर का सेवन करते हैं तो इससे किडनी की कोशिकाओं को नुकसान पहुंच सकता है। कम पानी पीने, ज्यादा नमक और प्रोसेस्ड फूड के सेवन के कारण भी किडनी की दिक्कतें बढ़ जाती हैं।

कहीं आपकी किडनी तो नहीं हो रही है खराब

किडनी की सेहत को लेकर ध्यान देते रहना जरूरी है। डॉक्टर बताते हैं, किडनी खराब होने के शुरुआती लक्षणों के बारे में जानना भी जरूरी है, अगर समय पर इसकी पहचान कर इलाज करा लिया जाए तो गंभीर समस्याओं से बचाव किया जा सकता है।

***बार-बार या बहुत कम पेशाब आना**
***चेहरे, पैरों या टखनों में अक्सर सूजन रहना**
***हर समय थकावट महसूस होना**
***रात को बार-बार उठकर पेशाब जाना।**
***पेशाब में झाग या खून आना।**
***मतली, उल्टी या भूख न लगना**
***त्वचा पर खुजली या मांसपेशियों में ऐंठन**

आप किडनी को स्वस्थ रखने के लिए क्या करें?

डॉक्टर कहते हैं, किडनी की बीमारी 'साइलेंट किलर' की तरह होती है, जब तक लक्षण सामने आते हैं, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। इसलिए जरूरी है कि हम इसके कारण, लक्षण और बचाव के तरीकों को जानें और वक्त रहते एक्शन लें। आप कम उम्र से ही कुछ बातों का ध्यान रखकर किडनी को स्वस्थ रख सकते हैं।

किडनी को स्वस्थ रखने के लिए दिन में 2-3 लीटर पानी जरूर पिएं। इसके अलावा नमक और प्रोसेस्ड फूड का सेवन कम करें। डायबिटीज और बीपी को कंट्रोल में रखना, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना भी किडनी को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है।

पार्टनर फोन पर बस 'हूं-हम्म' करता है तो क्या करें ?

जब हम रिलेशनशिप में होते हैं तो अपने पार्टनर के साथ वक्त बिताना चाहते हैं, बहुत सारी बातें करना चाहते हैं। हालांकि अगर आप लॉन्ग डिस्टेंस में हैं तो यह सबकुछ आपके बीच कॉल पर होने वाली बातचीत तक सीमित रह जाता है। अक्सर ऐसा होता है कि एक पार्टनर तो बहुत सारी बातें करना चाहता है लेकिन दूसरा सिर्फ हूं या हम्म में सवांद को समेट देता है। ऐसा अगर अक्सर होने लगे तो दूसरे पार्टनर को ऐसा महसूस होने लगता है कि शायद उनका साथी बातों या रिश्ते में बोरियत महसूस कर रहा है या वह आपके साथ संवाद में रूचि नहीं रखता।

कई बार रिलेशनशिप में एक ऐसी स्थिति आ जाती है जब फोन पर बात करते समय पार्टनर सिर्फ हूं, हम्म, ओह जैसे जवाब देता है। इससे ना सिर्फ संवाद टूटता है बल्कि मन में ये सवाल भी उठता है, क्या उन्हें अब बात करने में रुचि नहीं रही?असल में ये आदत थकान, काम की व्यस्तता या भावनात्मक दूरी का संकेत हो सकती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि रिश्ता कमजोर हो गया है। सही तरीकों से आप फिर से बातचीत में वो गर्मजोशी और एक्साइटमेंट ला सकते हैं। अगर आपका पार्टनर भी बातचीत के दौरान सिर्फ हम्म और हूं जैसे उत्तर देता है तो उसकी दिलचस्पी बढ़ाने के लिए ये तरीके अपनाए जा सकते हैं।

ऐसे बढ़ाएं बातचीत में उनकी रुचि

किस्सागोई बातचीत

बातचीत के दौरान लोग अपने साथी को इंगेज करने के लिए सवाल पूछते हैं। सवालों की जगह बातचीत को किस्सागोई बनाए। सवाल-जवाब की तरह बातचीत करने के बजाय अपने दिन का कोई मजेदार किस्सा बताएं। इससे पार्टनर सहज तौर पर आपसे जुड़ेंगे।

पुराने पलों को करें री-कॉल

बातचीत को रोचक बनाने के लिए अपनी पहली मुलाकात, पहला झगड़ा या साथ की कोई याद, उन्हें दोबारा याद दिलाएं। इससे आपके और पार्टनर के बीच भावनात्मक बॉन्ड बढ़ेगा। पार्टनर भी उन पुरानी बातों को याद करके अपनी याद को व्यक्त करेगा।

उन्हें अपनी बात कहने का स्पेस दें

जब पार्टनर बातचीत न करके सिर्फ हम्म-हम्म करता है तो साथी नाराजगी व्यक्त करने लगता है और उससे बातचीत करने के लिए दबाव बनाने लगता है। शायद आपका पार्टनर दिनभर की थकान में हों या मूड ऑफ हो। ऐसे में जबरदस्ती बात ना करें, बल्कि धीरे-धीरे बात खोलें।

कुछ चुटीली बातें या मजेदार गेम्स से शुरू करें

'20 सवाल' या 'रेपिड फायर' जैसे खेल बातचीत को हल्का बनाते हैं और दोनों को एक दूसरे के साथ इन्वॉल्व करते हैं। अपने आप ही पार्टनर की गेम्स में रूचि बढ़ेगी और वह सवालों के जवाब के माध्यम से आपसे बातचीत में शामिल हो पाएंगे।

वीडियो कॉल आजमाएं

कई बार शब्दों से ज्यादा चेहरा और हाव-भाव संवाद करते हैं। अगर आपका पार्टनर कम बोलने वाला हो या रिजर्व है, जिसे समझ ही नहीं आता कि वह क्या बात करें तो ऑडियो कॉल के बजाए दूसरा तरीका अपना सकते हैं। अगर बात नहीं बन रही तो वीडियो कॉल ट्राई करें।

सेंसेक्स 176 अंक गिरकर 83,536 पर बंद:निफ्टी 46 अंक फिसला

मेटल, रियल्टी और आईटी शेयर्स सबसे ज्यादा गिरे

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार, 9 जुलाई को सेंसेक्स 176 अंक गिरकर 83,536 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 46 अंक की गिरावट है, ये 25,476 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट और 13 में तेजी रही। टाटा स्टील, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा और रिलायंस 2% तक गिरकर बंद हुए। बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचयूएल 1.5% तक ऊपर बंद हुए।

निफ्टी के 50 में से 29 शेयर्स गिरकर और 21 ऊपर बंद हुए। एनएसई का मेटल इंडेक्स 1.40%, रियल्टी 1.49%, ऑयल एंड गैस 1.25% और आईटी 0.78% गिरकर बंद हुए। ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में गिरावट रही।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट

सोना 837 रुपये कम होकर 96,135 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आया, चांदी 1.07 लाख रुपये किलो बिक रही

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 9 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 837 कम होकर 96,135 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले इसका दाम 96,972 रुपये पर था।

वहीं चांदी की कीमत 137 रुपये कम होकर 1,07,363 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,07,500 रुपये पर थी। वहीं 18 जून को चांदी ने 1,09,550 रुपये और सोने ने 99,454 रुपये का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,330 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपये

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,180 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,000 रुपये

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,180 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,000 रुपये

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,180 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,000 रुपये

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 98,230 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,050 रुपये। सोना इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 19,973 रुपए बढ़कर 96,135 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 21,346 रुपए बढ़कर 1,07,363 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को लाइसेंस और वेयरहाउस डेटा दिखाना होगा

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। एफएसएसएआई यानी फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने भारत में काम करने वाले सभी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स से फूड्स सेफ्टी और हाइजीन प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने को कहा है।

इसके अलावा फूड रेगुलेटर ने वेबसाइट्स को लाइसेंस डिस्प्ले करने और वेयरहाउस का डेट ऑनलाइन अपलोड करने को कहा है। वहीं, फूड हैंडल करने वाले कर्मचारियों को सेफ्टी और हाइजीन का ट्रेनिंग भी देने का आदेश दिया है। दिल्ली में एफएसएसएआई और 70 से ज्यादा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के प्रतिनिधियों की एक हुई।

भारत ने खोले अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सहयोग के द्वार

> समुद्री क्षेत्र में की जाएगी तेल-गैस की खोज

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाते हुए समुद्र के भीतर 2.5 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में तेल व गैस की खोज व उत्पादन का अभियान शुरू किया है। इस रणनीतिक परियोजना के लिए सरकार ने अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सहयोग के द्वार खोले हैं और कई देशों के साथ साझेदारी पर बातचीत जारी है। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पुष्टि की है कि यह परियोजना भारतीय समुद्री सीमा के पूर्वी व पश्चिमी अपतटीय क्षेत्रों में डीपवॉटर हाइड्रोकार्बन खोज के रूप में शुरू की जा रही है। यह क्षेत्र अरब सागर और बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ है और वैज्ञानिक सर्वेक्षणों से यहां तेल व प्राकृतिक गैस की संभावनाएं उजागर हुई हैं। डीपवाटर का मतलब समुद्र की वह गहराई जहां पारंपरिक कम गहराई वाले क्षेत्रों से आगे जाकर तेल-गैस की खोज होती है। यह कार्य 500 मीटर से अधिक गहरे क्षेत्रों में किया जाता है।

सरकार ने विदेशी तेल कंपनियों व तकनीकी विशेषज्ञ संस्थाओं को किया आमंत्रित

परियोजना के अंतर्गत ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) व ऑयल इंडिया जैसी सरकारी कंपनियां मुख्य भूमिका निभा रही हैं। सरकार ने विदेशी तेल कंपनियों व तकनीकी विशेषज्ञ संस्थाओं को भी इस अभियान में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया है। नॉर्वे, रूस और अमेरिका जैसे तकनीकी रूप से उन्नत देशों के साथ सहयोग हेतु मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर विचार जारी है। सरकार ने मल्टी-क्लाइंट सेस्मिक डेटा अधिग्रहण, 3डी सब-सर्फेस मैपिंग व अत्याधुनिक डीपवॉटर ड्रिलिंग तकनीकों के लिए वैश्विक निविदा जारी किए हैं। इन तकनीकों के जरिये समुद्र की गहराई में 3,000 मीटर तक खुदाई कर भंडारों का परीक्षण किया जाएगा। ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी ऐसी नीति है, जिसके तहत कंपनियां हाइड्रोकार्बन जैसे तेल व गैस की खोज के लिए सरकार की औपचारिक नीलामी की प्रतीक्षा किए बिना पसंदीदा क्षेत्रों का चयन कर सकती हैं।

कच्चे तेल के आयात पर 13 लाख करोड़ खर्च

भारत ने वर्ष 2023-24 में कच्चे तेल के आयात पर 13 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए। यह भारी आयात बिल भारत के चालू खाता घाटा और विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दबाव बनाता है।

एपल ने भारतीय मूल के सबीह खान को मुख्य परिचालन अधिकारी नियुक्त किया

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल ने भारतीय मूल के सबीह खान को मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के पद पर प्रोन्नत किया है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। खान, इस महीने के अंत में जेफ विलियम्स से यह पदभार ग्रहण करेंगे, 30 वर्षों से एप्पल में हैं और 2019 में परिचालन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्यकारी टीम में शामिल हुए थे। मुरादाबाद से सिंगापुर फिर अमेरिका पहुंचे सबीह खान उनका जन्म 1966 में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में हुआ था, जहां उन्होंने पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई की, उसके बाद उनका परिवार सिंगापुर चला गया।

एप्पल ने एक बयान में कहा, जेफ विलियम्स इस महीने के अंत में मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में अपनी भूमिका एप्पल के परिचालन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सबीह खान को सौंप देंगे, जो लंबे समय से नियोजित उत्तराधिकार का हिस्सा है। विलियम्स एपल के सीईओ टिम कुक को रिपोर्ट करते रहेंगे और एप्पल की विश्वस्तरीय डिजाइन टीम और एप्पल वॉच के साथ-साथ कंपनी की स्वास्थ्य पहलों की देखरेख भी करेंगे। विलियम्स के साल के अंत में सेवानिवृत्त होने के बाद, एप्पल की डिजाइन टीम सीधे कुक को रिपोर्ट करेगी। खान एपल की आपूर्ति श्रृंखला और विनिर्माण कार्यों की देखरेख करते रहे हैं।

खान की पदोन्नति पर कुक ने कहा, एप्पल की आपूर्ति श्रृंखला की देखरेख करते हुए, उन्होंने उन्नत विनिर्माण में नई प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने में मदद की, संयुक्त राज्य अमेरिका में एप्पल के विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार की देखरेख की, तथा यह सुनिश्चित करने में मदद की कि एप्पल वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो सके। 1995 में एपल के खरीद समूह में शामिल होने से पहले, खान ने जीई प्लास्टिक्स में एप्लीकेशन डेवलपमेंट इंजीनियर और प्रमुख खाता तकनीकी नेता के रूप में काम किया था। खान ने अपनी स्कूली शिक्षा सिंगापुर में पूरी की और फिर अमेरिका चले गए जहां उन्होंने टफ्ट्स विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री और रेनसेलर पॉलिटेक्निक संस्थान से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल की।

बैंक ऑफ इंडिया ने ब्याज दरों में बदलाव किया

999 दिनों की ग्रीन डिपॉजिट पर अब 6.7% और सेविंग डिपॉजिट पर 2.50% ब्याज

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। बैंक ऑफ इंडिया ने ग्रीन डिपॉजिट और सेविंग डिपॉजिट के ब्याज दरों में बदलाव किया है। रेपो रेट में हालिया बदलाव के बाद बैंक ने 999 दिनों की ग्रीन डिपॉजिट पर ब्याज दर को सालाना 7% से घटाकर 6.7% कर दिया है।

यह दर 1 लाख से 10 करोड़ रुपए से कम की जमा राशि पर लागू होगी। इसके अलावा, 1 लाख रुपए तक की सेविंग डिपॉजिट पर ब्याज दर को सालाना 2.75% से घटाकर 2.50% कर दिया गया है। नई दरें 7 जुलाई से लागू है। सेविंग डिपॉजिट की अन्य किसी भी दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ग्रीन डिपॉजिट स्कीम एक फिक्स टर्म डिपॉजिट जैसा ही है। इसमें ऐसे लोग निवेश कर सकते हैं, जो अपने पैसों से पर्यावरण को साफ और रहने लायक बनाने में मदद करना चाहते हैं। क्योंकि, बैंक डिपॉजिट का पैसा उन्हीं प्रोजेक्ट्स में लगाता है, जो रिन्युएबल एनर्जी, ग्रीन बिल्डिंग, और स्मार्ट एग्रीकल्चर और वाटर-वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट्स पर काम करते हैं। इसमें 1000 रुपए से ज्यादा और 3 करोड़ रुपए से कम की राशि जमा कराई जा सकती है।

नई क्रिप्टोकरेंसी ने किया बेड़ा गर्क! 5 साल में 36 लाख से ज्यादा क्रिप्टो टोकन हुए डेड, निवेशकों के अरबों डूबे

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी का बाजार जितना तेजी से चढ़ता है, वह उससे कहीं ज्यादा तेजी से गिरता भी है। यह मार्केट किसी को रातों रात करोड़पति बना दे और किसी को कंगाल कर दे, कुछ कहा नहीं जा सकता। यह मार्केट इस समय जितनी तेजी से बढ़ रहा है, कई टोकन भी उतनी ही रफ्तार से फेल हो रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2021 से अब तक लॉन्च हुए 36 लाख से ज्यादा क्रिप्टो टोकन 'डेड' यानी बेकार हो चुके हैं। यह कुल टोकन का 52% है। चिंता की बात यह है कि इनमें से लगभग आधे टोकन साल 2025 में ही फेल हुए हैं।

भारतीय चेहरों पर छाया चीनी ग्लो : विदेश से आए 1500 करोड़ रुपये के ब्यूटी प्रोडक्ट, 5 साल में डबल हुआ मार्केट

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में ग्लोबल ब्यूटी ब्रांड्स की डिमांड बढ़ रही है। इसलिए, ये ब्रांड्स अब प्रीमियम स्टोर्स में आसानी से मिल जाते हैं। स्किनकेयर और कॉस्मेटिक्स के इम्पोर्ट में पोस्ट-पैनडेमिक उछाल आया है। कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्ट्री के डेटा के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में मेकअप और स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का इम्पोर्ट 171.9 मिलियन डॉलर (करीब 1500 करोड़ रुपये) तक पहुंच गया। वहीं वित्त वर्ष 2020 में यह 80.9 मिलियन डॉलर था। यानी 5 साल में दोगुने से ज्यादा हो गया। इस लिस्ट में लिप और आई मेकअप, फेस क्रीम और मॉइस्चराइजिंग लोशन शामिल हैं। शॉपर्स स्टॉप के ब्यूटी चीफ एग्जीक्यूटिव, बीजू कासिम ने कहा कि भारतीय अब इंटरनेशनल ब्रांड्स के बारे में ज्यादा जानते हैं। ज्यादा इनकम वाले लोग हाई-क्वालिटी और प्रीमियम प्रोडक्ट्स चाहते हैं, जो ज्यादातर इम्पोर्ट किए जाते हैं। आजकल साउथ कोरिया, जापान और यहां तक कि चीन से भी इम्पोर्ट हो रहा है। चीन के ब्यूटी प्रोडक्ट का इम्पोर्ट काफी ज्यादा है। मेकअप कैटेगरी में 'लिप मेकअप प्रिपरेशंस' का इम्पोर्ट सबसे ज्यादा रहा, जो 61.2 मिलियन डॉलर का था।

सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी से सात राज्यों ने जुटाए 13,300 करोड़ रुपये

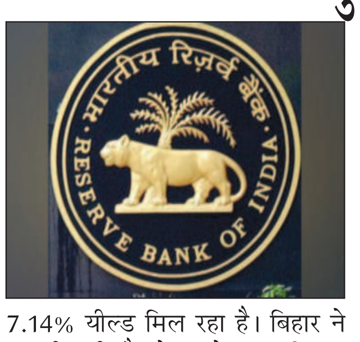

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य सरकार की प्रतिभूतियों (एसजीएस) की ताजा नीलामी में देश के सात राज्यों ने कुल 13,300 करोड़ रुपये जुटाए। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार सभी राज्यों ने अपनी अधिसूचित पूरी राशि स्वीकार कर ली।

मध्य प्रदेश सबसे आगे, इसने दो प्रतिभूतियों के जरिए 4,800 करोड़ रुपये जुटाए। राज्य ने 16 साल की अवधि पर 7.14% और 18 साल की अवधि पर 7.15% का उच्चतम यील्ड ऑफर किया, जो इस दौर में सबसे ज्यादा था। इसके बाद महाराष्ट्र ने 4,000 करोड़ रुपये जुटाए, जो दूसरे स्थान पर रहा। राज्य ने 20 और 21 साल की अवधि वाली दो प्रतिभूतियां जारी कीं। इन पर 7.14% यील्ड मिल रहा है। बिहार ने इस नीलामी दौर में सबसे कम प्रतिफल पर 2,000 करोड़ रुपये जुटाए। राज्य ने 6.88 प्रतिशत की दर से 10 साल की प्रतिभूति की पेशकश की, जो ब्याज लागत के लिहाज से सबसे किफायती सौदा रहा। अन्य प्रतिभागियों में हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, मिजोरम और तेलंगाना भी शामिल रहे। हरियाणा ने 16 साल की अवधि की प्रतिभूति पर 7.12% यील्ड के साथ 1,000 करोड़ रुपये जुटाए। जम्मू-कश्मीर और मिजोरम दोनों ने 15 साल की प्रतिभूतियों पर 7.14% यील्ड के साथ क्रमशः 400 करोड़ रुपये और 100 करोड़ रुपये जुटाए। तेलंगाना ने सबसे लंबी अवधि 30 साल की प्रतिभूति जारी की और 7.13% यील्ड पर 1,000 करोड़ रुपये जुटाए।

पूंजीगत खर्च और राजकोषीय जरूरतों को पूरा करने में मिली मदद

यह यील्ड-आधारित नीलामी आरबीआई के नियमित कर्ज कार्यक्रम के तहत आयोजित की गई। इससे राज्यों को पूंजीगत खर्च और राजकोषीय जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली।

जून तिमाही में निचले तबके की कमाई बढ़ी, पर्सनल लोन लेने में भी तेजी

सोने के बदले लिए जाएंगे अधिक कर्ज

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। आर्थिक स्थितियों में बेहतरी से निचले व मध्यम वर्ग की कमाई में सुधार आ रहा है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी यानी सीएमआईई के मुताबिक, सालाना एक लाख से 5 लाख रुपये कमाने वालों की आय में तेजी से वृद्धि हुई है। हालांकि, पांच से 10 लाख कमाने वालों की आय में कम वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सालाना एक लाख कमाने वाले ग्राहक धारणा सूचकांक (आईसीएस) जून तिमाही में 5.3 फीसदी बढ़ा है। एक से दो लाख कमाने वाले परिवारों का सूचकांक 2.3 फीसदी बढ़ा है। मध्य वर्ग यानी दो से पांच लाख कमाने वाले परिवारों के सूचकांक में 1.5 फीसदी व 5 से 10 लाख कमाने वालों के सूचकांक में 0.3 फीसदी तेजी आई है। आय समूहों में उपभोक्ता भावनाएं बेहतर हो रही हैं, लेकिन गैर जरूरी खर्च यानी जो इच्छा से किए जाते हैं उनकी धारणा में कमी आई है। जो लोग 10 लाख या कमा रहे हैं, उनमें भी यही रुझान देखा गया। मध्यम वर्ग में निराशा में मामूली वृद्धि हुई है।

बैंकों के गैर खाद्य कर्ज में 50% कमी की आशंका

जून तिमाही में बैंकों का गैर खाद्य ऋण 2.6 लाख करोड़ रुपये हो सकता है। यह पिछली तीन जून तिमाहियों के 4.7 से 7 लाख करोड़ रुपये से कम है। हालांकि, सितंबर तिमाही में फिर बढ़कर 4.2 लाख करोड़ से अधिक होगा। अप्रैल-मई में सेवा क्षेत्र का कर्ज 758 अरब रुपये घट गया है।

जून में उपभोक्ता धारणा मजबूत होने से उपभोग खर्च में होगी अधिक वृद्धि जून, 2025 में आईसीएस के 2.6 फीसदी तक बढ़ा। आईसीएस के रुझान से पता चलता है कि उपभोग खर्च में वृद्धि हो सकती है। परिवार अपनी मौजूदा आर्थिक स्थितियों के बारे में तेजी से आशावादी हो गए हैं। ग्रामीण और शहरी भारत दोनों की धारणाओं में तेजी देखी गई है। एक साल पहले की तुलना में वित्तीय रूप से बेहतर महसूस करने वाले परिवारों का अनुपात जून तिमाही में बढ़कर 37.6 प्रतिशत हो गया, जबकि पिछली तीन तिमाहियों में यह औसत 34.5 प्रतिशत रहा था। जो लोग मानते हैं कि वे बदतर स्थिति में हैं, उनका हिस्सा 1.9 प्रतिशत घटकर 9.3 प्रतिशत रह गया।

पर्सनल कर्ज की रफ्तार में तेज वृद्धि, 2,200 अरब होने की उम्मीद

अप्रैल-मई 2025 में पर्सनल लोन वितरण 1,376 अरब रुपये था। जून तिमाही में यह 2,200 अरब और सितंबर तिमाही में 2,300 अरब रुपये से अधिक हो जाएगा। यह पिछली तीन जून तिमाहियों में 1,342 से 1,852 अरब था। रेपो दर में कटौती का लाभ खुदरा ऋणों तक तेजी से पहुंचेगा।

मिस्र में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में अंबानी

केयरएक्सपर्ट लॉन्च करेगी नेशनल हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। मिस्र में एक एडवांस्ड नेशनल हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म लॉन्च करने के लिए रिलायंस जियो से जुड़ी कंपनी केयरएक्सपर्ट ने इजिप्ट की कंपनी 'टेलीकॉम इजिप्ट' के साथ हाथ मिलाया है।

दोनों कंपनियों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत यह प्लेटफॉर्म, हॉस्पिटल इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम को एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रेकॉर्ड के साथ जोड़ेगा। इसके साथ ही यह हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म क्लिनिकल और प्रशासनिक डेटा को वैश्विक तौर-तरीकों के अनुरूप दिखाएगा। खास बात यह है कि ये प्लेटफॉर्म का डेटा, इजिप्ट में नेशनल क्लाउड में स्टोर होगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय 05-50 | सूर्यास्त 18-50
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	मिथुन	में	मिथुन	04-04	बजे
चंद्र-	धनु	में	कर्क	06-17	बजे
मंगल	सिंह	में	सिंह	08-28	बजे
बुध-	कर्क	में	कन्या	10-35	बजे
गुरु-	मिथुन	में	तुला	12-42	बजे
शुक्र-	वृष	में	वृश्चिक	14-50	बजे
शनि-	मीन	में	धनु	17-04	बजे
राहु-	कुंभ	में	मकर	19-14	बजे
केतु-	सिंह	में	कुंभ	21-01	बजे
			मीन	22-39	बजे
			मेष	00-15	बजे
			वृष	02-44	बजे

दिशाशूल – दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा 02-06 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - आषाढ़ शुक्ल, गुरुवार 10 July
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 05-56 तक उपरान्त
योग - ऐन्द्र 21-37 तक उप वैधृति
करण- विष्टी (भद्राकाल) 13-11 तक उप बव
विशेष- गुरु पूर्णिमा व्रतं
व्रत-त्यौहार - शिव शयनोत्सव:

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:59 से 15:37 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05:50 - 07:28	शुभ	अमृत	18:50 - 20:16	शुभ
रोग	07:28 - 09:06	अशुभ	चर	20:16 - 21:38	शुभ
उत्पात	09:06 - 10:44	अशुभ	रोग	21:38 - 22:59	अशुभ
चंचल	10:44 - 12:21	शुभ	काल	22:59 - 00:22	अशुभ
लाभ	12:21 - 13:59	शुभ	लाभ	00:22 - 01:44	शुभ
अमृत	13:59 - 15:37	शुभ	उत्पात	01:44 - 03:06	अशुभ
काल	15:37 - 17:15	अशुभ	शुभ	03:06 - 04:28	शुभ
शुभ.	17:15 - 18:50	शुभ	अमृत	04:28 - 05:50	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आज आप थोड़े से अभिमान में रहेंगे और उसी के प्रभाव में रहकर सोचेंगे और काम करेंगे । इसी के कारण आप किसी बड़े अधिकारी से बात करते हुए आँखें नही मिला पायेंगे । यह अच्छा होगा या बुरा,यह आज आपको सोचना है ,हमारी सलाह यह है की आज अपने दिमाग की सुनें । व्यवहार कुशलता का परिचय दें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें । आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है । आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है । आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज का दिन आपके लिए विशेष है क्योंकि आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे । यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा । अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। विदेश में रह रहा कोई मित्र आपको साथ काम करने के लिए आमंत्रित कर सकता है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें । अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें । आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है । आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें । हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे और कुल मिलाकर सब अच्छा होगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी । लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है । इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें । यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों से परेशान हैं,लेकिन अभी आपको कोई राहत मिलती दिखाई नही दे रही । सबसे अच्छा यही है की आप शिकायत करना छोड़कर अपने कामों को पूरा करें । जितनी जल्दी पूरा करेंगे ,उतनी ही जल्दी बोझ कम होता जाएगा । लेकिन इसका अर्थ यह भी नही है कि आपको इसे लापरवाही से पूरा करना है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

शिवनाथ नदी में फंसे 32 मजदूरों का रेस्क्यू

इनमें बच्चे, महिलाएं-बुजुर्ग, भारत माला परियोजना में काम करने गए थे, अचानक आई बाढ़

दुर्ग, 9 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पिछले पांच दिनों से लगातार हो रही बारिश से प्रदेश के कई जिलों में नदी-नाले उफान पर हैं। रायपुर में देर रात से पानी बरस रहा है, जिससे सड़कों पर पानी भर गया है। इस बीच मौसम विभाग ने रायपुर-बिलासपुर समेत 12 जिलों में भारी बारिश के साथ अचानक बाढ़ आने की आशंका जताई है। इंद्रावती नदी के तेज बहाव में नाव पलटने से एक शख्स लापता है। एक व्यक्ति चट्टान पर फंसा हुआ है।

वहीं लगातार बारिश से राजिम में महानदी का जलस्तर बढ़ने से त्रिवेणी संगम स्थित कुलेश्वर महादेव की सीढ़ियां डूब गई हैं। रायगढ़ में केलो नदी का जलस्तर बढ़ने से डैम के 2 गेट खोले गए हैं। बता दें कि रायपुर में पिछले दो दिनों में 140 मिमी पानी गिर चुका है। अगले दो दिन बिलासपुर, दुर्ग और रायपुर संभाग के जिलों में बारिश का दौर जारी रह सकता है। आज (बुधवार) राजनांदगांव, बालोद, दुर्ग, धमतरी,गरियाबंद, महासमुंद और बलौदाबाजार समेत 7 जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। रायपुर, कोरबा, कबीरधाम, रायगढ़, सूरजपुर, बलरामपुर सहित प्रदेश के 21 जिलों में यलो अलर्ट है। वहीं पांच जिलों में मौसम सामान्य रहेगा।

दुर्ग के धनौद गांव में शिवनाथ नदी में आई बाढ़ में फंसे 32 मजदूरों को एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित निकाल लिया है। इनमें महिला पुरुष और बच्चे शामिल हैं। सभी भारत माला परियोजना में काम करने आए थे। गरियाबंद के रवेली में जान जोखिम में डालकर लोग उफनते नाले को पार कर रहे हैं। लगातार बारिश से नदी नाले उफान पर हैं। राजिम के त्रिवेणी संगम में भी उफान पर है। दंतेवाड़ा जिले से होकर बहने वाली इंद्रावती नदी में बुधवार सुबह एक नाव पलट गई है हादसे में एक व्यक्ति लापता है वहीं दूसरा चट्टानों के बीच फंसा हुआ है। बाजार से लौटते वक्त हादसा हुआ है। मामला बारसूर थाना क्षेत्र का है। ग्रामीण बारसूर के पास स्थित मंगनार के रहने वाले हैं। जो नाव के सहारे बोधघाट बाजार गए हुए थे। लौटते वक्त इंद्रावती और गुडरा नदी के संगम में तेज बहाव के चलते इनकी नाव पलट गई। नाव में कितने लोग सवार थे ये अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। फिलहाल पुलिस और प्रशासन की टीम को खबर कर दी गई है। इससे पहले रायपुर, बिलासपुर, बलौदाबाजार, दुर्ग में मंगलवार को जमकर बारिश हुई।

बिलासपुर में कई निचले इलाकों के घरों और बस्तियों में पानी भर गया। इसके साथ ही बस्तर के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित तीरथगढ़ वाटरफॉल पूरे शबाब पर है। वाटरफॉल का खूबसूरत नजारा देखने पर्यटकों की भीड़ उमड़ रही है। लोग जान जोखिम में डालकर वाटरफॉल के नजदीक जाकर फोटोशूट करवा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में 2025 में कोरोना से तीसरी मौत

क्रॉनिक-लिवर की बीमारी से था पीड़ित, वार्ड में शिफ्टिंग के दौरान गई जान, प्रदेश में 11 एक्टिव-केस

कांकेर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में कोरोना से 8 जुलाई की रात एक मरीज की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मरीज को पहले से लीवर की बीमारी से जूझ रहा था। कोरोना पॉजिटिव आने के बाद कांकेर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी जान चली गई। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम मनोज कुमार भुआर्य है, जो फरसगांव का निवासी था। मेडिकल अस्पताल में अलग से कोविड वार्ड नहीं होने के कारण स्थिति और खराब हो गई। ठीक से इलाज नहीं मिल पाया। भर्ती कराने के एक घंटे के अंदर ही मौत हो गई। 2025 में प्रदेश में तीसरी, जबकि जिले में पहली मौत है। इससे पहले राजनांदगांव जिले में 7 दिन के अंदर 2 कोविड पेशेंट ने दम तोड़ दिया था।

पति बोला-बेरोजगार हूं, पत्नी नौकरी कर रही

हाईकोर्ट ने कहा-बच्चे की पढ़ाई और परवरिश में पिता की जिम्मेदारी अहम, पत्नी-बच्चों को देना होगा गुजारा भत्ता

बिलासपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। बिलासपुर हाईकोर्ट में फैमिली कोर्ट के फैसले के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई हुई। जिसमें पति ने कहा कि, वो बेरोजगार है और उसके पास आय का कोई स्रोत नहीं है। जबकि, उसकी पत्नी नौकरी करती है।

इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि बच्चे की शिक्षा और पालन-पोषण की जिम्मेदारी से पिता खुद को अलग नहीं कर सकता, चाहे वह बेरोजगार ही क्यों न हो। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की सिंगल बेंच ने कहा कि पढ़ी-लिखी और कमाने वाली पत्नी होने के बावजूद बच्चे के भरण-पोषण की जिम्मेदारी माता-पिता दोनों की होती है।

दरअसल, रायगढ़ निवासी दंपती विवाद के बाद अलग रह रहे हैं। उनका करीब 4 साल का बेटा है। वह रायगढ़ के कान्वेंट स्कूल में पढ़ता है। पत्नी ने रायगढ़

के फैमिली कोर्ट में सीआरपीसी की धारा 127 के तहत भरण-पोषण देने की मांग करते हुए याचिका लगाई थी। जिस पर फैमिली कोर्ट ने पति को मां और बेटे को हर माह 6 हजार रुपए अंतरिम खर्च के तौर पर देने का आदेश दिया।

इस पर पति ने फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका लगाई। इसमें बताया कि वह बेरोजगार है, उसके पास आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं है। विशेषकर कोरोना काल के बाद से उसके पास कमाई का कोई जरिया नहीं रह गया है।

इसके साथ ही बताया कि, पत्नी अपने पिता के स्कूल में शिक्षिका है। उसकी आमदनी भी अच्छी है। यह भी तर्क दिया कि दोनों पक्षों के बीच पहले ही समझौता डिक्री हो चुकी है, लिहाजा नया आदेश गलत है।

हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि, बच्चा प्रतिष्ठित स्कूल में पढ़ाई कर रहा है। उसके लिए पर्याप्त आर्थिक मदद जरूरी है। बच्चे की भलाई सर्वोपरि है। भरण-पोषण से संबंधित जिम्मेदारी सिर्फ मां की नहीं हो सकती।

हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को न्यायसंगत, निष्पक्ष और कानूनी सिद्धांतों के अनुरूप मानते हुए पति की पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। साथ ही कहा कि बच्चे की जरूरतों को देखते हुए हर माह 6 हजार रुपए उचित है। कोर्ट ने आदेश की कॉपी ट्रायल कोर्ट को तत्काल भेजने के निर्देश दिए।

ईओडब्ल्यू का दावा- आबकारी अफसरों ने 88 करोड़ कमाए

शराब घोटाले में नोहर सिंह को 11 करोड़ मिले, नवीन 39, मंजूश्री ने 25 प्रॉपर्टी खरीदी

रायपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के दौरान हुए 3200 करोड़ रुपए के घोटाले में सिंडिकेट में काम कर रहे आबकारी अफसरों को 88 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम मिली है। ईओडब्ल्यू के अफसरों ने चालान में यह जानकारी दी है। ईओडब्ल्यू के अफसरों के मुताबिक आबकारी अफसरों ने शराब घोटाले से मिले पैसों को प्रॉपर्टी और कारोबार में लगाया है। ईओडब्ल्यू की जांच में 11 आबकारी अफसरों की प्रॉपर्टी का खुलासा हुआ है। बाकी अफसरों के खिलाफ ईओडब्ल्यू की जांच जारी है।

शराब घोटाले का खुलासा करने के लिए ईओडब्ल्यू के अधिकारियों ने 200 लोगों का बयान लिया है। बयान देने वालों में कारोबारी, आबकारी विभाग के अधिकारी, पैसा पहुंचाने वाले एजेंट, पैसा ठिकाने लगाने वाले हवाला कारोबारी समेत अन्य लोग शामिल हैं।

शराब की दुकान संचालकों को सरकारी कागजों पर शराब की खपत दर्ज न करने की सलाह दी गई थी। बिना शुल्क चुकाए दुकानों तक डुप्लीकेट होलोग्राम वाली शराब पहुंचाई गई। जांच एजेंसी ने आरोप पत्र में कहा है कि आबकारी विभाग में भ्रष्टाचार फरवरी 2019 से शुरू हुआ था।

शुरुआत में डिस्टलरी से हर महीने 800 पेटी शराब से भरे 200 ट्रक निकलते थे। एक पेटी 2840 रुपए में बिकती थी। उसके बाद, हर महीने 400 ट्रक शराब की आपूर्ति होने लगी। शराब 3,880 रुपए प्रति पेटी बेची गई। ईओडब्ल्यू की शुरुआती जांच में पता चला है कि 3 साल में 60 लाख से ज्यादा पेटी शराब अवैध रूप से बेची गई। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

शराब की फैक्ट्री असली है। इसमें बनने वाली शराब भी असली है। इसे ठेकेदार, अफसरों, नेताओं की मिलीभगत से नकली होलोग्राम यानी नकली लेबल लगाकर शराब के ठेकों तक पहुंचाया जाता था।

शराब का हिसाब सरकारी रजिस्टर में दर्ज नहीं होता था। यानी लाखों लीटर की, जो शराब दुकानों तक पहुंचकर नकली सरकारी लेबल के साथ बिकती थी। वह कहीं दर्ज ही नहीं होती थी। ऐसे में इस शराब का सारा पैसा इन ठेकेदारों, अफसरों, नेताओं में ही बंट जाता था।

हेलीकॉप्टर-क्रैश केस, चीफ-एडवाइजर पंकज की सेवाएं समाप्त

3 साल बाद सरकार ने की कार्रवाई, नहीं बदले गए थे एक्सपायर पाट्र्स, मारे गए थे 2 पायलट

रायपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर के माना एयरपोर्ट पर सरकारी हेलीकॉप्टर अगस्ता ए109ई क्रैश मामले में राज्य सरकार ने 3 साल बाद बड़ी कार्रवाई की है। राज्य विमानन विभाग में मुख्य सलाहकार के तौर पर कार्यरत तत्कालीन चीफ पायलट पंकज जायसवाल की सेवाएं समाप्त कर दी हैं।

जानकारी के मुताबिक 12 मई 2022 को हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ था, जिसमें कैप्टन एपी श्रीवास्तव और कैप्टन गोपाल कृष्ण पांडा की जान गई थी। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) की जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि हेलीकॉप्टर मेंटेनेंस में गंभीर लापरवाही बरती गई।

कैप्टन गोपाल कृष्ण पांडा ओडिशा के रहने वाले थे। वे सीनियर पायलट के पद पर काम कर रहे थे। वहीं कैप्टन श्रीवास्तव दिल्ली के रहने वाले थे। हादसे में दोनों की ऑन द स्पॉट डेथ हुई थी। शरीर पर गहरे घाव थे। हड्डियां टूट गई थी।

डीजीसीए रिपोर्ट के मुताबिक, माना एयरपोर्ट पर हेलीकॉप्टर की मरम्मत और रख-रखाव बेहद लचर थी। कई जरूरी पुर्जे तक समय पर नहीं बदले गए थे। डीजीसीए की रिपोर्ट आने के बाद विमानन विभाग ने जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच शुरू की। जांच के बाद सरकार ने कार्रवाई की है।

दरअसल, 12 मई 2022 को माना एयरपोर्ट पर रात 9 बजकर 10 मिनट पर हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ। माना एयरपोर्ट पर 12 मई 2022 शासकीय हेलीकॉप्टर अगस्ता ए109ई लैंडिंग में क्रैश होने से दो पायलट मारे गए थे। तब लैंडिंग में रनवे पर चलते समय हेलीकॉप्टर 3 बार पलटा। डीजीसीए ने जांच के बाद रिपोर्ट तैयार की है। इसमें लापरवाही और चूक का खुलासा है।

रिपोर्ट में साफ लिखा है कि छत्तीसगढ़ में हेलीकॉप्टर के मेंटेनेंस की एसओपी का पालन ही नहीं किया जा रहा था। हेलीकॉप्टर का मेंटेनेंस सिस्टम कमजोर था। इसके पिछले हिस्से में लगने वाला छोटा पंखा यानी टेल रोटर खराब था। तब भी मेंटेनेंस नहीं किया जा रहा था। एयरपोर्ट पर सुरक्षा इंतजाम तैयार रखने का कल्चर ही नहीं था। यही वजह है कि जब हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई, तो उसे खींचने के लिए ट्रैक्टर जैसा टोइंग आर्म भी नहीं था। रिपोर्ट में इस बात का भी उल्लेख है कि मेंटेनेंस में इतनी लापरवाही थी कि जो जरूरी पाट्र्स एक्सपायर हो रहे थे, उन्हें बदला भी नहीं जा रहा था।

महुआ शराब के खिलाफ एक्शन

90 हजार की अवैध शराब और 285 किलो लहान जब्त, 9 आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। बिलासपुर में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 90 हजार रुपए मूल्य की अवैध शराब जब्त किया है। विभाग ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आबकारी आयुक्त श्यामलाल धावड़े और कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई।

प्रभारी सहायक आयुक्त नवनीत तिवारी के नेतृत्व में टीम ने जिले के पांच सर्कल में छापेमारी की। कोटा, सीपत, बिल्हा, तखतपुर और मस्तूरी क्षेत्र के विभिन्न गांवों में की गई कार्रवाई में 192.28 लीटर मदिरा जब्त की गई। इसमें 15.28 लीटर देशी मदिरा और 162 लीटर महुआ शराब शामिल है। टीम ने 285 किलोग्राम महुआ लहान भी जब्त किया।

गिरफ्तार आरोपियों में महादेव धनवार, अजय सोनी, संजू यादव, पारथ जांगड़े, रामप्रसाद, नंदलाल वर्मा, राघवेन्द्र वर्मा, परमानन्द नेरसा और रवि विश्वकर्मा शामिल हैं। जलसो गांव में तालाब किनारे से 55 लीटर महुआ शराब बरामद की गई।

केंद्र सरकार के नए श्रम कानून का विरोध

सीएमपीडीआई के निजीकरण के विरोध में श्रमिक संगठनों की हड़ताल, खदानों में कामकाज प्रभावित

कोरबा, 9 जुलाई (एजेंसियां)। कोरबा में कोयला खदानों पर श्रमिक संगठनों ने हड़ताल शुरू कर दी है। श्रमिक संगठन केंद्र सरकार की नई श्रम कानून नीतियों का विरोध कर रहे हैं। साथ ही सीएमपीडीआई के निजीकरण और आईपीओ का भी विरोध कर रहे हैं।

कोरबा की दीपका, गेवरा और कुसमुंडा खदानों में सुबह से ही प्रदर्शन जारी है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए मौके पर पुलिस और एसईसीएल गार्ड तैनात किए गए हैं। पहले पाली से ही हड़ताल का व्यापक असर दिखाई दे रहा है।

एटक श्रम संघ के केंद्रीय क्षेत्रीय कल्याण समिति सदस्य जय मुखर्जी ने बताया कि यह एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल है। उन्होंने कहा कि सरकार मजदूरों के अधिकारों को छीन रही है। मानिकपुर के इंटक सेक्रेटरी प्रमोद कुमार बनर्जी के मुताबिक, निजी कंपनियों के कर्मचारियों ने भी हड़ताल का समर्थन किया है।

भांग की खेती को बढ़ावा देने की याचिका-खारिज

एचसी बोला- यह समाज के लिए खतरा, कोर्ट का क्षेत्राधिकार नहीं, सरकार-कार्यपालिका का विशेषाधिकार

बिलासपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में भांग की खेती को बढ़ावा देने की जनहित याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने इसे समाज के लिए खतरा बताया और कहा कि राज्य में नीति निर्धारण करना राज्य सरकार और कार्यपालिका का विशेषाधिकार है। यह कोर्ट का क्षेत्राधिकार नहीं है।

दरअसल, बिलासपुर के तिलक नगर निवासी डॉ. सचिन काले ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका लगाई थी। इसमें उन्होंने प्रदेश में उद्योग के तौर पर भांग की खेती को वैध घोषित करने की मांग की थी। अपनी याचिका में भांग को 'गोल्डन प्लांट' बताते हुए इसके औद्योगिक, औषधीय और आर्थिक उपयोग की वकालत की गई थी।

नियमों के मुताबिक भांग को औद्योगिक भांग के रूप में परिभाषित करने, राज्य स्तरीय बोर्ड बनाकर खेती की अनुमति देने की मांग की गई थी। साथ ही दावा किया गया कि इससे किसानों को लाभ मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

याचिका में प्राचीन ग्रंथों, ब्रिटिश कालीन आयोग की रिपोर्ट और भारत सरकार की कुछ नीतियों का उल्लेख करते हुए भांग को भारतीय संस्कृति और चिकित्सा में महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना था कि टीएचसी यानी टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल की मात्रा 0.3% से कम होने पर यह पौधा नशे के लिए अनुपयुक्त होता है।

इस संबंध में याचिकाकर्ता ने फरवरी 2024 में सरकार और संबंधित अधिकारियों को इस विषय में पत्र दिया था। लेकिन, अब तक कोई जवाब नहीं मिला। जिसके कारण उन्होंने जनहित याचिका लगाई है।

इसमें एनडीपीएस एक्ट की धारा 10 और 14 का हवाला देते हुए तर्क दिया कि राज्य सरकार के पास इस खेती के लिए लाइसेंस देने का अधिकार है, जिसका अब तक उपयोग नहीं किया गया।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु ने इस जनहित याचिका को पूरे तरह से मूल्यहीन और अनुचित मानते हुए कहा कि जनहित याचिकाएं तभी मंजूर की जाती हैं, जब उनका उद्देश्य वास्तविक सार्वजनिक हित में हो, न कि व्यक्तिगत उद्देश्य साधने के लिए।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि एनडीपीएस एक्ट के तहत भांग की खेती तभी संभव है जब वह चिकित्सा, वैज्ञानिक या बागवानी उद्देश्यों के लिए हो और उसके लिए कानूनी अनुमति प्राप्त की गई हो।

14 जुलाई तक मौसम सामान्य रहने के आसार

प्रदेश में 2-3 डिग्री सेल्सियस चढ़ेगा पारा, मध्य झारखंड में हल्की बारिश

रांची, 9 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश की संभावना नहीं है। मौसम विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट बता रही है कि अभी राज्य के लगभग सभी हिस्सों में गरज के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है, लेकिन भारी बारिश के आसार नहीं हैं। 9 से 14 जुलाई तक भी मौसम सामान्य रहने की उम्मीद है। कहीं-कहीं हल्की बारिश के साथ बादल छाए रह सकते हैं। मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के अनुसार राज्य में अगले तीन दिनों तक अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। हालांकि इस बीच कहीं-कहीं वज्रपात के साथ बारिश की संभावना बन रही है। किसानों और आम नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

10 जुलाई को भी राज्य के मध्य भागों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। 11 और 12 जुलाई को भी मौसम लगभग ऐसा ही बना रहेगा। 13 और 14 जुलाई को किसी भी मौसम संबंधी विशेष परिवर्तन की संभावना नहीं है। तापमान की बात करें तो रांची में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 22.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.2 डिग्री कम रहा। वहीं बीते 24 घंटे में सबसे ज्यादा वर्षा गढ़वा में 25.6 मिमी रिकॉर्ड की गई। झारखंड में पिछले 24 घंटे के दौरान अधिकांश स्थानों पर मौसम सामान्य बना रहा। कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश रिकॉर्ड की गई। कई स्थानों पर भी हल्की बारिश दर्ज की गई, लेकिन व्यापक स्तर पर भारी बारिश नहीं हुई। मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के अनुसार धनबाद के पपुनकी में 6.7 मिमी, चांडिल में 11.2 मिमी, चाईबासा में 9.1 मिमी, जमशेदपुर में 3.4 मिमी, टुंडी में 2.6 मिमी, कुंभारीडीह में 26.6 मिमी और चंदनकियारी में 18.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई। वहीं रामगढ़, महुआरो, गिरिडीह, कुदरू, जामताड़ा, कोडरमा, और बोकारो जैसे स्थानों पर भी छिटपुट बारिश हुई। तापमान की बात करें तो राज्य के अधिकतर हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य रहा। कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से नीचे भी दर्ज किया गया। चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि गंगीय पश्चिम बंगाल और आसपास के क्षेत्र में बने निम्न दबाव का क्षेत्र अब भी सक्रिय है और इसके प्रभाव से अगले दो दिनों तक झारखंड और उत्तरी छत्तीसगढ़ की ओर इसके धीरे-धीरे बढ़ने की संभावना है।

बड़े पैमाने पर डॉक्टरों का तबादला

कई सिविल सर्जन भी बदले, किसे कहां भेजा गया

रांची, 9 जुलाई (एजेंसियां)। हेमंत सोरेन सरकार ने स्वास्थ्य व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राज्य में बड़े पैमाने पर डॉक्टरों और सिविल सर्जनों का तबादला किया है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

तबादला सूची के अनुसार डॉ. सिद्धार्थ सान्याल को निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं झारखंड नियुक्त किया गया है। डॉ. अजीत खलखो को निदेशक शोध, स्वास्थ्य निदेशालय रांची में नई जिम्मेदारी दी गई है। वहीं डॉ. दिनेश कुमार को निदेशक योजना एवं प्रशासन, स्वास्थ्य निदेशालय रांची बनाया गया है। डॉ. आशुतोष कुमार सिंह को संचारी रोग निदेशक के पद पर स्वास्थ्य निदेशालय रांची भेजा गया है। इसके अलावा डॉ. अजय कुमार सिंह को पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर में अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी का दायित्व सौंपा गया है जबकि डॉ. शिव कुमार मिश्रा को क्षेत्रीय उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल हजारीबाग भेजा गया है।

डॉ. अमरेंद्र नाथ डे को कोल्हान प्रमंडल पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा का क्षेत्रीय उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं बनाया गया है। वहीं डॉ. चंद्रकिशोर शाही को संथाल परगना प्रमंडल दुमका के लिए क्षेत्रीय उपनिदेशक की जिम्मेदारी दी गई है। सिविल सर्जनों के तबादलों में डॉ. कमलेश्वर प्रसाद को दुमका, डॉ. आलोक विश्वकर्मा को धनबाद, डॉ. शंभूनाथ चौधरी को गुमला, डॉ. युगलकिशोर चौधरी को देवघर और डॉ. राजू कच्छप को लोहरदगा का सिविल सर्जन बनाया गया है।

अस्पताल में भर्ती मंत्री हाफिजूल हसन से सीएम हेमंत ने की मुलाकात

पत्नी भी रहीं साथ

रांची, 9 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण एवं जल संसाधन मंत्री हाफिजूल हसन अंसारी इन दिनों गुड़गांव स्थित मेदांता अस्पताल में इलाजरत हैं। बीते चार जुलाई को उनका ओपन हार्ट सर्जरी हुई, जिसे डॉक्टरों ने सफल बताया है। सर्जरी के बाद उनकी स्थिति अब स्थिर और संतोषजनक बताई जा रही है।

मंगलवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी एवं गांडेय विधायक कल्पना सोरेन मेदांता अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने मंत्री हसन अंसारी से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने मंत्री के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और उन्हें हरसंभव सहयोग का

आश्वासन भी दिया। इसके बाद हेमंत सोरेन ने इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा कर लिखा कि मरांग बुरु आपको शीघ्र स्वस्थ करें, यही कामना करता हूं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इन दिनों दिल्ली प्रवास पर हैं। उनके पिता और झारखंड मुक्ति मोर्चा के सुप्रीमो शिबू सोरेन भी पिछले कुछ समय से बीमार हैं और दिल्ली में इलाजरत हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री कई राजनीतिक और व्यक्तिगत मुलाकातें कर रहे हैं। मंत्री हाफिजूल हसन के स्वास्थ्य को लेकर उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में चिंता थी, लेकिन सर्जरी सफल रहने की सूचना से राहत का माहौल है। सोशल मीडिया पर भी नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम जनता ने मंत्री के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आकर दो महिलाओं की मौत

कवर्धा, 9 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में एक ही परिवार की दो महिलाओं की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों महिलाएं चरोटा भाजी (साग) तोड़ने गई थीं। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिर पड़ी।

यह घटना घटना 8 जुलाई की शाम लगभग 6:00 बजे की है। तिहरी बाई (45 वर्ष) और राम बाई (30 वर्ष) ग्राम पंचायत कांदावानी के आश्रित ग्राम वाहपानी के भलनीदादर मोहल्ला की रहने वाली हैं। दोनों महिलाएं सोमवार की शाम अपने घर से लगभग 2 किलोमीटर दूर, और नेऊर-रुखमीरुखमीदादर मुख्य मार्ग से लगभग 300 मीटर नीचे पहाड़ी ढलान पर चरोटा भाजी (साग) तोड़ने गई थीं।

इसी दौरान मौसम खराब हो गया और गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिर पड़ी। खुद को बचाने के लिए दोनों महिलाएं पेड़ के नीचे जाकर खड़ी हो गईं। महिलाओं के पास छाता भी था। इसी दौरान बारिश से बचने के लिए जहां दोनों महिलाएं खड़ी थी, बिजली सीधे वहीं गिर गई।

इससे छाता जल गया और दोनों महिलाओं को छाती, सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। पहाड़ी ढलान पर पत्थर अधिक होने के कारण गिरने से दोनों महिलाओं को चोटें आईं। दोनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।

पाकिस्तान में फिर तख्तापलट कर सकती है सेना

आर्मी चीफ मुनीर को अगला राष्ट्रपति, शहबाज शरीफ को हटाकर बिलावल को पीएम बनाने की चर्चा

इस्लामाबाद, 9 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सियासत में इन दिनों जबरदस्त हलचल है। चर्चाएं जोरों पर हैं कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को जल्द ही पद छोड़ने के लिए कहा जा सकता है और उनके स्थान पर शक्तिशाली सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर देश के नए राष्ट्रपति बन सकते हैं।

इसके साथ ही पाकिस्तान में मौजूदा संसदीय प्रणाली को बदलकर राष्ट्रपति प्रणाली लागू किए जाने की भी तैयारी बताई जा रही है। सत्ता परिवर्तन का खेल पाक आर्मी के समर्थन से हो रहा है।

पाक आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर पाकिस्तान की सत्ता संरचना में सबसे ताकतवर पद पर आसीन हैं। वे सत्ता पर अपनी पकड़ को और मजबूत करते जा रहे हैं। हाल ही में उन्हें फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया है। इस पद के साथ असीम मुनीर को आजीवन सैन्य विशेषाधिकार, कानूनी प्रतिरक्षा और असंवैधानिक हस्तक्षेपों से

सुरक्षा प्राप्त हो जाती है।

आर्मी चीफ मुनीर और जरदारी के बीच बढ़ने समीकरणों के लेकर के पूर्व पीएम नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएलएन) ने विरोध जताना शुरू कर दिया है।

मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनकी पार्टी पीएमएलएन इस संभावित बदलाव का विरोध कर रहे हैं। उन्हें डर है कि यदि राष्ट्रपति प्रणाली आई तो न केवल शहबाज की प्रधानमंत्री पद से छुट्टी होगी, बल्कि पाकिस्तान की सियासत में पीएमएलएन और शरीफ परिवार की प्रासंगिकता भी खत्म हो जाएगी।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता आसिफ अली जरदारी के इस्तीफे की चर्चा उनकी गिरती सेहत के आधार पर हो रही है।

रिपोर्टों के अनुसार, जरदारी ने यह शर्त रखी है कि अगर बिलावल भुट्टो जरदारी को कोई ऐसा बड़ा पद मिले जहां वह एक परिपक्व नेता के रूप में उभर सकें, तो वह इस्तीफा दे सकते हैं।

आर्मी चीफ मुनीर का दखल पाकिस्तानी संसद, न्यायपालिका और विदेश नीति पर भी देखा जा रहा है। उनकी वॉशिंगटन, रियाद और बीजिंग जैसी जगहों पर उनकी हाई-प्रोफाइल कूटनीतिक यात्राएं इस बात का प्रमाण हैं कि वे पाकिस्तान के 'स्थायित्व दूत' के रूप में देखे जाते हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि असीम मुनीर राष्ट्रपति बनकर सिर्फ प्रतीकात्मक पद पर नहीं रहना चाहते, बल्कि पाकिस्तान की पूरी राजनीतिक व्यवस्था में बदलाव लाना चाहते हैं।

यह प्रयास जनरल जिया-उल-हक के 1977 के तख्तापलट की वर्षगांठ के समय सामने आया है, जिससे इसे एक 'सॉफ्ट कू' के रूप में देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि संसद, न्यायपालिका और मीडिया पर असीम मुनीर का पूर्ण नियंत्रण है और इसलिए संविधान में बदलाव कर राष्ट्रपति प्रणाली लागू करने में उन्हें कोई खास मुश्किल नहीं होगी।

फिर बेनकाब हुआ पाकिस्तान

लश्कर आतंकी को लेकर कैमरे पर झूठ बोल गईं पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी

इस्लामाबाद, 9 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान आतंकियों की पनाहगाह है, ये बात पूरी दुनिया जानती होगी, लेकिन पाकिस्तान की सरकार और वहां के नेता अभी भी इसे मानने को तैयार नहीं हैं और लगातार इससे इनकार करते आए हैं। हालांकि गाहे-बगाहे पाकिस्तान का सच दुनिया के सामने आ ही जाता है और अब एक बार फिर पाकिस्तान बेनकाब हो गया है। दरअसल पाकिस्तान की पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार एक इंटरव्यू के दौरान अपने ही बयान में फंस गईं और फिर कैमरे पर साफ झूठ बोलकर अपनी और अपने देश की फजीहत करा बैठीं। दरअसल न्यूज चैनल अल जजीरा के साथ बातचीत में हिना रब्बानी खार ने दावा किया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के हवाई हमले में मारे गए आतंकियों के जनाजे की नमाज पढ़ने वाला लश्कर आतंकी अब्दुल रऊफ आतंकी नहीं बल्कि आम आदमी है। इस दौरान पत्रकार ने वो तस्वीर दिखाई, जिसमें लश्कर ए तैयबा का आतंकी और हाफिज सईद का करीबी अब्दुल रऊफ जनाजे की नमाज पढ़ रहा था और उसके पीछे पाकिस्तानी सेना और पुलिस के शीर्ष अधिकारी दिख रहे थे। पत्रकार ने हिना रब्बानी से कहा कि जो व्यक्ति नमाज पढ़ रहा है, वह अमेरिका द्वारा घोषित आतंकी है। इस पर पाकिस्तान की पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने कहा कि 'मैं पूरे दावे और अधिकार से कह रही हूं कि तस्वीर में दिख रहा व्यक्ति अंतरराष्ट्रीय रूप से घोषित आतंकी अब्दुल रऊफ नहीं बल्कि पाकिस्तान का आम व्यक्ति है और ऐसे अब्दुल रऊफ पाकिस्तान में लाखों हैं।'

न्यू मेक्सिको में बाढ़ से घर बहे, कई लोग लापता

सेंटा फे, 9 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यू मेक्सिको राज्य में मंगलवार को तेज बारिश के बाद कई इलाकों में अचानक बाढ़ आ गई। बाढ़ का सबसे ज्यादा असर रुडोसो नाम के पहाड़ी गांव में दिखा। यहां बहाव इतना तेज था कि कई घर बह गए और कई लोग फंसे रह गए। राहत-बचाव टीमें लगातार काम में जुटी हैं।

नेशनल वेदर सर्विस ने रुडोसो और उसके आसपास के इलाकों के लिए फ्लैश फ्लड इमरजेंसी जारी की है। ये वही क्षेत्र है, जहां पिछले साल जंगल में आग लगी थी और हजारों एकड़ जंगल जलकर राख हो गया था।

मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी मौत की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन तीन लोग अस्पताल में भर्ती हैं। कई लोगों को बहते पानी और घरों से सुरक्षित बाहर निकाला गया, लेकिन अब तक यह साफ नहीं है कि कुल कितने लोग लापता हैं।

रियो रुडोसो नदी के किनारे बसे इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नदी का जलस्तर 8 जुलाई को दोपहर 3 बजे करीब डेढ़ फीट था, जो एक घंटे से भी कम समय में 20 फीट तक पहुंच गया। इसके बाद पानी का स्तर धीरे-धीरे गिरने लगा, लेकिन तब तक कई घर बह चुके थे और सड़कों पर आवाजाही रुक गई थी। नेशनल वेदर सर्विस ने चेतावनी जारी कर कहा, रुडोसो में खतरा बना हुआ है। फ्लैश फ्लड इमरजेंसी जारी है। लोग तुरंत ऊंचे स्थानों की ओर जाएं। पानी में गाड़ी न चलाएं, बहाव आपकी गाड़ी को बहा ले जाएगा।

टेक्सास राज्य में 4 जुलाई को अचानक आई बाढ़ में घर और कैंप डूबने से अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। राहत-बचाव दल लगातार लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। यहां से अब तक 87 शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें 56 वयस्क और 30 बच्चे शामिल हैं। कुछ शवों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है।

यूक्रेन को हथियार सप्लाई रोके जाने से ट्रम्प नाराज

पेंटागन ने राष्ट्रपति को इसकी जानकारी नहीं दी थी, सप्लाई दोबारा शुरू

वॉशिंगटन, 9 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई पर रोक लगाने नाराजगी जताई है। रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने ट्रम्प को बताए बिना सप्लाई पर रोक लगा दी थी। इस फैसले से हैरान ट्रम्प ने सोमवार को यूक्रेन को दोबारा हथियार भेजने का आदेश दे दिया है। पिछले हफ्ते पेंटागन ने ऐलान किया था कि अमेरिका यूक्रेन को कुछ जरूरी हथियार जैसे एयर डिफेंस मिसाइलें, प्रिसिशन गाइडेड आर्टिलरी, पैट्रियट और हेलफायर मिसाइलें देना फिलहाल रोक रहा है।

इसके पीछे कारण बताया गया कि अमेरिका के अपने स्टॉक में इन हथियारों की कमी हो गई है। जिस पर अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने साइन किए थे। लेकिन ट्रम्प को इस फैसले की जानकारी पहले से नहीं दी गई थी। उन्होंने इसे व्हाइट हाउस से बात किए बिना लिया गया कदम बताया।

कैबिनेट मीटिंग में ट्रम्प ने

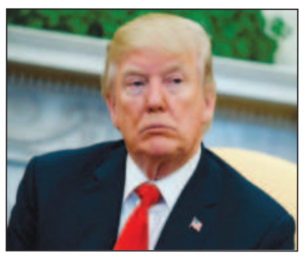

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, पुतिन हमें हर बार झूठी बातें सुनाता है। वो बहुत मीठा बोलता है, लेकिन उसका कोई मतलब नहीं निकलता।

ट्रम्प ने रूस पर तेल उद्योग से जुड़ी पाबंदियों को लेकर चेतावनी दी है। साथ ही उन्होंने कहा कि वे एक प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं जिसके तहत रूसी तेल खरीद रहे भारत और चीन जैसे देशों पर 500% टैरिफ लगाया जाएगा।

रूस और यूक्रेन के बीच 24 फरवरी 2022 से जंग जारी है। अमेरिका यूक्रेन को सैन्य मदद देने वाला सबसे बड़ा इकलौता देश है। अमेरिका ने जंग शुरू होने के बाद से यूक्रेन को एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, रॉकेट लॉन्चर, रडार, टैंक और कई एंटी रडार हथियार दिए हैं।

यूक्रेन ने अमेरिका और यूरोप से और सैन्य सहायता मांगी थी। जेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेन को अपने हवाई रक्षा प्रणाली और ड्रोन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है। यूक्रेन ने यूरोपीय सहयोगियों और एक अमेरिकी कंपनी के साथ ड्रोन उत्पादन के लिए समझौते किए हैं। जिससे यूक्रेन को इस साल लाखों ड्रोन मिलेंगे। जेलेंस्की ने सोमवार को टेलीग्राम पर लिखा, जीवन की रक्षा के लिए वायु रक्षा सबसे जरूरी है।

उन्होंने कहा- इसमें इंटरसेप्टर ड्रोन का विकास और प्रोडक्शन भी शामिल है, जो रूस के लंबी दूरी के शाहेद ड्रोन को रोक सकते हैं।

ड्रोन के इस्तेमाल से यूक्रेन को सैनिकों की कमी की भरपाई करने में भी मदद मिली है। रूस ने सोमवार को यूक्रेन पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं। रूसी हमलों में 11 नागरिक मारे गए और 80 से ज्यादा घायल हुए, जिनमें सात बच्चे भी शामिल हैं।

तालिबान नेताओं के खिलाफ आईसीसी ने गिरफ्तारी वारंट जारी किए

महिलाओं पर अत्याचार के आरोप, सुप्रीम लीडर अखुंदजादा और चीफ जस्टिस हक्कानी का नाम शामिल

हेग/काबुल, 9 जुलाई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने 8 जुलाई को तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबातुल्लाह अखुंदजादा और अफगानिस्तान के चीफ जस्टिस अब्दुल हकीम हक्कानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

इन दोनों पर अफगान महिलाओं, लड़कियों और तालिबान की कठोर जेंडर नीतियों का विरोध करने वालों पर अत्याचार करने का आरोप है। ये वारंट मानवता के खिलाफ अपराधों के तहत जारी किए गए हैं।

यह पहली बार है जब आईसीसी ने तालिबान के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ ऐसा कोई कानूनी कदम उठाया है। कोर्ट ने कहा कि 15 अगस्त 2021 से, जब तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता संभाली, तब से लेकर 20 जनवरी 2025 तक महिलाओं और लड़कियों पर कई गंभीर अपराध किए गए। इनमें हत्या, कैद, बलात्कार, यातना और जबरन गायब करना शामिल हैं। ये ज़ुल्म सिर्फ लिंग के आधार पर ही नहीं बल्कि तालिबान विरोधी विचार रखने वालों पर भी हुए।

कोर्ट ने कहा कि तालिबान ने विशेष रूप से लड़कियों और महिलाओं को निशाना बनाया। उन्हें शिक्षा, आवाजाही, निजता और धार्मिक अभिव्यक्ति जैसे बुनियादी अधिकारों से वंचित कर दिया।

वारंट के मुताबिक इन महिलाओं और लड़कियों का समर्थन या तालिबान की नीतियों का विरोध करने वाले लोगों को भी भी सजा दी गई।

आईसीसी ने साफ किया कि 'जेंडर आधारित उत्पीड़न' केवल हिंसा नहीं, बल्कि सरकारी नीतियों और सामाजिक नियमों के जरिए किया गया वह व्यवस्थित उत्पीड़न भी है। यह महिलाओं को बराबरी से वंचित करता है।

हालांकि, गिरफ्तारी वारंट को फिलहाल सील रखा गया है ताकि पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा बनी रहे, लेकिन कोर्ट ने इसकी जानकारी सार्वजनिक करना जरूरी समझा ताकि भविष्य में ऐसे अपराधों को रोका जा सके।

कोर्ट ने कहा कि यह कार्रवाई आईसीसी के उस उद्देश्य का हिस्सा है, जिसमें कमजोर तबकों के खिलाफ हो रहे गंभीर और व्यवस्थित मानवाधिकार हनन को रोका जाए।

आईसीसी ने यह वारंट जारी तो कर दिया है, लेकिन उसके पास संदिग्धों की गिरफ्तारी की शक्तियां नहीं हैं। वह सिर्फ उन देशों में अपने अधिकार का इस्तेमाल कर सकता है, जिन्होंने इस कोर्ट की स्थापना करने वाले समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

अमेरिकी एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए खुशखबरी

अब सुरक्षा जांच के नाम पर नहीं उतारने पड़ेंगे जूते, बदल गया नियम

वॉशिंगटन, 9 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने हवाई अड्डों पर सुरक्षा जांच को लेकर नियम में एक बड़ा बदलाव किया है। अब यात्रियों को सुरक्षा जांच के दौरान जूते नहीं उतारने होंगे। अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव किस्टी नोएम ने मंगलवार 8 जुलाई को इसकी घोषणा की। नोएम ने कहा कि मुझे लगता है कि ज्यादातर अमेरिकी यह देखकर बहुत खुश होंगे कि वे अपने जूते पहने रह पाएंगे और यह एक ज्यादा सुव्यवस्थित प्रक्रिया होगी। उन्होंने बताया कि इसे जरूरी मानक प्रकिया से हटाया जा रहा है। हालांकि, उन्होंने आगे कहा कि अगर हमें लगता है कि अतिरिक्त स्तर की जांच जरूरी है, तो यात्रियों से जूते उतारने के लिए कहा जा सकता है। अमेरिकी परिवहन सुरक्षा प्रशासन (टीएसए) ने लगभग दो दशकों से सुरक्षा जांच के दौरान अमेरिकी

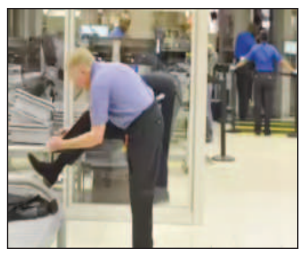

यात्रियों के लिए जूते उतारने को अनिवार्य कर रखा था। नई नीति मंगलवार से देशभर में लागू हो गई है और जिन हवाई अड्डों पर जूते उतारने की अनिवार्यता पहले ही हटा दी गई है, उनमें बाल्टीमोर, फोर्ट लॉडरडेल और पोर्टलैंड के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे शामिल हैं।

टीएसए ने अगस्त 2006 में इस नीति को लागू किया था, जिसके तहत यात्रियों को विस्फोटकों की जांच के लिए जूते उतारने पड़ते थे। यह फैसला 9/11 के घातक हमलों के लगभग 5 साल बाद आया था, जब एक ब्रिटिश व्यक्ति रिचर्ड रीड ने पेरिस से मियामी जा रही फ्लाइट में अपने एक जूते में बम को छिपा लिया था।

हसीना ने प्रदर्शनकारियों को गोली मारने का आदेश दिया था

तख्तापलट से पहले अफसर से बातचीत का ऑडियो लीक, बोलीं– जहां दिखे, गोली मार दो

ढाका, 9 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का एक अज्ञात सरकारी अफसर से बातचीत का ऑडियो लीक हो गया है। बीबीसी ने ऑडियो की पुष्टि करते हुए दावा किया है कि पिछले साल तख्तापलट से पहले पूर्व पीएम ने छात्र प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई का आदेश दिया था।

फोन कॉल पर शेख हसीना ने कहा, 'मैंने उन सभी को आज रात गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। सबको कह दिया गया है, जहां भी आपको वे (प्रदर्शनकारी) दिखें, उन्हें पकड़ लीजिए। मैंने अब खुला आदेश जारी कर दिया है। अब वे घातक हथियारों का उपयोग करेंगे। वे जहां भी दिखेंगे, उनको गोली मार देंगे।'

यह ऑडियो 18 जुलाई, 2024 को ढाका में बांग्लादेशी पीएम के आवास से की गई एक फोन कॉल के दौरान रिकॉर्ड किया गया था। 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश में तख्तापलट हुआ था। हसीना का ऑडियो इस साल मार्च में लीक हुआ। बीबीसी ने पुलिस दस्तावेजों का हवाला देते हुए बताया कि इस कॉल के बाद, ढाका में मिलिट्री-ग्रेड राइफलों का इस्तेमाल किया गया। जुलाई 2024 में बांग्लादेश में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान लगभग 1,400 लोग मारे गए थे। पूर्व प्रधानमंत्री पर प्रदर्शनों के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध का भी आरोप है।

बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में कोटा सिस्टम को लेकर छात्रों का बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ था। 5 अगस्त, 2024 को भीड़ ने ढाका में पीएम आवास पर हमला कर दिया। हालांकि, इससे पहले ही

हसीना ने पद और देश, दोनों छोड़ दिया। वे हेलिकॉप्टर से भागकर भारत आ गई थीं। हसीना पर विद्रोह के दौरान सामूहिक हत्याओं का आरोप है। बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल (आईटीसी) में उनके खिलाफ मुकदमा चल रहा है। ट्रिब्यूनल ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था और इस साल 12 फरवरी तक पेश होने का निर्देश दिया था। हालांकि, हसीना अभी भारत में ही हैं। 2 जुलाई को आईटीसी ने अदालत की अवमानना के मामले में हसीना को छह महीने जेल की सजा सुनाई गई।

यूएई का गोल्डन वीजा क्या सिर्फ भारतीयों के लिए है?

सरकार ने दी सफाई, बताया क्या है लाइफटाइम रेजीडेंसी के कार्यक्रम का नियम

दुबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। यूएई की सरकार ने अपने गोल्डन वीजा प्रोग्राम को सिर्फ की सिर्फ भारत या चुनिंदा देशों के लिए होने की बात को नकार दिया है। यूएई के नागरिकता, सीमा शुल्क और बंदरगाह सुरक्षा प्राधिकरण (आईसीपी) ने उस रिपोर्ट का खंडन किया है, जिसमें कहा गया है कि यूएई कुछ राष्ट्रीयताओं के लिए आजीवन गोल्डन वीजा लाया है। आईसीपी ने स्पष्ट किया कि यूएई गोल्डन वीजा आवेदन केवल आधिकारिक सरकारी चैनलों के जरिए प्रबंधित किए जाते हैं।

गोल्डन वीजा की श्रेणियां, शर्तें और नियंत्रण यूएई के कानून और मंत्रिस्तरीय निर्णयों के अनुसार तय किए जाते हैं।

आईसीपी ने कहा कि उन्हें कुछ स्थानीय और विदेशी मीडिया और वेबसाइटों में प्रसारित हो रही

अफवाहों के बारे में पता चला है। हम साफ करना चाहते हैं कि यूएई गोल्डन वीजा आवेदन में कोई भी आंतरिक या बाहरी सलाहकार निकाय आवेदन प्रक्रिया में स्वीकृत पार्टी नहीं माना जाता है। आईसीपी ने अपने बयान में किसी देश का नाम नहीं लिया है लेकिन रिपोर्ट्स में इस तरह की बातें कही गई थीं कि ये वीजा सिर्फ भारतीयों को दिया जा सकता है। इस पर यूएई की ओर से सफाई आई है।

अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई करेंगे

आईसीपी ने कहा कि वे उन संस्थाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे, जिन्होंने आजीवन यूएई गोल्डन वीजा के बारे में अफवाहें फैलाईं। यूएई गोल्डन वीजा के बारे में जानने के लेएए लोग आधिकारिक वेबासइट पर ही जाएं। आईसीपी ने कहा कि वे सभी को एक सुरक्षित और स्पष्ट वातावरण प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। यूएई ने यह भी स्पष्ट किया है कि डिजिटल मुद्रा निवेशकों को गोल्डन वीजा प्राप्त करने का मौका नहीं मिलेगा।

संयुक्त अरब अमीरात ने हाल ही में नोमिनेशन बेस गोल्डन वीजा योजना का ऐलान किया है। गोल्डन वीजा हासिल करने के लिए एक लाख दिरहम यानी 23.3 लाख भारतीय रुपए की फीस एकमुश्त जमा करनी होगी। यानी 23 लाख रुपए देकर उम्रभर के लिए दुबई में रहने का मौका मिल सकता है। इस वीजा परीक्षण के पहले फेज के लिए भारत और बांग्लादेश को चुना गया है।

कश्मीर में हमने बहाया खून

लश्कर–ए–तैयबा कमांडर ने बेनकाब किया पाकिस्तान का आतंकी चेहरा, फैसल नदीम ने कबूला सच

इस्लामाबाद, 9 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में इसी साल 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के अंदर मौजूद आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद पाकिस्तान तिलमिला उठा था और उसने कश्मीर में आतंकवादियों को भेजने के पीछे अपना हाथ होने से इनकार कर दिया था। पाकिस्तान ने कहा कि भारत उस पर हमला करने का बहाना ढूढ़ने के लिए आरोप लगा रहा है। हालांकि, अब पाकिस्तानी सेना की छत्रछाया में पल रहे शीर्ष आतंकी कमांडर ने खुद की कबूल किया है कि वह जम्मू-कश्मीर में भारत के खिलाफ आतंकी भेजता रहा है।

लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर फैसल नदीम ने हाल ही में पाकिस्तानी सेना के समर्थन में हुई रैली में हिस्सा लिया था। इस दौरान उसने भारत और जम्मू-कश्मीर को लेकर जहर उगला और कश्मीर में आतंकी भेजने की बात कबूली। रैली में बोलते हुए नदीम ने कहा, 'हम उन लोगों में से हैं, जिनके लोगों का खून कश्मीर के चप्पे-चप्पे पर है।

कोई गांव ऐसा नहीं, कोई शहर ऐसा नहीं, कोई इलाका ऐसा नहीं, जहां हमारे किसी शहीद का खून मौजूद न हो।' फैसल नदीम की गिनती लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडरों में होती है।

यूक्रेन पर रातभर दागे 728 ड्रोन और 13 मिसाइलें

रूस का अब तक का सबसे बड़ा हमला, पुतिन के भीषण वार से तेज होगी जंग

कीव, 9 जुलाई (एजेंसियां)। रूस ने यूक्रेन पर भीषण ड्रोन और मिसाइल हमला किया है। बुधवार को हुआ हमला दोनों देशों के बीच चल रहे युद्ध का अब तक का सबसे बड़ा अटैक माना जा रहा है। यूक्रेन की वायु सेना ने बताया है कि रूस ने एक रात में रिकॉर्ड 728 ड्रोन भेजकर उनके शहरों को निशाना बनाया। ड्रोन के अलावा 13 मिसाइलें भी यूक्रेन पर दागी गईं। यूक्रेन की सेना ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम की मदद से रूस के 718 ड्रोन और सात क्रूज मिसाइलों को नष्ट करने का दावा किया है।

रूस का यह ड्रोन और मिसाइल हमला यूक्रेन के पश्चिमी शहर लुत्स्क पर हमला हुआ। कई रूसी ड्रोन और बैलिस्टिक

मिसाइलों ने यूक्रेन के दूर-पश्चिम क्षेत्रों को भी निशाना बनाया। स्थानीय मीडिया ने लुत्स्क, ल्वीव, खमेलनित्सकी और टेरनोपिल शहरों में ड्रोन देखे जाने और धमाके सुने जाने की बात कही है। वोलिन ओब्लास्ट के मेयर इवान रुडनित्स्की ने कहा कि रूस ने लुत्स्क को बड़े पैमाने पर निशाना बनाया।

यूक्रेनी एयरफोर्स ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि रूस ने बीती रात यूक्रेन पर 728 शाहिद और डिकॉय ड्रोन से हमला किया और 13 मिसाइलें दागीं। बयान में कहा गया है कि रूस के अधिकतर हमले पोलैंड और बेलारूस से लगी सीमा पर स्थित पश्चिमी वोलिन क्षेत्र और उसकी राजधानी लुत्स्क को निशाना बनाकर किए गए।

लुत्स्क में यूक्रेनी सेना के हवाई अड्डे हैं। मालवाहक विमान और लड़ाकू विमान नियमित रूप से शहर के ऊपर से उड़ान भरते हैं। माना जा रहा है कि रूस ने इस ड्रोन हमले में यूक्रेन के एयरबेस को निशाने बनाने की कोशिश की है। अभी तक हमले में किसी के हताहत होने की तत्काल सूचना नहीं है। फिलहाल बचाव दल नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

आर्मेनिया की नेशनल असेंबली में सांसदों के बीच मारपीट

येरेवन, 9 जुलाई (एजेंसियां)। आर्मेनिया की नेशनल असेंबली (संसद) में मंगलवार को सत्तापक्ष और विपक्ष के सांसदों में जमकर मारपीट और गाली गलौच हुई। आर्मेनिया में पहले से ही तनावपूर्ण राजनीतिक माहौल इस घटना के बाद और गर्मा गया।

इस मामले की शुरुआत तब हुई जब विपक्षी सांसद आर्तुर सर्गस्यान की संसदीय छूट (इम्युनिटी) खत्म करने और गिरफ्तारी को लेकर एक प्रस्ताव पर बहस हो रही थी। सत्ताधारी दल ने सर्गस्यान पर आपराधिक आरोपों का हवाला देकर उनकी संसदीय छूट खत्म कर गिरफ्तारी की मांग की। हालांकि, इन आरोपों की डिटेल नहीं दी गई। विपक्ष ने इस प्रस्ताव को बदले की भावना से प्रेरित और विपक्ष की आवाज कुचलने की कोशिश करार दिया। सत्र शुरू होने के बाद जल्द ही गाली-गलौज, धक्का-मुक्की और फिर हाथापाई शुरू हो गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सांसद एक-दूसरे पर मुक्के चलाते और बोतलें फेंकते दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद सिक्योरिटी गार्ड्स ने दखल देकर मामले को कंट्रोल किया।अपनी स्पीच में सर्गस्यान ने कहा कि आर्मेनिया तानाशाही का गढ़ बन गया है, जहां सब कुछ पहले से तय, लिखित और मंजूर होता है। प्रधानमंत्री निकोल पशिनयान की सरकार विपक्षी नेताओं पर तख्तापलट की कोशिश का आरोप लगाकर कार्रवाई कर रही है।

मदन राठौड़ का अशोक गहलोत पर पलटवार

कहा- अधिकारी के डंडे पर झंडा हमारा है, लगाम सरकार ही कसती है

जयपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हालिया बयान पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कड़ा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अधिकारी चाहे कहीं भी तैनात हो, वो अधिकारी ही रहता है। लेकिन उस पर नियंत्रण रखने का काम सरकार का होता है। उन्होंने तंज कसा कि अधिकारियों के लिए मुझे ऐसा शब्द नहीं कहना चाहिए, लेकिन जैसे एक तगड़ा घोड़ा होता है, वैसे ही उसे चलाने वाला सवार होता है। भाजपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान राठौड़ ने कहा कि आज अफसरों के डंडे में भाजपा का झंडा लगा हुआ है, कांग्रेस का झंडा उतर चुका है। अब वे हमारे निर्देश पर काम कर रहे हैं। सरकार हमारी है और पूरी मजबूती से चल रही है। बजरी खनन माफिया को लेकर भी राठौड़ ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बजरी माफिया कांग्रेस की ही देन हैं। उनकी सरकार में हमने बार-बार बजरी के ठेके देने की मांग की, लेकिन पार्टी के अंदरूनी हितों के चलते ठेके नहीं दिए गए और अवैध रूप से बजरी बिकती रही। पूर्व सीएम गहलोत पर निशाना साधते हुए राठौड़ ने कहा कि उन्हें लगता है कि अगर वे कुछ नहीं बोले तो उनकी राजनीतिक जमीन खिसक जाएगी। गहलोत सिर्फ मुंगेरीलाल के सपने देख रहे हैं। उनके चाहने या न चाहने से कुछ नहीं होगा। भजनलाल शर्मा ही हमारे मुख्यमंत्री हैं और वही रहेंगे। राठौड़ ने यह भी कहा कि गहलोत का बयान केवल सियासी अस्तित्व बनाए रखने की कोशिश है और जनता अब कांग्रेस की असलियत पहचान चुकी है। भारतीय जनता पार्टी ने गुरु पूर्णिमा को सनातन संस्कृति के सम्मान

और संरक्षण के अवसर के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रदेश के हर जिले, कस्बे और ग्राम पंचायत स्तर पर भाजपा के जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी साधु-संतों, कथा वाचकों, पुजारियों, ग्रंथियों और धर्माचार्यों का सम्मान करेंगे। इस आयोजन के माध्यम से पार्टी का उद्देश्य न केवल गुरु परंपरा को आदर देना है, बल्कि नवयुवकों को भारतीय संस्कृति की जड़ों से जोड़ने की प्रेरणा देना भी है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति की आत्मा गुरु परंपरा में ही निहित है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने यह निर्णय लिया है कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भाजपा के हर स्तर के पदाधिकारी चाहे वे प्रदेश अध्यक्ष हों या बूथ कार्यकर्ता, मुख्यमंत्री हों या पार्षद अपने-अपने क्षेत्र के धार्मिक स्थलों में जाकर संतजनों का आदरपूर्वक सम्मान करेंगे।

राठौड़ ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत मठ, मंदिर, गुरुद्वारा, आश्रम और जैन-धर्मस्थलों पर जाकर संत महात्माओं का श्रीफल, शॉल और माला से बहुमान किया जाएगा। साथ ही सेवाधारियों और ग्रंथियों का भी यथोचित सम्मान किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि यह आयोजन सिर्फ श्रद्धा का प्रदर्शन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जागरण की दिशा में एक ठोस पहल है।

गुरु पूर्णिमा आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए एक प्रदेश स्तरीय वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने की। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, सभी 44 जिलाध्यक्षों और पार्टी पदाधिकारियों ने भाग लिया। डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की मंशा के अनुसार यह कार्यक्रम न केवल सनातन संस्कृति के प्रति आदरभाव को दर्शाता है, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करने का भी कार्य करेगा।

पेपर लीक मामले में नया मोड़

पूर्व आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा का भांजा गिरफ्तार

जयपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस उपनिरीक्षक (SI) भर्ती परीक्षा 2021 में हुए पेपर लीक मामले में एसओजी ने एक और बड़ी गिरफ्तारी की है। इस बार शिकंजा कसा है तत्कालीन राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) सदस्य बाबूलाल कटारा के भांजे विजय कुमार डामोर पर। एसओजी के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त विजय कुमार डामोर (33), निवासी गांव वागदरी, थाना सदर डूंगरपुर, जिला डूंगरपुर, अपने मामा बाबूलाल कटारा के साथ अजमेर स्थित सरकारी निवास पर रहता था।

एडीजी एटीएस एवं एसओजी वी.के. सिंह ने बताया कि बाबूलाल कटारा को उस समय RPSC सदस्य के रूप में SI भर्ती परीक्षा 2021 के प्रश्नपत्रों की उत्तर कुंजी तैयार करवाने की जिम्मेदारी मिली थी। इसी दौरान कटारा ने परीक्षा से लगभग 35 दिन पहले तीनों दिन के प्रश्न पत्र और उत्तर सरकारी आवास पर मंगवाकर विजय डामोर को सौंपे।

एडीजी सिंह ने बताया कि बाबूलाल कटारा ने विजय कुमार से एक लाइनदार रजिस्टर में सभी प्रश्नों और उत्तरों की नकल करवाई। उस रजिस्टर की कई प्रतियां बनवाकर अन्य अभ्यर्थियों तक पहुंचाई गईं। मूल रजिस्टर विजय कुमार डामोर को दिया गया, ताकि वह परीक्षा की तैयारी कर सके। डामोर ने उसी लीक पेपर से SI परीक्षा दी थी।

जांच के आधार पर विजय कुमार डामोर को आज आठ जुलाई 2025 को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में अब तक कुल 113 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले की जांच जारी है और अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

सीकर की छात्रा ने डोटासरा के क्षेत्र में विकास के दावों की खोली पोल

दिल्ली तक वायरल हो रहा वीडियो

सीकर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गाड़ोदा गांव में बारिश के बाद हुए जलभराव ने ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है। इस समस्या को उजागर करता एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें गांव की एक स्कूली छात्रा शिवानी ने जलभराव के बीच से गुजरते हुए नेताओं पर कटाक्ष किया है। बता दें, यह गांव राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और लक्ष्मणगढ़ से लगातार चार बार विधायक रहे गोविंद सिंह डोटासरा के निर्वाचन क्षेत्र में आता है। वीडियो में शिवानी ने गांव की दयनीय स्थिति को बयां करते हुए विकास के खोखले वादों और नेताओं के झूठे दावों की पोल खोली है। शिवानी ने अपने वीडियो में गांव की बदहाल स्थिति को बयां करते हुए कहा कि यही है वह विकास, जिसका वादा हमसे किया गया था। थोड़ी सी बारिश में हमारा गांव नदी में बदल जाता है। शिवानी ने व्यंग्यात्मक लहजे में नेताओं की अनदेखी पर सवाल उठाए। उसने कहा कि चुनाव के समय नेता बार-बार गांव में आते हैं, लेकिन अब उन्हें पता भी नहीं कि गांव में क्या हो रहा है। ग्रामीण भी नारे लगाते हैं, 'नेताजी तुम संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं,' लेकिन असल में संघर्ष तो हमें करना पड़ता है। नेता तो ऐसी में बैठे रहते हैं। वीडियो में शिवानी ने गांव में खराब जनरेटर और जलभराव के बीच खड़े बिजली के डीपी जैसे सुरक्षा जोखिमों को भी उजागर किया, जो ग्रामीणों के लिए खतरा बने हुए हैं। उसने तंज कसते हुए कहा कि नेताजी के भरोसे चाहे कोई मरे, चाहे कोई जिए, वे तो मौज करते हैं।

मुख्यमंत्री के खिलाफ की जा रही टिप्पणी

हनुमान बेनीवाल पर रेवंतराम डांगा ने साधा निशाना

नागौर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले की खींवसर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के विधायक रेवंतराम डांगा ने नागौर लोकसभा सीट से राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सांसद हनुमान बेनीवाल पर हमला बोला है। डांगा ने बेनीवाल द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के खिलाफ की जा रही टिप्पणियों को 'निम्न स्तर की बयानबाजी' करार देते हुए कड़े शब्दों में निंदा की।

बता दें, यह विवाद तब शुरू हुआ, जब बेनीवाल ने जयपुर के शहीद स्मारक से लगातार मुख्यमंत्री पर निशाना साधा। डांगा ने कहा कि एक चुने हुए जनप्रतिनिधि से मर्यादित व्यवहार की अपेक्षा की जाती है, लेकिन बेनीवाल अपनी हार के बाद से तिलमिलाए हुए हैं और अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।

उन्होंने बेनीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस की बैसाखियों पर सवार होकर दिल्ली पहुंचे नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल द्वारा जयपुर के पवित्र शहीद स्मारक से प्रतिदिन माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लेकर की जा रही निम्न स्तर की बयानबाज़ी अत्यंत निंदनीय है। एक चुने हुए जनप्रतिनिधि से अपेक्षा की जाती है कि वह मर्यादा में रहकर जनहित की बात करे, लेकिन जब अहंकार से भरे नेताजी को जनता ने खींवसर में घर बैठा दिया, तभी से वे तिलमिलाकर अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ लोकतंत्र में एक चुने हुए जनप्रतिनिधि का इस प्रकार तुच्छ और अशोभनीय भाषा का प्रयोग करके सस्ती लोकप्रियता बटोरने का प्रयास, जनता अब भलीभांति समझ चुकी है। सरकारी आवास, जो कि किसी लोकसेवक के लिए कर्तव्यों से जुड़ी अस्थायी व्यवस्था होती है, उसे अपना अधिकार समझकर कब्ज़ा जमाना और फिर नियमों के तहत नोटिस मिलने पर उसे राजनीतिक द्वेष बताना– यह नैतिकता का ढोंग नहीं तो और क्या है?

डांगा ने कहा कि राजनीति में पक्ष-विरोध का अपना स्थान होता है, लेकिन अपने खोए हुए जनाधार के लिए उसी जनता को दोषी ठहराना, जिसने उन्हें 2008 से लगातार वोट दिए हैं, बिल्कुल अनुचित है।

बीजेपी विधायक ने कहा कि आज राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में गरीब, किसान, महिला, युवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हो रहा है; यही देखकर पूरा विपक्ष बौखलाया हुआ है। मैं सांसद महोदय द्वारा मुख्यमंत्री को लेकर की गई अशोभनीय टिप्पणियों की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं।

इधर, जयपुर के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) और संपदा विभाग ने उन्हें 11 जुलाई तक आवास खाली करने का अल्टीमेटम दिया है। नोटिस केवल बेनीवाल तक सीमित नहीं है, उनके भाई और पूर्व विधायक नारायण बेनीवाल तथा पूर्व विधायक पुखराज गर्ग को भी इसी तरह का नोटिस जारी किया गया है। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई पूर्व विधायकों द्वारा सरकारी आवास पर अनधिकृत कब्जे के चलते की गई है। हनुमान बेनीवाल की मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं। हाल ही में उनके नागौर स्थित निजी आवास का बिजली कनेक्शन 11 लाख रुपये से अधिक के बकाए के कारण काट दिया गया। इस घटना ने उनकी राजनीतिक और व्यक्तिगत मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। डांगा ने बेनीवाल के इस रवैये को 'नैतिकता का ढोंग' करार देते हुए कहा कि जनता ने उन्हें 2008 से लगातार समर्थन दिया, लेकिन अब वे उसी जनता को दोषी ठहरा रहे हैं।'

गहलोत राज के अंतिम 6 माह के निर्णयों की समीक्षा

फिर टली, 2 माह बढ़ाया मंत्रियों ने समिति का कार्यकाल

जयपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सरकार के समय अंतिम छह माह में मंत्रिमंडल के निर्णयों की समीक्षा की समय सीमा समाप्त होने का नाम ही नहीं ले रही। मंत्रिमंडलीय उपसमिति ने विभागों से दो माह में अपने स्तर पर रिव्यू कर ब्यौरा भेजने को कहा है। मंत्रियों की उपसमिति ने अपनी समय सीमा दो माह और बढ़ाने का निर्णय किया है। मंत्रिमंडलीय उपसमिति की सचिवालय में गहलोत राज के आखिरी छह माह के निर्णयों की समीक्षा के लिए बैठक की। उपसमिति ने जमीन आवंटन के लिए लीज जमा नहीं कराने वालों से सम्बन्धित प्रकरणों का ब्यौरा तैयार करने को कहा। उपसमिति के अध्यक्ष स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि हमने विभागों को मामले भेज दिए हैं, जिन पर रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट आने के बाद फैसला लिया जाएगा।

विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा, जमीन आवंटन से जुड़े कई बड़े मामलों की समीक्षा की है। जिन मामलों में लीज जमा करवाकर कब्जा ले लिया है, उनका अलग ब्यौरा तैयार करने को कहा गया है और जहां कब्जा नहीं लिया गया है उनका अलग ब्यौरा तैयार करने को कहा है। रिपोर्ट आने के बाद समिति सिफारिश भेजेगी।

पुलिस और युवकों के बीच फायरिंग

2 की मौत, एक पुलिसकर्मी घायल

श्रीगंगानगर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर के अबोहर में कपड़ा व्यापारी संजय वर्मा हत्याकांड से जुड़े आरोपियों को पकड़ने गई पुलिस टीम की सोमवार दोपहर बहावलवासी रोड पर कुछ युवकों से मुठभेड़ हो गई। फायरिंग के दौरान दो युवकों की मौत हो गई, जबकि सिटी वन थाने का हेड कांस्टेबल मनिंदर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूत्रों के अनुसार, ये युवक संजय वर्मा हत्याकांड में शामिल बताए जा रहे हैं, हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है कि ये दोनों किस गैंग से जुड़े थे। एडीजीपी द्वारा सोमवार सुबह दो आरोपियों की गिरफ्तारी के खुलासे के बाद यह मुठभेड़ हुई है।

पुलिस ने बताया कि मौके पर भारी फोर्स तैनात की गई है। पंजपीर नगर क्षेत्र में डीएसपी सुखविंदर सिंह, थाना प्रभारी प्रमिला सिधू, परमजीत कुमार, सुनील कुमार और सीआईए स्टाफ के रूपेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात हैं।

पुलिस अधिकारी मुठभेड़ की परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं और यह स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है कि मारे गए युवक किस गिरोह से जुड़े थे और इनका संजय वर्मा हत्याकांड से सीधा संबंध था या नहीं।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के काफिले को यूथ कांग्रेस ने दिखाए काले झंडे, कई कार्यकर्ता हिरासत में

धौलपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ यूथ कांग्रेस का आक्रोश धौलपुर में खुलकर सामने आया, जब केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह के दौरे के दौरान यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन उस समय हुआ जब मंत्री पुलिस लाइन से नगर परिषद ग्राउंड में नव-निर्मित विज्ञान केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सड़क मार्ग से गुजर रहे थे।

जगदीश तिराहा चौराहे पर यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता पहले से मौजूद थे। जैसे ही मंत्री का काफिला वहां से गुजरा, प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए काले झंडे लहराना शुरू कर दिया। कार्यकर्ताओं ने "वापस जाओ" और "जनविरोधी सरकार नहीं चलेगी" जैसे नारे लगाते हुए केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर नाराजगी जताई। मौके पर तैनात पुलिस बल ने तुरंत स्थिति संभाली और प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, करीब छह यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को शांतिभंग की आशंका में पकड़ा गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। वहीं, यूथ कांग्रेस नेताओं ने अपने विरोध को पूरी तरह शांतिपूर्ण बताया और कहा कि यह प्रदर्शन केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों और युवाओं की बेरोजगारी के मुद्दों को लेकर किया गया था।

इधर, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने धौलपुर विज्ञान केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया।

उधार मांगना पड़ा भारी दंपति ने पहले रची साजिश

फिर युवक को पहाड़ों पर ले जाकर तौलिए से घोंटा गला

अलवर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली-बहरोड़ राजन दुष्यंत ने बताया कि विराटनगर थाना क्षेत्र की तेवडी घाटी में मिले व्यक्ति के शव की घटना का खुलासा करने के लिए एएसपी वैभव शर्मा के निर्देशन, वृताधिकारी विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन में थाना प्रभारी सोहन लाल एवं मैड चौकी प्रभारी कश्मीर सिंह के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया था। टीम ने महज 24 घंटे में घटना पर्दाफाश करते हुए हत्या के आरोपी दंपति डालचन्द बलाई व रोशनी देवी निवासी गुढ़ा चुरानी थाना थानागाजी को गिरफ्तार किया है। विराटनगर सीओ ने बताया कि सोमवार को पुलिस को तेवड़ी घाटी में एक जने का शव पड़ा होने की सूचना मिली। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची व शव को विराटनगर सीएचसी की मोर्चरी में रखवा कर शिनाख्त करवाई।

बैंक मैनेजर ने साथियों के साथ एक युवक को उतारा मौत के घाट

शराब पार्टी में रची थी साजिश

झुंझुनू, 9 जुलाई (एजेंसियां)। झुंझुनू जिले से एक रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया है। यहां शराब के नशे में चूर पांच लोगों ने एक अज्ञात युवक को सिर्फ इस शक में मौत के घाट उतार दिया कि उनको लगा कि वो उनकी रेकी कर रहा है। हत्या की इस खौफनाक वारदात में शामिल हैं एक नामी बैंक का मैनेजर, उसका ड्राइवर और तीन स्थानीय लोग। युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, लेकिन पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए पांचों आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। मामले में अभी तक बड़ा लोचा है कि जिस व्यक्ति की हत्या हुई उसकी पहचान घटना के तीन दिन बाद अभी तक नहीं हुई हैं, हालांकि पुलिस शिनाख्त के लिए मशक्कत करने का दावा कर रही हैं।

पुलिस कप्तान देवेंद्र सिंह राजावत ने ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए बताया कि यह सनसनीखेज घटना झुंझुनूं जिले के पचेरी कलां थाना क्षेत्र के बालाजी धर्मकांटा के पास 5 जुलाई की रात घटी थी। बैंक का मैनेजर कार्तिक शर्मा, उसका ड्राइवर सुनील, ईंट भट्टा मालिक सुरेंद्र उर्फ बल्लू यादव, उसका भांजा धनंजय उर्फ कालू, और धर्म कांटे पर काम करने वाला विक्रम गुर्जर, शराब के नशे में धुत होकर पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान एक अनजान युवक वहां पहुंचा। युवक से जब नाम पूछा गया और उसने जवाब नहीं दिया, तो आरोपियों को शक हुआ कि वह किसी इरादे से आया है। उन्हें लगा कि वह उनकी रेकी (जासूसी) कर रहा है। इसके बाद नशे में धुत पांचों आरोपियों ने मिलकर उसे बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। मारपीट इतनी खौफनाक थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

बैंक ऑफ बड़ौदा के मैनेजर के घर सुबह-सुबह सीबीआई का छापा

रिश्वत के मामले में हो चुके गिरफ्तार

जोधपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। सीबीआई ने जोधपुर में मंडोर क्षेत्र के नागौरी बेरा में बैंक ऑफ बड़ौदा के शाखा प्रबंधक के घर बुधवार सुबह दबिश दी और अनेक दस्तावेज कब्जे में लिए। बैंक मैनेजर ने आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित कर रखी है। नागौरी बेरा निवासी विवेक कच्छवाहा बैंक ऑफ बड़ौदा का शाखा प्रबंधक है।

18 फरवरी को बापिणी तहसील के रायमलवाडा गांव में सीबीआई ने बैंक ऑफ बड़ौदा के शाखा प्रबंधक को 18 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने रिश्वत लेने की एफआईआर दर्ज कर सम्पत्तियों की जांच की थी। इस दौरान आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने का पता लगा था। इस पर सीबीआई ने आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित करने की एक और एफआइआर दर्ज की है।

जांच अधिकारी के नेतृत्व में सीबीआई ने सुबह नागौरी बेरा स्थित प्रबंधक के मकान में छापा मारा। सम्पत्ति संबंधी अनेक दस्तावेज कब्जे में लिए गए हैं। फिलहाल कार्रवाई जारी है।

75 वर्ष के बुजुर्ग से 23 लाख की ठगी का खुलासा

गैंग का मास्टरमाइंड बेंगलुरु से गिरफ्तार

जयपुर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर की सिटी साइबर क्राइम पुलिस ने बेंगलुरु से एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो डिजिटल अरेस्ट ठगी मामले में शामिल था। इस मामले में जयपुर के 75 वर्षीय बुजुर्ग से 23.56 लाख रुपये की ठगी की गई थी। बता दें कि आरोपी सनी कुमार शर्मा को इस अंतरराज्यीय साइबर अपराध गिरोह का मास्टरमाइंड माना जा रहा है, जिसने कई शहरों में इसी तरह लोगों को ठगा है। यह ठगी 23 मई को शुरू हुई, जब पीड़ित को खुद को मुंबई पुलिस अधिकारी बताने वाले व्यक्ति का फोन आया। कॉलर ने बुजुर्ग पर मनी लॉन्ड्रिंग केस में शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि उनके नाम पर खरीदे गए मोबाइल नंबर से 2.80 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग हुई है। उन्हें यह भी कहा गया कि उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हो गया है।

दो शिक्षक फ्लैट में बना रहे थे एमडी ड्रग्स

एनसीबी ने दबिश देकर किया गिरफ्तार

12 करोड़ की कर चुके सप्लाई

श्री गंगानगर, 9 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर में नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जोधपुर ने श्रीगंगानगर के हनुमानगढ बाइपास के पास स्थित आवासीय कॉलोनी के एक फ्लैट में दबिश देकर मेफेड्रोन एमडी ड्रग्स बनाने की लैब पकड़ी। 780 ग्राम एमडी ड्रग्स, विभिन्न रसायन व उपकरण जब्त कर दो शिक्षकों को गिरफ्तार किया गया। जब्त ड्रग्स की कीमत 2.34 करोड़ रुपए आंकी गई है। दोनों शिक्षक दो महीने में 15 करोड़ रुपए की पांच किलो ड्रग्स बना चुके हैं। आश्चर्यजनक रूप से आवासीय क्षेत्र के बीचों-बीच फ्लैट में एमडी ड्रग्स बनाने की प्रयोगशाला चल रही थी, लेकिन स्थानीय पुलिस को भनक तक नहीं लग पाई।

एनसीबी के क्षेत्रीय निदेशक घनश्याम सोनी ने बताया कि श्रीगंगानगर के रिद्धि-सिद्धि एनक्लेव के पास ड्रीम होस अपार्टमेंट के एक फ्लैट में मेफेड्रोन (मेथाइलमेथकैथिनोन ड्रग्स) बनाने की गोपनीय लैब संचालित होने की सूचना मिली। इसे आम बोलचाल की भाषा में एमडी ड्रग्स कहा जाता है। ब्यूरो ने फ्लैट में दबिश दी। तलाशी लेने पर ड्रग्स बनाने की लैब और उपकरण देख ब्यूरो के अधिकारी भी चौंक गए। मौके से ड्रग्स बनाने के रसायन और लैब में ड्रग्स बनाने के कई उपकरण जब्त किए गए। एनडीपीएस एक्ट में एफआइआर दर्ज कर श्रीगंगानगर में रायसिंहनगर निवासी मनोज पुत्र हंसराज भार्गव व साधुवाली गांव निवासी इन्द्रजीत पुत्र राजूराम बिश्नोई को गिरफ्तार किया गया। आरोपी मनोज मुकलावा राजकीय सीनियर सैकण्डरी स्कूल में वर्ष 2020 से विज्ञान का शिक्षक है।

गांधी भवन में 'मंत्री से मिलिए' कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री विवेक ने आज कहा कि राज्य में विधानसभा क्षेत्रों को लेकर पार्टी नेताओं के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है और उन्होंने सुझाव दिया कि पार्टी के विकास के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। हैदराबाद के गांधी भवन में आयोजित 'मंत्री से मिलिए' कार्यक्रम में लोगों के अनुरोध प्राप्त करने वाले मंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से बात की और कुछ समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए, मंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की और कहा कि बीआरएस पार्टी के शासन में पिछले 10 वर्षों से लोगों को मंत्रियों से बात करने का अवसर नहीं मिला, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी के शासन में लोगों को मंत्रियों से खुलकर मिलने का अवसर मिला है। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस सरकार के दौरान पुलिस सुरक्षा थी और कहा कि उनकी सरकार ने अब तक किसी के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया है। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने प्रसिद्ध धरना चौक को हटा दिया था, लेकिन उनकी सरकार ने सभी लोगों को धरना देने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक शासन प्रदान करेगी।विवेक ने बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर की इस झूठ को फैलाने के लिए आलोचना की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पशमिलाराम फैक्ट्री दुर्घटनास्थल पर नहीं गए और याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर अपने शासनकाल में कोंडागट्टू बस दुर्घटना स्थल पर नहीं गए थे।

उन्होंने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार की पहल पर मंत्रियों के साथ आमने-सामने की बैठक आयोजित की गई थी और कहा कि मंत्री के साथ आमने-सामने की बैठक का उद्देश्य समय-समय पर जन समस्याओं का समाधान करना था। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने आदेश दिया था कि मंत्री और विधायक जनता के बीच रहें। उन्होंने कहा कि गिग वर्कर्स कानून लागू करने की तैयारी चल रही है और गिग वर्कर्स के अधिकारों के लिए कदम उठाए जाएँगे।

सीबीआई ने डीए जांच में रेलवे अधिकारी के खिलाफ दर्ज किया मामला

कार्यालय अधीक्षक और उनकी पत्नी जांच के घेरे में

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दक्षिण मध्य रेलवे के एक अधिकारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। सीबीआई, हैदराबाद ने दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन के संचालन भवन में वरिष्ठ डीपीओ कार्यालय के कार्यालय अधीक्षक एआर राजा शेखर और उनकी पत्नी ए. नवनीत के खिलाफ मामला दर्ज किया। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि यह मामला इस आरोप पर दर्ज किया गया था कि आरोपी ने 2017 से 2023 के बीच कार्यालय अधीक्षक के रूप में काम करते हुए जानबूझकर 1.54 करोड़ रुपये से अधिक के आर्थिक संसाधन और संपत्ति अर्जित करके खुद को और अपने परिवार के सदस्यों को अवैध रूप से समृद्ध किया, जो उसकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक है, जिसका वह संतोषजनक हिसाब नहीं दे सकता है। सीबीआई ने तेलंगाना में छह स्थानों पर तलाशी ली और 29 दस्तावेज और भौतिक वस्तुएं जब्त कीं। एफआईआर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13 (2) के साथ 13 (1) ई और भारत न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 49 के तहत दर्ज की गई है। एफआईआर के अनुसार, आरोपी के पास उसकी ज्ञात आय के स्रोतों से लगभग 104.95 प्रतिशत अधिक अनुपातहीन संपत्ति पाई गई, जिसका लोक सेवक ने संतोषजनक हिसाब नहीं दिया। तेलंगाना सरकार ने भी डीएसपीई अधिनियम, 1946 की धारा 6 के तहत राजा शेखर और उनकी पत्नी के खिलाफ जांच करने के लिए सहमति दे दी है। एजेंसी ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

इस बीच, तेलंगाना के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को कहा कि हैदराबाद के माधापुर की उप राज्य कर अधिकारी एम. सुधा को एसीबी अधिकारियों ने जीएसटी पंजीकरण की प्रक्रिया और शिकायतकर्ता की एक कंपनी को नंबर दिलाने के लिए शिकायतकर्ता से 8,000 रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में पकड़ा है।

भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने कहा कि किसी भी सरकारी कर्मचारी द्वारा रिश्वत की मांग किए जाने पर लोग कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए टोल-फ्री नंबर 1064 पर एसीबी से संपर्क कर सकते हैं।

डाकघरों ने एपीटी 2.0 के तहत क्यूआर-आधारित भुगतान अपनाया

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में डाकघर के ग्राहक अब क्यूआर कोड स्कैन करके यूपीआई-आधारित डिजिटल भुगतान कर सकते हैं, जिससे स्पीड पोस्ट, पंजीकृत डाक, पार्सल, अंतर्राष्ट्रीय मेल और इलेक्ट्रॉनिक मनी ऑर्डर जैसी कई सेवाओं के लिए नकद भुगतान करने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। यह भारतीय डाक के अगली पीढ़ी के डिजिटल बुनियादी ढाँचे के उन्नयन, उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) 2.0 को अपनाने से संभव हुआ है। एपीटी 2.0 का उद्देश्य डाक सेवाओं का आधुनिकीकरण, दक्षता, पारदर्शिता और सभी शाखाओं में सेवा वितरण में सुधार करना है। इस पहल के तहत, तेलंगाना डाक मंडल अगस्त के पहले सप्ताह तक तेलंगाना भर में अपने 32 प्रधान डाकघरों, 685 उप डाकघरों और 4,986 शाखा डाकघरों में एपीटी 2.0 लागू कर रहा है।

तेलंगाना पोस्टल सर्कल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'इस पहल का उद्देश्य डाकघरों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं का आधुनिकीकरण करना, लेनदेन को अधिक कुशल और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाना है। नई प्रणाली के कार्यान्वयन के साथ, डाक विभाग को उम्मीद है कि डिजिटल परिवर्तन और ग्राहक संतुष्टि के मामले में यह अन्य सरकारी सेवाओं के लिए एक मानक स्थापित करेगा।'

इस कदम से डाक नेटवर्क में उल्लेखनीय सुधार आने की उम्मीद है, जिससे शहरी और ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों को ग्राहक-अनुकूल कदम के रूप में लाभ होगा। अधिकारी ने आगे कहा, 'हम अपने ग्राहकों की सेवा करते हैं और सेवाओं को पहले से कहीं अधिक विश्वसनीय, सुलभ और ग्राहक-अनुकूल बनाते हैं।'

एपीटी 2.0 के तहत ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली अन्य नई सुविधाओं में बुकिंग से लेकर डिलीवरी तक रीयल-टाइम एसएमएस अपडेट के साथ एंड-टू-एंड कंसाइनमेंट ट्रैकिंग शामिल है। इसके अतिरिक्त, अधिक विश्वसनीय डिलीवरी जानकारी अपडेट की जाती है क्योंकि टिप्पणियों का फोटो प्रूफ रीयल-टाइम में कैप्चर किया जाता है। सेल्फ-बुकिंग और एकीकृत यूपीआई भुगतान के साथ बल्क ग्राहक सहायता की सुविधा भी उपलब्ध है।

तेलंगाना डाक परिमंडल ने 8 जुलाई को हैदराबाद, रंगारेड्डी, नलगोंडा, यादाद्री भुवनागिरी और मेडचल-मलकाजगिरी जिलों के कुछ हिस्सों में 4 प्रधान डाकघरों, 105 उप डाकघरों और 453 शाखा डाकघरों में इस नई आईटी पहल को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया। इस पायलट प्रोजेक्ट में 17 डाक कार्यालय और 23 प्रशासनिक कार्यालय भी शामिल थे।

एसपी ने वाईएस जगन को घायल पार्टी कार्यकर्ता से मिलने से रोका

ताडेपल्ली, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी को बंगारुपलेम के पास पुलिस अधिकारियों ने उस समय रोक दिया जब वह एक घायल पार्टी कार्यकर्ता से मिलने के लिए अपने काफिले से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे वाईएस जगन ने यह जानने के बाद कि घटनास्थल पर वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस ने मारपीट की है, अपने वाहन से उतरने का प्रयास किया। वह उस कार्यकर्ता से व्यक्तिगत रूप से मिलना और उसे सांत्वना देना चाहते थे, जो कथित तौर पर झड़प के दौरान घायल हो गया था। हालाँकि, ज़िला एसपी ने हस्तक्षेप किया और वाईएस जगन को काफिले से बाहर निकलने से रोक दिया। वाईएस जगन के आग्रह के बावजूद, एसपी ने उन्हें घायल कार्यकर्ता से मिलने की अनुमति नहीं दी। अंततः उन्हें काफिले में वापस जाने और अपने मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए मजबूर किया गया।

सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए बुनियादी ढाँचा तैयार किए जाएं : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएँ) दीपक तिवारी ने कहा कि सरकारी कॉलेजों, स्कूलों, कल्याण छात्रावासों, गुरुकुलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में विद्यार्थियों के लिए बुनियादी ढाँचा तैयार करने के लिए कदम उठाए जाएँगे। बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों और सरकारी कॉलेजों के प्राचार्यों के साथ सरकारी जूनियर कॉलेजों, स्कूलों, छात्रावासों, गुरुकुलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण और सुविधाओं के प्रावधान पर समीक्षा बैठक हुई। इस अवसर जिला अदानापुर कलेक्टर ने अधिकारियों को सरकारी शिक्षण संस्थानों और कल्याण छात्रावासों में बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान, पेयजल, शौचालय निर्माण, भवनों की मरम्मत, बिजली आपूर्ति, पंखे, कंप्यूटर, सीसीटीवी कैमरे लगाने और अन्य कार्यों के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आकांक्षी ब्लॉक के अंतर्गत तिरयानी मंडल के विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं, सड़कों और बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान हेतु आवश्यक कार्य शीघ्रता से किए जाएं। साथ ही, पेयजल, शौचालयों का निर्माण, विद्युतीकरण और आंगनवाड़ी केंद्रों के भवनों की रंगाई-पुताई का कार्य भी शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने कहा कि पूर्व में शुरू किए गए कार्यों को शीघ्रता से पूरा करके उपयोग में लाया जाए और विद्यार्थियों को बिना किसी कठिनाई के कार्य पूरा किया जाए। इस कार्यक्रम में जिला मुख्य योजना अधिकारी, महाविद्यालयों के प्राचार्य, पंचायत राज एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के अभियांत्रिकी अधिकारी आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण में तेलंगाना का प्रदर्शन खराब

कक्षा 9 के 75 प्रतिशत विद्यार्थी एक साधारण प्रश्न हल करने में रहे विफल

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। स्कूली छात्रों में बुनियादी दक्षताओं और सीखने के स्तर में सुधार के लिए तेलंगाना सरकार की आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता, तथा शिक्षण सुधार कार्यक्रम की पहल असफल होती दिख रही है। केंद्र सरकार द्वारा जारी परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 रिपोर्ट ने सीखने में चिंताजनक अंतराल को दर्शाया, जिससे ऐसे हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता पर सवाल और चिंताएं पैदा हुईं। कक्षा 9 के 75 प्रतिशत विद्यार्थी एक साधारण प्रश्न को हल करने के लिए प्रतिशत की मौलिक अवधारणा को समझने और लागू करने में असफल रहे, जबकि इसी कक्षा के 69 प्रतिशत विद्यार्थी संख्याओं के समूह, जैसे पूर्ण संख्याएं, भिन्न, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्याएं, को समझ नहीं पाए।

गणित में चिंताजनक रुझान निचली कक्षाओं में भी दिखाई दिए, जहाँ छठी कक्षा के 54 प्रतिशत छात्र सरल संख्या पैटर्न को पहचानने, वर्णन करने या विस्तार देने में असफल रहे। कक्षा तीन के छात्रों के गणित दक्षता स्तर की बात करें तो 52 प्रतिशत छात्र 99 तक की संख्याओं को आरोही और अवरोही क्रम में व्यवस्थित करने में असफल रहे, और 49 प्रतिशत छात्र दो अंकों की संख्याओं का सरल जोड़-घटाव नहीं कर पाए। सर्वेक्षण से पता चला कि कक्षा 9 के 69 प्रतिशत छात्र जलवायु, मौसम, महासागर चक्र, मिट्टी के निर्माण और नदी के प्रवाह जैसी प्रमुख प्राकृतिक घटनाओं को समझाने में असमर्थ थे। भाषा कौशल भी बेहतर नहीं था, क्योंकि कक्षा 9 के 46 प्रतिशत छात्र मुख्य बिंदुओं की पहचान करने और जानकारी को संक्षेप में प्रस्तुत करने में असमर्थ थे।

बिजनेस मीट का आयोजन

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदू टू हिंदू बिज़नेस नेटवर्किंग आदित्य ने सनातनी हिंदू व्यापारियों के लिए एक बिज़नेस मीट का आयोजन किया। यह मीटिंग भाग्यनगर में हिंदू व्यापारियों की मदद और उन्हें बढ़ावा देने के लिए होटल इलायची मिनिस्टर रोड में आयोजित की गई थी। मुख्य अतिथि उद्योगपति गोपाल बलदवा थे। अध्यक्ष सुजाता नांबियार और सुदेश पाटिल, श्रीकांत रियानी, सुभाष हरल जैसे अन्य सदस्यों ने इस आयोजन को सफल बनाया। यह मीटिंग संस्थापक गीतेश काटे के नेतृत्व में हुई।

एटीएम से चुरा लिया कैश बॉक्स

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चोरों ने बुधवार तड़के जीडीमेटला के मार्कंडेय नगर स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम में गैस कटर की मदद से सेंध लगाई और कैश बॉक्स चुरा लिया। इस दौरान उन्होंने कैश वेंडिंग मशीन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। चोरी की गई राशि का अभी आकलन नहीं किया जा सका है। घटना का पता तब चला जब ग्राहकों ने क्षतिग्रस्त मशीन देखी और पुलिस व बैंक अधिकारियों को इसकी सूचना दी। जानकारी के अनुसार, एटीएम केंद्र में दो वेंडिंग मशीनें थीं और अपराधियों ने उनमें से एक को क्षतिग्रस्त कर दिया। जीडीमेटला पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अपराधियों की पहचान के लिए निगरानी कैमरों की फुटेज की जाँच कर रही है।

पीएनबी में राजभाषा पखवाडा का समापन

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक,मंडल कार्यालय हैदराबाद में राजभाषा स्वर्णिम पखवाड़ा का आयोजन किया गया ।

इस दौरान कुल चार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । राजभाषा कहानी चैलेंज, हिंदी बोलो ग्लोबल प्रतियोगिता, हिंदी दस्तावेज़ प्रतियोगिता तथा हिंदी बैंक क्विज़ – ज्ञान और भाषा का संगमजैसे विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर स्टाफ सदस्यों में राजभाषा के प्रति रुचि तथा उत्साह का वातावरण बनाया गया।

राजभाषा स्वर्णिम पखवाड़ा का समापन राजभाषा कार्यशाला संग संगोष्ठीआयोजित कर की गई। राजभाषा की ओर संविधान के संग विषय पर संगोष्ठी केन्द्रित रही।कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल प्रमुख हैदराबाद, अरविंद कालरा ने की। मुख्य वक्ता डॉ. सुनील कुमार लोका,पूर्वी क्षेत्र के कार्यालय प्रमुख(सेवानिवृत्त),राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की गरिमामयी उपस्थिति रही ।

कार्यक्रम में लगभग 60 अधिकारी उपस्थित रहे । राजभाषा स्वर्णिम पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को इस समारोह में पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। धन्यवाद सी.वी.विवेकानंद, उप मंडल प्रमुख द्वारा तथा कार्यक्रम का संचालन सुश्री श्वेता कुमारी, वरिष्ठ प्रबन्धक राजभाषा द्वारा किया गया।

जुक्कल में तुम्हारी जादू चलने नहीं देंगे , पूर्व विधायक शिन्दे

मदनूर 9 जुलाई, (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट समिति मदनूर मंडल अध्यक्ष बंशी पटेल के नेतृत्व में बुधवार को गुरु मंगल कार्यालय में संयुक्त मदनूर मंडल भारत राष्ट्र समिति पार्टी मुख्य कार्यकर्ता की सभा बुलाई गई। इस सभा में जुक्कल विस क्षेत्र के पूर्व विधायक हणमंत शिंदे ने कांग्रेस पार्टी व स्थानिक विधायक तोटा लक्ष्मी कांता राव पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस पार्टी झूठे आश्वाशन देकर सत्ता में आई है। कांग्रेस पार्टी ने विधान सभा चुनाव में प्रदेश के जनता को छह गारंटी योजना के आश्वासन बताकर सत्ता में आई है। कांग्रेस पार्टी सत्ता में आकर दो वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं लेकिन आज तक गरीब जनता रहने के लिए मकान नहीं दिए। उन्हें आवास निर्माण के लिये जगह के साथ पांच लाख रुपए देकर मकान निर्माण कर के देने का आश्वासन दिया, लेकिन स्थानिक विधायक ने कांग्रेस पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ता को ही इंद्रम्मा मकान मंजूर किया है। महालक्ष्मी योजना अंतर्गत महिलाओं को 500 रूपये में सिलिंडर देने का आश्वासन दिया लेकिन जुक्कल की जनता अधिक दाम देकर सिलेंडर खरीदी कर रही है। बैंक खाते में वापस 500 रुपए नहीं आए। उन्होंने महिलाओं को हर माह 2500 रूपये देने का वादा किया आज तक महिलाओं के खाते में एक दमड़ी तक जमा नहीं आई।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती प्रसाद में आए राजेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा, माया अग्रवाल संध्या रानी अग्रवाल संतोष देवी अग्रवाल दुर्गा देवी। झा रानी मंजू बिमलादेवी भोज रेड्डी किशन दास डागा बद्री विशाल बंसल विजय कुमार अग्रवाल राहुल सिंघल खट्टदजी प्रमोद कुमार सरायवाला दीपक कुमार सरायवाला राम गोयल मोहन लाल मित्तल। विनोद टिकमानी अशोक रूंगटा पी वी एस आर मूर्ति एम एस गौड़ डॉ राधा कृष्ण। रामनिवास शर्मा आदि।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 5 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में चार विभिन्न विषयों में सत्र संचालित किए गए। कार्यशाला के प्रथम सत्र में उद्यम के प्रबंधक डॉ. बी. बालाजी ने हिंदी कार्यशाला के आयोजन की अनिवार्यता तथा

उद्देश्य को स्पष्ट किया। उन्होंने प्रथम सत्र में कार्यालयीन शब्दावली व कंप्यूटर पर हिंदी टंकण के बेसिक टिप्स विषय परव्याख्यान दिया ।

दूसरे सत्र में एसबीआई के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) रजनीश कुमार यादव ने राजभाषा कार्यान्वयन में कर्मचारियों के दायित्व विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान संविधान में राजभाषा संबंधी अनुच्छेदों पर चर्चा करते हुए प्रतिभागियों को राजभाषा अधिनियम, 1963 की धाराओं व राजभाषा नियम 19%6 के अंतर्गत बने नियमों की जानकारी दी।

हिंदी कार्यशाला के तीसरे सत्र में केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के उप निदेशक (राजभाषा) डॉ. संतराम यादव ने राजभाषा कार्यान्वयन में प्रौद्योगिकी की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया।

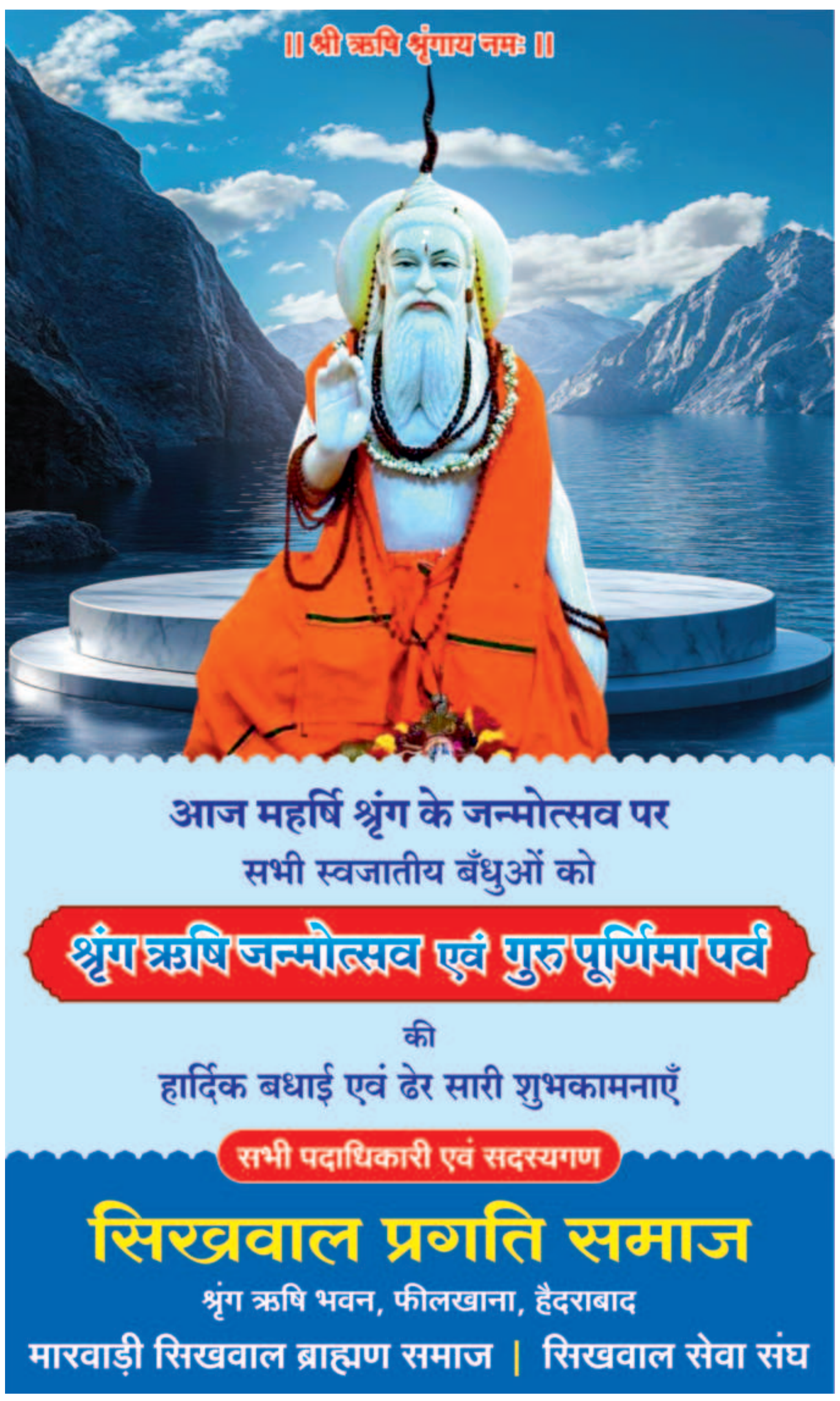

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टीम इंडिया को लॉर्ड्स में पिच नहीं जोफ्रा आर्चर के आने की सता रही चिंता

खुद कोच सितांशु कोटक ने किया खुलासा

लंदन, 9 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया को अब इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा टेस्ट मैच लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में खेलना है जिसकी शुरुआत 10 जुलाई से हो रही है. हालांकि, इस टेस्ट मैच के शुरू होने से पहले भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने लॉर्ड्स टेस्ट की पिच और इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को लेकर बड़ा बयान दिया है. जोफ्रा आर्चर की काफी समय के बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है. ऐसी रिपोर्ट भी आ रही है कि उन्हें तीसरे टेस्ट मैच की इंग्लैंड की प्लेइंग XI में शामिल किया जा सकता है. सितांशु कोटक की बात की जाए तो उनके मुताबिक आर्चर के आने से टीम को थोड़ी परेशानी जरूर होगी.

सितांशु कोटक ने दिया बड़ा बयान

सितांशु कोटक ने तीसरे टेस्ट मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है जैसे आपने कहा कि पिच पर थोड़ी ज्यादा घास है, जितना हमने पहले दो मैच में देखा था. लेकिन कल फाइनल कट के बाद हमें पता चल जाएगा की पिच कैसी होगी. लॉर्ड्स की पिच पर टेस्ट मैच में पहली और दूसरी पारी में कम स्कोर बनता है. इसीलिए हम ऐसा कह सकते हैं कि यहां गेंदबाजों को मदद मिलेगी और बल्लेबाजों को बल्लेबाजी करने में मुश्किल होगी. लेकिन मेरा मानना है कि ये सब आपकी मानसिकता के ऊपर है. विकेट पर ज्यादा से ज्यादा समय बिताना चाहिए और पिच को समझना चाहिए.'

जोफ्रा आर्चर को लेकर कोटक ने आगे कहा, 'जोफ्रा आर्चर के आने से थोड़ी चुनौती जरूर मिलेगी. इंग्लैंड टीम में गेंदबाजी में कुछ बदलाव हो सकते हैं जिसके बारे में हमें पता नहीं है. विकेट में बल्लेबाजों को चुनौती मिलेगी. अगर आप अच्छी बल्लेबाजी करते हैं तो ये बहुत बड़ी बात है और अगर आप नहीं करेंगे तो कोई भी विकेट आपके लिए मुश्किल भरा होगा.' जोफ्रा आर्चर की बात की जाए तो उनकी टेस्ट टीम में 4 साल के बाद वापसी हो रही है. उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच इंडिया के खिलाफ 2021 में खेला था. अब इंडिया टीम के खिलाफ ही उनके तीसरे टेस्ट में वापसी हो सकती है.

जोफ्रा आर्चर के टेस्ट क्रिकेट में आंकड़े

जोफ्रा आर्चर ने इंग्लैंड की ओर से 13 टेस्ट मैच में 31.04 के औसत से 42 विकेट झटके हैं. इंडिया के खिलाफ उन्होंने दो टेस्ट खेले हैं जिसमें घातक तेज गेंदबाज ने चार विकेट हासिल किए हैं. टीम इंडिया के खिलाफ इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच को अपने नाम किया था. दूसरे टेस्ट की बात की जाए तो टीम इंडिया ने काफी अच्छी वापसी की और इंग्लैंड को हराया. 5 मैच की टेस्ट सीरीज 1-1 की बराबरी पर है. अब ये देखना होगा कि तीसरे टेस्ट में कौनसी टीम जीत दर्ज करती है?

सुशील कुमार को मिली जमानत

रिपोर्ट में दावा- रेलवे ड्यूटी पर भी लौटा ओलंपिक पदक विजेता पहलवान

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। ड्यूटी पर सुशील की वापसी पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया मिश्रित रही है। जबकि कुछ ने हत्या के मामले में एक व्यक्तिगत आरोपी की बहाली की आलोचना की है, वहीं दूसरों का तर्क है कि सुशील दोषी साबित होने तक निर्दोष हैं और अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों को फिर से शुरू करने के हकदार हैं।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार ने हत्या के एक हाईप्रोफाइल मामले में जमानत मिलने के बाद आधिकारिक तौर पर उत्तर रेलवे के साथ अपनी ड्यूटी फिर से शुरू कर दी है। सुशील, जिन्हें कभी भारतीय कुश्ती के चेहरे के रूप में जाना जाता था, उन्होंने इस हफ्ते की शुरुआत में रेलवे कार्यालय को रिपोर्ट किया।

कोर्टरूम से छुटकारा मिलने के बाद अब वह प्रशासनिक कार्यों में खुद को शामिल कर रहे हैं।

सुशील साथी पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में 2021 से न्यायिक हिरासत में थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में मुकदमे की प्रक्रिया में देरी का हवाला देते हुए उन्हें जमानत दे दी थी, जबकि जांच अभी भी जारी है और उनकी कानूनी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। जमानत ने उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में अपनी स्थिति को पुनः प्राप्त करने की अनुमति दी है।

रेलवे सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि वर्तमान में उत्तर रेलवे में वरिष्ठ वाणिज्यिक प्रबंधक के रूप में नियुक्त सुशील औपचारिक पोशाक में ड्यूटी पर थे और मीडिया में बढ़ती दिलचस्पी के बीच वह खुद को लो प्रोफाइल रख रहे हैं। अधिकारियों ने उनकी बहाली की पुष्टि करते हुए कहा कि प्रक्रिया सेवा नियमों के अनुसार की गई थी।

उनकी वापसी पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया मिश्रित रही है। जबकि कुछ ने हत्या के मामले में एक व्यक्तिगत आरोपी की बहाली की आलोचना की है, वहीं दूसरों का तर्क है कि सुशील दोषी साबित होने तक निर्दोष हैं और अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों को फिर से शुरू करने के हकदार हैं।

कभी राष्ट्रीय आइकन रहे सुशील का ओलंपिक पोडियम (बीजिंग 2008 में कांस्य और लंदन 2012 में रजत) से लेकर हत्या के आरोपी तक के सफर ने देश को स्तब्ध कर दिया था। अभी के लिए, यह कुश्ती स्टार चुपचाप नियमित जीवन में लौटने पर केंद्रित दिखाई दे रहा है। हालांकि, अदालत की कार्यवाही अभी भी चल रही है और कुछ भी नतीजा आने तक सुशील पर खतरे के बादल मंडराते रहेंगे।

तेंदुलकर एंडरसन ट्रॉफी : क्या ब्रैडमैन का रिकॉर्ड तोड़ेंगे शुभमन

एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने के करीब; 190 रन बनाकर गावस्कर से आगे निकल जाएंगे

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड में इतिहास रचने के करीब हैं। वे 2 ही टेस्ट में 3 शतक लगाकर 585 रन बना चुके हैं। 3 टेस्ट में 390 रन और बनाते ही शुभमन एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बन जाएंगे। इस मामले में वे ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज डोनाल्ड ब्रैडमैन का 95 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

वहीं शुभमन को एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला भारतीय भी बन सकते हैं। इस मामले में वे सुनील गावस्कर का 54 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ेंगे। इतना ही नहीं, वे इंग्लैंड में एक सीरीज में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय भी बन सकते हैं।

शुभमन 3 बड़े रिकॉर्ड तोड़ने के कितने करीब हैं...

इंग्लैंड में टॉप स्कोरर बनने से 18 रन दूर

शुभमन ने 2 ही टेस्ट में 585 रन बना दिए हैं। वे इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बनने से महज 18 रन दूर हैं। 603 रन बनाते ही वे राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ देंगे, जिन्होंने 2002 में 3 शतक लगाकर 602 रन बनाए थे।

शुभमन 9 रन और बनाते ही इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान भी बन जाएंगे। इस मामले में वे विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ेंगे। जिन्होंने 2018 में जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड जैसे बॉलर्स के खिलाफ 593 रन बनाए थे।

190 रन बनाते ही गावस्कर को पीछे कर देंगे

शुभमन गिल 190 रन और बनाते ही एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय भी बन जाएंगे। इस मामले में वे सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ेंगे, जिन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 4 ही टेस्ट में 774 रन बना दिए थे।

इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड बनाने वाला भारतीय बनने के लिए शुभमन को 128 रन ही चाहिए। वे 713 रन बनाते ही यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड तोड़ देंगे, जिन्होंने पिछले साल ही घरेलू कंडीशन में 712 रन बनाए थे।

148 रन बनाते ही कप्तानी का रिकॉर्ड बनाएंगे

शुभमन गिल 148 रन और बनाते ही एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान भी बन जाएंगे। इस मामले में वे सुनील गावस्कर का 47 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ेंगे। जिन्होंने 1978 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 टेस्ट में 732 रन बनाए थे।

शुभमन 71 रन और बनाते ही इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान भी बन जाएंगे। इस मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ेंगे, जिन्होंने 2016 में घरेलू कंडीशन में ही 655 रन बनाए थे।

एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तान भी डॉन ब्रैडमैन ही हैं। उन्होंने 1936-37 की ऐशेज में इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट में 810 रन बनाए थे। यह ब्रैडमैन की भी कप्तानी में पहली ही टेस्ट सीरीज थी। गिल 225 रन बनाते ही इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लेंगे।

बतौर कप्तान सबसे तेज 1000 रन

शुभमन गिल बतौर कप्तान सबसे तेज 1000 टेस्ट रन का रिकॉर्ड भी बना सकते हैं। यह रिकॉर्ड भी ब्रैडमैन के नाम है, जिन्होंने 11 पारियों में 1000 रन बनाए थे। शुभमन को 6 पारियों में 415 रन और चाहिए। भारतीय कप्तानों में सुनील गावस्कर के नाम यह रिकॉर्ड है, जिन्होंने 14 पारियों में एक हजार रन पूरे किए थे।

390 रन बनाते ही वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लेंगे

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान व दिग्गज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन ने 1930 में इंग्लैंड में ही 5 टेस्ट खेलकर 974 रन बनाए थे। शुभमन को डॉन से आगे निकलने के लिए 3 टेस्ट में 390 रन चाहिए। एक टेस्ट सीरीज में 900 रन बनाने का रिकॉर्ड ब्रैडमैन के अलावा इंग्लैंड के वॉली हैमंड के नाम ही है। जिन्होंने 1928-29 में ऑस्ट्रेलिया जाकर 908 रन बनाए थे।

शुभमन ने 2 टेस्ट में 3 शतक लगाए

शुभमन गिल एक सीरीज में सबसे ज्यादा टेस्ट सेंचुरी लगाने का रिकॉर्ड भी बना सकते हैं। फिलहाल यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्लाइव वालकॉट के नाम है। जिन्होंने 1955 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 शतक लगाए थे। गिल 3 टेस्ट में 3 शतक लगाकर इस रिकॉर्ड को बना सकते हैं।

शुभमन बतौर टेस्ट कप्तान अपनी पहली ही सीरीज खेल रहे हैं। लीड्स में पहले टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 147 रन बनाए थे। हालांकि, वे टीम को मुकाबला नहीं जिता सके। शुभमन ने वापसी की और दूसरे टेस्ट में 269 और 161 रन की पारियां खेल दीं। उन्होंने मैच में 430 रन बनाकर टीम को जिताया और सीरीज भी 1-1 से बराबर करवाई।

तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स स्टेडियम में

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लंदन के द लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जाएगा। अगर शुरुआती 2 टेस्ट की तरह यहां भी बैटिंग के लिए आसान पिच मिली तो शुभमन को सभी रिकॉर्ड तोड़ने के लिए ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। हालांकि, बॉलर्स के लिए मददगार पिच मिल गई तो शुभमन को मुश्किल हो सकती है।

पहलवान रीतिका हुड्डा डोप परीक्षण में विफल होने पर निलंबित

लग सकता है चार साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती को बड़ा झटका लगा जब 2023 में देश की पहली अंडर-23 विश्व चैंपियन बनीं प्रतिभाशाली पहलवान रीतिका हुड्डा को डोप परीक्षण में विफल होने के कारण नाडा (राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी) द्वारा अस्थाई रूप से निलंबित कर दिया गया और उन पर चार साल का प्रतिबंध लग सकता है।

हैवीवेट 76 किग्रा वर्ग में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं 22 वर्षीय रीतिका का 15 मार्च को एशियाई चैम्पियनशिप के लिए चयन ट्रायल के दौरान परीक्षण किया गया और उनके मूत्र के नमूने में 'एस1.1 एनाबॉलिक एंड्रोजेनिक स्टेरॉयड' के अंश पाए गए जो एक प्रतिबंधित पदार्थ है।

रीतिका ने कहा, 'अभी तक कुछ भी पुष्टि नहीं हुई है। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। मैं अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग करूंगी। मुझे नाडा और (कुश्ती) महासंघ पर पूरा भरोसा है। मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकती।' रीतिका आगे की जांच के लिए 'बी नमूना' देने पर विचार कर रही हैं।

ओलंपिक में पदक जीतने में नाकाम रहने के बाद रीतिका ने मार्च में एशियाई चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता और मंगोलिया में यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए इस साल मई में स्वर्ण पदक जीता। रीतिका धीरे-धीरे सीनियर स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं और उनका निलंबन भारतीय कुश्ती के लिए एक झटका है क्योंकि वह इस साल के अंत में विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने की प्रबल दावेदार थीं। इस साल वह तीन प्रतियोगिताओं में से सिर्फ एक मुकाबला हारी हैं।

टेस्ट से रिटायरमेंट पर पहली बार बोले विराट

अब वो वक्त आ गया है, जब चार दिन में दाढ़ी में कलर करना पड़ता है

लंदन, 9 जुलाई (एजेंसियां)। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने पर पहली बार बोला है। उन्होंने लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि बढ़ती उम्र के कारण उन्हें यह फैसला लेना पड़ा। विराट 36 साल के हो चुके हैं। उन्होंने 12 मई 2025 को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी।

लंदन में पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह की ओर से अपने चैरिटी यूवीकैन फाउंडेशन के लिए डिनर पार्टी का आयोजन किया गया था। इस पार्टी में कोहली सहित दुनिया भर के क्रिकेट और अन्य फील्ड से जुड़े लोग पहुंचे थे। इस पार्टी में कोहली ने टीवी प्रजेंटर गौरव कपूर के यह कहने पर कि लोग उन्हें मैदान पर मिस करते हैं, तो विराट ने मुस्कराते हुए कहा, 'मैंने दो दिन पहले अपनी दाढ़ी रंगी थी। जब आपको हर चार दिन में दाढ़ी रंगनी पड़ती है,तो समझ आ जाता है कि अब समय आ गया है।'

कोहली ने इंडिया के लिए 123 टेस्ट खेले हैं

कोहली का टेस्ट करियर शानदार रहा है, जिसमें उन्होंने 123 टेस्ट (210 पारी) में 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक लगाए। उन्होंने 68 टेस्ट में कप्तानी की और 40 में जीत हासिल की, जो उन्हें भारत का सबसे सफल टेस्ट कप्तान बनाता है। उनकी जीत का प्रतिशत 58.82 है, जो 50 या अधिक टेस्ट में कप्तानी करने वालों में तीसरा सबसे बेहतर है।

विराट टेस्ट में धोनी-रोहित से आगे, सभी घरेलू सीरीज जीतीं

विराट कोहली ने कभी कप्तान के तौर पर आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीता। टेस्ट क्रिकेट में बतौर लीडर वे धोनी और रोहित दोनों से आगे हैं। कोहली ने घर में सभी 11 सीरीज जीतीं धोनी और रोहित दोनों की कप्तानी में भारत को घर में टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी। रोहित की कप्तानी में तो न्यूजीलैंड से क्लीन स्वीप भी शामिल है।

कोहली ने 2015 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली बार घरेलू मैदान पर कप्तानी की थी। भारत ने 4 टेस्ट की सीरीज 3-0 से जीती। इसके बद कोहली की कप्तानी में टीम ने घर सभी टेस्ट सीरीज जीतीं।

कोहली ने पिछले साल वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 से ले लिया था संन्यास

कोहली ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वह वनडे क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे।

आरसीबी सबसे वैल्यूएबल टीम बनी

5-5 ट्रॉफी जीतने वाली एमआई और सीएसके को पीछे छोड़ा

आईपीएल की वैल्यू 1.56 लाख करोड़ हुई

मुंबई, 9 जुलाई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 की ट्रॉफी जीतने के बाद आरसीबी सबसे वैल्यूएबल टीम बन गई है। उसने 5-5 ट्रॉफी जीतने वाली एमआई और सीएसके को पीछे छोड़ दिया है। इंडियन प्रीमियर लीग की बिजनेस वैल्यू 2025 में 18.5 बिलियन डॉलर (करीब 1.56 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच गई है। यह पिछले साल के मुकाबले 12.9% ज्यादा है।

वैश्विक निवेश बैंक हुलिहान लोकी की स्टडी के मुताबिक आईपीएल की खुद की ब्रांड वैल्यू भी 13.8% बढ़कर 3.9 बिलियन डॉलर (33 हजार करोड़) हो गई है। इस सीजन एडवर्टाइजिंग, व्यूअरशिप और इन्वेस्टर्स की दिलचस्पी ब्रांड वैल्यू बढ़ने का कारण बनी है।

3 जून को पंजाब और बेंगलुरु के बीच खेले गए फाइनल ने व्यूअरशिप के मामले चैंपियंस ट्रॉफी में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए टी20 मैच को पीछे छोड़ दिया। 2025 सीजन में पहली बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु सबसे वैल्यूएबल फ्रेंचाइजी बनी है। आरसीबी की ब्रांड वैल्यू 227 मिलियन डॉलर (1,946 करोड़) से बढ़कर 269 मिलियन डॉलर (2,307 करोड़) हो गई है। टीम टीम के पहले आईपीएल खिताब जीतना वैल्यूएशन बढ़ने का कारण रहा। लिस्ट में मुंबई इंडियंस 242 मिलियन डॉलर(2,075 करोड़) के साथ दूसरे और चेन्नई सुपर किंग्स 235 मिलियन डॉलर (2,015 करोड़) के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

पंजाब किंग्स की ग्रोथ सबसे तेज, फाइनल में पहुंचने का असर

पंजाब किंग्स की ब्रांड वैल्यू में सबसे ज्यादा 39.6% की जबरदस्त बढ़ोतरी हुई। यह 141 मिलियन डॉलर (12,08 करोड़)हो गई है। टीम के फाइनल में पहुंचने, ऑक्शन में बड़े प्लेयर्स खरीदने और डिजिटल एंगेजमेंट से यह ग्रोथ आई है। इसके अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद भी टॉप-5 में शामिल हैं।

आईपीएल 2025 में स्पॉन्सरशिप और एडवर्टाइजिंग से 600 मिलियन डॉलर (करीब 5 हजार करोड़ रुपए) की कमाई हुई, जो पिछले साल से 50% ज्यादा है। बीसीसीआई ने मै11सरकिल, एंजल वन, रूपे और सीयट को एसोसिएट स्पॉन्सर बनाकर 1,485 करोड़ रुपए जुटाए। टाटा ग्रुप ने भी 2028 तक के लिए 2,500 करोड़ रुपए में टाइटल स्पॉन्सरशिप बढ़ा दी है।

इस बार आईपीएल के फाइनल (आरसीबी बनाम पीबीकेस) को 67.8 करोड़ लोगों ने देखा, जो किसी भी टी20 मैच के लिए नया रिकॉर्ड है। इसकी व्यूअरशिप फरवरी 2025 में भारत पाकिस्तान के बीच खेले गए टी20 मैच से भी ज्यादा रही। इस मैच को करीब 60 करोड़ लोगों ने देखा था।

ओलिंपिक में क्रिकेट शामिल होने पर और बढ़ेगी वैल्यूएशन

आईपीएल की ग्लोबल अपील भी लगातार बढ़ रही है। पंजाब किंग्स जैसे फ्रेंचाइजी अब कैरेबियन प्रीमियर लीग में भी टीम चला रही हैं और डिजिटल फैन एंगेजमेंट पर फोकस कर रही हैं। आने वाले सालों में आईपीएल के सीजन और लंबे हो सकते हैं और ओलिंपिक में क्रिकेट के आने से इसकी वैल्यू और बढ़ सकती है।

सेमीफाइनल में पहुंचे अल्काराज, नॉरी को लगातार तीन सेटों में हराया, अब टेलर फ्रिट्ज से होगा सामना

लंदन, 9 जुलाई (एजेंसियां)। दो बार के गत विजेता कार्लोस अल्काराज ने कैमरून नोरी को 6-2, 6-3, 6-3 से हराकर विंबलडन सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अल्काराज ने अपनी जीत की लय को 23 मैचों तक बढ़ाया और विंबलडन में तीन बार पुरुष एकल सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले इतिहास में दूसरे स्पेनिश खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले महान टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने ऐसा किया था।

सेंटर कोर्ट पर नॉरी द्वारा मैच की शुरुआत में अपनी सर्विस बरकरार रखने के बाद, दूसरे वरीयता प्राप्त अल्काराज ने बाएं हाथ के ब्रिटिश खिलाड़ी के खिलाफ अगले पांच गेम जीतकर मैच पर कब्जा कर लिया। अल्काराज ने नॉरी को मैच में कभी भी हावी नहीं होने दिया। उन्हें केवल पांच ब्रेक पॉइंट मिले और उन्होंने सभी बचा लिए। उन्होंने 39 विनर और 13 ऐस के साथ 26 अनफोर्स्ड एरर भी किए।

क्वार्टर फाइनल मैच एक घंटे 39 मिनट में खत्म करने के बाद कोर्ट पर दिए एक इंटरव्यू में अल्काराज ने कहा, 'विंबलडन में एक और सेमीफाइनल खेलना बेहद खास है।' फाइनल में जगह बनाने के लिए अल्काराज का सामना पांचवें नंबर के टेलर फ्रिट्ज से होगा।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को तीसरा वनडे 99 रन से हराया

पल्लेकेले, 9 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका ने बांग्लादेश को तीसरा वनडे 99 रन से हरा दिया। इसी के साथ होम टीम ने 3 मैचों की सीरीज भी 2-1 से अपने नाम कर ली। श्रीलंका ने टेस्ट सीरीज भी 1-0 से जीती थी। तीसरे वनडे में विकेटकीपर कुसल मेंडिस ने सेंचुरी लगाई, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। पल्लेकेले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। टीम ने ओपनर निशान मदुष्का का विकेट चौथे ओवर में ही गंवा दिया, वे 1 ही रन बना सके। दूसरे ओपनर पाथुम निशांका ने फिर कुसल मेंडिस के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। हालांकि, वे भी 35 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। नंबर-4 पर बैटिंग करने उतरे कामिंडु मेंडिस 16 ही रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद कप्तान चरिथ असलंका ने फिफ्टी लगाई और कुसल के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप कर ली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 124 रन जोड़े, असलंका 58 रन बनाकर आउट हो गए। मेंडिस ने शतक लगा दिया, लेकिन उनके सामने जनिथ लियानागे 12, दुनिथ वेल्लालागे 6, वनिंदू हसरंगा 18 और दुष्मंथा चमीरा 10 ही रन बना सके। कुसल मेंडिस 124 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी पारी के सहारे श्रीलंका ने 7 विकेट खोकर 285 रन बना दिए।

इंग्लैंड में दीप्ति शर्मा ने लिया बड़ा फैसला

अचानक खेलने से किया मना

लंदन, 9 जुलाई (एजेंसियां)। द हंड्रेड महिला टूर्नामेंट 2025 की शुरुआत 5 अगस्त से हो रही है. इस टूर्नामेंट में कई बेहतरीन खिलाड़ियों को जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए देखा जाएगा. हालांकि टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले लंदन स्पिरिट टीम को बड़ा झटका लगा है. भारत की अनुभवी ऑलराउंडर इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले रही है. दरअसल उन्होंने अपने वर्कलोड को बेहतर करने के लिए बड़ा फैसला लिया है. इस खिलाड़ी का नाम है दीप्ति शर्मा.

दीप्ति शर्मा इस समय इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टी20 सीरीज में टीम इंडिया की ओर से हिस्सा ले रहे हैं.

अभी तक उन्होंने टीम इंडिया की ओर से बेहतरीन गेंदबाजी की है और तीन मैच में छह विकेट लिए हैं. इस व्हाइट बॉल सीरीज के बाद इंग्लैंड में द हंड्रेड पुरुष और महिला 2025 टूर्नामेंट शुरू होगा. दीप्ति शर्मा ने इस टूर्नामेंट से अपने नाम वापस ले लिया है और उनकी जगह लंदन स्पिरिट टीम में ऑस्ट्रेलिया की चार्ली नॉट को शामिल किया गया है.

फ्रेंचाइजी ने अपने बयान में कहा, 'दीप्ति की लंदन स्पिरिट टीम के इतिहास में एक खास जगह है. पिछले सीजन के फाइनल में उन्होंने छक्का जड़कर स्पिरिट को जीत दिलाई थी. पूरे टूर्नामेंट उन्होंने सिर्फ गेंदबाजी से ही नहीं बल्कि अपनी बल्लेबाजी से भी कमाल का प्रदर्शन किया था. यही नहीं वो एमवीपी स्टैंडिंग में सबसे ज्यादा रैंक की गई स्पिरिट की खिलाड़ी थीं. उम्मीद करते हैं कि आने वाले सालों में वो लंदन टीम में फिर से वापसी करें.'

तेलंगाना तेज़ी से एक जीवंत राज्य के रूप में उभर रहा है: भट्टी

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि बड़ी संख्या में शहरी केंद्रों वाला तेलंगाना एक शहरी राज्य और आधुनिकता एवं उन्नति के केंद्र के रूप में तेज़ी से प्रगति कर रहा है।

वे बुधवार को हैदराबाद के सोमाजीगुडा स्थित एक निजी होटल में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित सीएफओ कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि आउटर रिंग रोड की सफलता स्पष्ट है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, क्षेत्रीय रिंग रोड को एक प्रतिष्ठित बुनियादी ढाँचा परियोजना के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय रिंग रोड के निर्माण से फार्मा, आईटी, आवास, कृषि और हथकरघा सहित विभिन्न औद्योगिक समूहों का विकास होगा। उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि हैदराबाद दुनिया भर से निवेश आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा कि लंदन के टेम्स नदी की तरह, तेलंगाना सरकार हैदराबाद शहर में नदी के पुनरुद्धार के लिए एक प्रतिष्ठित पहल के रूप में मुसी नदी पुनरुद्धार परियोजना शुरू कर रही है।

भट्टी विक्रमार्क ने हैदराबाद और तेलंगाना को निवेश का स्वर्ग बताया। उन्होंने बताया कि तेलंगाना अन्य राज्यों की तुलना में अपेक्षाकृत कम लागत पर कुशल श्रम, सुखद जलवायु, प्रदूषण मुक्त वातावरण और 24 घंटे निर्बाध गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति प्रदान करता है – ये सभी कारक निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने कुशल कार्यबल विकसित करने के उद्देश्य से राज्य भर में 100 आईटीआई को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों में बदल दिया है। हैदराबाद में वर्तमान में हैदराबाद, सिकंदराबाद और साइबराबाद शामिल हैं – जल्द ही, एक चौथा क्षेत्र, फ्यूचर सिटी, भी चालू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि वैश्विक निवेशक इस उभरते शहर में उद्योग स्थापित करने में रुचि दिखा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि उद्योगपति राज्य के विकास, रोज़गार सृजन और धन सृजन की कुंजी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगपतियों को अपने परिवार का हिस्सा मानती है और उनसे राज्य में बदलाव लाने में भागीदार बनने का आग्रह किया। इस अवसर पर, भट्टी विक्रमार्क ने उद्योगपतियों को सलाह दी कि वे अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड का उपयोग न केवल स्कूलों और ज्ञान केंद्रों के लिए, बल्कि किसानों और महिलाओं की प्रगति के लिए भी करें। उन्होंने मुख्य वित्तीय अधिकारियों (सीएफओ) को न केवल परिचालन दक्षता के लिए, बल्कि मज़बूत रणनीतिक निर्णय लेने के लिए भी आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया

महिला का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में रिम्स का डॉक्टर गिरफ्तार

आदिलाबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) में कार्यरत एक डॉक्टर को इकोडा मंडल केंद्र में एक महिला के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, इकोडा मंडल केंद्र निवासी सैयद आसिम (45) ने कथित तौर पर पिछले चार महीनों से उसी इलाके की एक महिला को शादी का झांसा देकर परेशान किया। महिला के पिता रहमान की शिकायत पर उसे हिरासत में ले लिया गया।

अपनी शिकायत में, रहमान ने कहा कि आसिम उनकी बेटी की अनिच्छा के बावजूद, उससे शादी करने का सार्वजनिक दावा करके उसे परेशान कर रहा था। उन्होंने कहा कि डॉक्टर के व्यवहार ने उनकी बेटी को बहुत परेशान किया है और परिवार को उसके लिए शादी का रिश्ता ढूँढने से रोक दिया है। उन्होंने आसिम पर पिछले दो हफ़्तों से उसका पीछा करने का भी आरोप लगाया। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

वाहन फिटनेस मूल्यांकन के लिए एआई तकनीक: पोन्नम

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि लोगों के लिए सेवाओं को बेहतर बनाने के प्रयास में, राज्य सरकार परिवहन क्षेत्र में विभिन्न सुधारों को लागू कर रही है और वाहन फिटनेस मूल्यांकन के लिए एआई तकनीक की शुरुआत कर रही है। सहायक मोटर वाहन निरीक्षकों (एएमवीआई) की पासिंग आउट परेड बुधवार को तेलंगाना पुलिस अकादमी में हुई, जिसमें मंत्री पोन्नम प्रभाकर 96 एएमवीआई को सम्मानित करने वाले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने स्नातक प्रशिक्षुओं से सलामी ली। अपने संबोधन के दौरान, मंत्री ने प्रदूषण कम करने में मदद के लिए हैदराबाद में इलेक्ट्रिक, सीएनजी और एलपीजी वाहनों को प्राथमिकता देने की सरकार की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि बेरोज़गार युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग में कई महत्वपूर्ण पदों को भरने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। "देश भर में सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार प्रणाली शुरू की गई है। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए निवारक उपाय अपनाए जाने चाहिए। साथ ही, पहले से ड्यूटी पर तैनात 300 से ज़्यादा लोगों को दो महीने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हमें अनुशासन का पालन करके अपने गाँवों की प्रतिष्ठा बढ़ानी चाहिए। परिवहन विभाग में ग्रामीण लोगों को कानूनों और न्यायिक नियमों के बारे में शिक्षित करने का प्रयास किया जाना चाहिए। नवनियुक्त अधिकारी देश में एक आदर्श बनें।," कार्यक्रम में विशेष मुख्य सचिव विकास राज, आरबीवीआरआर तेलंगाना पुलिस अकादमी की निदेशक अभिलाषा बिष्टी, परिवहन आयुक्त सुरेंद्र मोहन, संयुक्त परिवहन आयुक्त और परिवहन एवं पुलिस दोनों विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मिलावटी ताड़ी के पीड़ितों से मिले आबकारी मंत्री

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आबकारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने बुधवार को हैदराबाद के कुकटपल्ली इलाके में मिलावटी ताड़ी पीने से गंभीर रूप से बीमार हुए लोगों से मिलने गांधी और निम्स अस्पताल का दौरा किया। मंत्री ने पीड़ितों के स्वास्थ्य की जाँच की और डॉक्टरों से अनुरोध किया कि वे पूरी तरह ठीक होने तक उचित उपचार प्रदान करें। बताया गया है कि मंगलवार को मिलावटी ताड़ी पीने से 19 लोग बीमार पड़ गए, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए निम्स और गांधी अस्पताल पहुँचाया। दुर्भाग्य से, बुधवार को इलाज के दौरान हालत बिगड़ने से तीन मरीजों की मौत हो गई।

अपने दौरे के दौरान, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मिलावटी ताड़ी से जुड़ी घटना पर तुरंत प्रतिक्रिया दी है और घटना का कारण बनने वाले ताड़ी के यौगिकों को जब्त कर लिया गया है और संचालकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके अलावा, मंत्री ने कहा कि परिस्थितियों का आकलन करने के लिए ताड़ी के नमूने परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं। जुपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे कि राज्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

केटीआर ने की मधयाह्न भोजन प्रणाली की उपेक्षा के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने बुधवार को कांग्रेस सरकार की गलत प्राथमिकताओं और सरकारी स्कूलों में मिड-डे मील योजना के तहत छात्रों को भोजन उपलब्ध कराने में अक्षमता के लिए कड़ी आलोचना की। उन्होंने बड़े आयोजनों पर सरकार के बेतहाशा खर्च का हवाला देते हुए, लंबित बिलों के भुगतान में लापरवाही और सरकारी स्कूलों में छात्रों को भोजन से वंचित रखने पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, 'मिस वर्ल्ड कार्यक्रम में मेहमानों के लिए एक खाने की थाली की कीमत एक लाख रुपये थी और मुख्यमंत्री के वेमुलावाड़ा मंदिर दौरे के दौरान दोपहर के भोजन पर प्रति व्यक्ति 32,000 रुपये खर्च हुए थे। लेकिन तेलंगाना के भविष्य कहे जाने वाले छात्रों के लिए दोपहर के भोजन का मतलब मिर्च पाउडर और पानी वाला सांभर है।' उन्होंने इसे कांग्रेस के प्रजापालन (जनता के शासन) की एक और पहचान बताया। रामा राव ने तेलंगाना के विभिन्न गुरुकुल स्कूलों में 90 से अधिक छात्रों की मौत पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, 'इस राज्य के लोगों के साथ इंसानों जैसा व्यवहार करने के लिए क्या करना पड़ता है? हमारे स्कूलों में छात्रों को आधा-अधूरा भोजन परोसने के लिए क्या करना पड़ता है?'

दो रसेल वाइपर की हत्या के आरोप में आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (डब्ल्यूपीए) की अनुसूची 1 के तहत संरक्षित सांप प्रजाति के दो रसेल वाइपर को हिंसक रूप से कुचलने की वीभत्स घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, आंध्र प्रदेश वन विभाग के कुरनूल वन प्रभाग ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसे हिरासत में ले लिया। पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स इंडिया (पेटा इंडिया) के हस्तक्षेप और संघमित्रा एनिमल फाउंडेशन के मोहम्मद इदरीस के सहयोग से स्थानीय वन अधिकारियों को सूचना मिल पाई, जिससे वे आरोपियों को जल्दी से गिरफ्तार कर पाए। आगे की जाँच जारी है।

यह चौंकाने वाली घटना कथित तौर पर आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के देवनकोंडा मंडल के पी कोटाकोंडा गाँव में हुई। वीडियो में दो रसेल वाइपर (एक प्रकार का साँप) की खेत में डंडों से बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या करते हुए दिखाया गया है।

अन्य फुटेज में एक भारतीय खरगोश (जो अधिनियम की अनुसूची II के तहत संरक्षित प्रजाति है) को अवैध रूप से फँसाते हुए दिखाया गया है, जो खेतों में भटक गया था। पेटा ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि बाद में खरगोश को बिना हिले-डुले दिखाया गया, संभवतः पकड़ने के तुरंत बाद ही उसे मार दिया गया। पीओआर को डब्ल्यूपीए, 1972 की धारा 2(5), 2(16)(ए), (बी), और (सी), 2(36), 2(37), 9, 39 और 50 के तहत पंजीकृत किया गया था। ये अपराध गैर-जमानती हैं और कम से कम तीन साल की जेल की सजा, जो सात साल तक बढ़ सकती है, और कम से कम 25,000 रुपये के जुर्माने से दंडनीय हैं।

8 लापता श्रमिकों की पहचान न होने से गहरा गया सिगाची का रहस्य

संगारेड्डी, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड में दुर्घटना के बाद लापता हुए 8 व्यक्तियों के बारे में रहस्य और गहरा गया है, केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) को भेजे गए 100 से अधिक नमूनों में से कोई भी उन लोगों की डीएनए रिपोर्ट से मेल नहीं खाता है, जो आठ व्यक्तियों के रिश्तेदार बताए गए थे। पहचान न हो पाने के कारण अधिकारियों ने परिवार के सदस्यों को अपने मूल स्थानों पर लौटने पर विचार करने का सुझाव दिया है। बुधवार को संगारेड्डी के अतिरिक्त कलेक्टर चंद्रशेखर के नेतृत्व में अधिकारियों ने पाशमिलाराम औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित पुनर्वास केंद्र में परिवारों को परामर्श दिया। बयान से स्तब्ध परिजनों ने मामले का निपटारा न होने पर दुख जताया। हालाँकि, अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया कि मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया तीन महीने के भीतर पूरी कर ली जाएगी। अतिरिक्त कलेक्टर ने यह भी कहा कि यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि आठ लापता श्रमिकों के परिवारों को अनुग्रह राशि और अन्य सुविधाएं मिलें।

समय पर दर्शन के लिए टीटीडी तकनीक का इस्तेमाल करेगा : कार्यकारी अधिकारी

तिरुमला, 9 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी की कार्यकारी अधिकारी जे. श्यामला राव ने श्रद्धालुओं को श्री वेंकटेश्वर स्वामी के समय पर दर्शन सुनिश्चित करने के लिए तकनीक के इस्तेमाल की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

मंगलवार को टीसीएस प्रतिनिधियों और टीटीडी के आईटी अधिकारियों के साथ-साथ अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी चौधरी वेंकैया चौधरी के साथ हुई एक वर्चुअल बैठक में, कार्यकारी अधिकारी ने सर्व दर्शन, विशेष प्रवेश दर्शन और दिव्य दर्शन जैसी विभिन्न कतारों के लिए दर्शन प्रणालियों को बेहतर बनाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को तीर्थयात्रियों के त्वरित सत्यापन के लिए मैन्युअल जाँच की जगह क्यूआर कोड और चेहरे की पहचान अपनाने का निर्देश दिया और देरी से बचने और भीड़ प्रबंधन में सुधार के लिए श्रद्धालुओं को उनके आवंटित समय पर आने के लिए शिक्षित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

टीसीएस प्रतिनिधियों ने पावरपॉइंट के माध्यम से एक विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया, जिसमें कतार में प्रवेश करने, डिब्बों में प्रतीक्षा करने और दर्शन के बाद बाहर निकलने तक विभिन्न चरणों में तीर्थयात्रियों द्वारा लिए गए समय को दर्शाया गया। कार्यकारी अधिकारी ने प्रौद्योगिकी के माध्यम से दक्षता बढ़ाने के लिए नियमित बैठकें और एक रणनीतिक कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया। टीटीडी के महाप्रबंधक आईटी शेष रेड्डी, उप महाप्रबंधक आईटी वेंकटेश्वर नायडू और अन्य अधिकारियों ने इसमें भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.